हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,गुरूवार 12 सितम्बर 2024 वर्ष : 02 अंक :121 पृष्ठ -13 PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 मूल्य - ₹ 3 पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

तिहाड़ जेल से बाहर आए?? इंजीनियर राशिद, बोले- मैं बीजेपी का शिकार, डरने वाला नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने टेरर फंडिंग मामले में जम्मू-कश्मीर की बारामूला सीट से सांसद शेख राशिद उर्फ ??इंजीनियर राशिद को 2 अक्टूबर तक अंतरिम जमानत दे दी। इसके बाद आज वह तिहाड़ जेल से बाहर आ गए हैं। तिहाड़ जेल से बाहर आने के बाद ??इंजीनियर राशिद ने कहा कि मैं अपने लोगों को निराश नहीं करूंगा। मैं प्रतिज्ञा करता हूं कि मैं पीएम मोदी की 'नया कश्मीर' की कहानी से लड़ूंगा, जो जम्मू-कश्मीर में पूरी तरह से विफल रही है। उन्होंने कहा कि लोगों ने 5 अगस्त 2019 को जो कुछ भी किया उसे खारिज कर दिया है।इंजीनियर राशिद ने ककहा कि मैं अपने लोगों के कल्याण के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। हम डरने वाले नहीं हैं। उमर अब्दुल्ला जो कहते हैं, मेरी लड़ाई उससे भी बड़ी है। उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई कुर्सी के लिए है, मेरी लड़ाई जनता के लिए है। उन्होंने कहा कि मैं बीजेपी का शिकार हूं, मैं अपनी आखिरी सांस तक पीएम मोदी की विचारधारा के खिलाफ लड़ूंगा। मैं अपने लोगों को एकजुट करने के लिए ।

'दुनिया को भरोसा देता है आज का भारत', सेमिकॉन इंडिया 2024 के उद्घाटन के बाद बोले प्रधानमंत्री पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा में दिवसीय सेमीकॉन इंडिया–2024 का शुभारंभ किया. इस कार्यक्रम का आयोजन इंडिया एक्सपो सेंटर एवं मार्ट में किया जा रहा है. जो तीन दिनों तक चलेगा.

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को ग्रेटर नोएडा में इंडिया एक्सपो सेंटर एवं मार्ट में तीन दिवसीय सेमीकॉन इंडिया-2024 का शुभारंभ किया. इस कार्यक्रम में दुनियाभर के 26 देशों के 836 प्रदर्शक और 50 हजार से अधिक विजिटर शिरकत कर रहे हैं. इस आयोजन का मकसद उत्तर प्रदेश को सेमी कंडक्टर के निर्माण का हब बनाना है. पीएम मोदी सुबह करीब सवा दस बजे हेलीकॉप्टर से एक्सपो सेंटर पहुंचे. इस दौरान एक्सपो सेंटर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए.एक्सपो मार्ट में सीएम ने लिया व्यवस्थाओं का जायजाइंडिया एक्सपो सेंटर में प्रधानमंत्री मोदी के पहुंचने से पहले यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं का जायजा लिया. बता दें कि इस कार्यक्रम से पहले पीएम मोदी ने मंगलवार को सेमीकंडक्टर से जुड़ी कंपनियों के कार्यकारी अधिकारियों के साथ बैठक की. इस दौरान पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र और प्रौद्योगिकी मिलकर मानवता का कल्याण सुनिश्चित कर सकते हैं. पीएम मोदी ने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत वैश्विक जिम्मेदारी समझते हुए आगे बढ़ रहा है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर डिजिटल युग का आधार है. उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब यह उद्योग हमारी बुनियादी आवश्यकताओं का भी आधार बन जाएगा.पीएम मोदी ने किया प्रदर्शनी का निरीक्षणबुधवार को इंडिया एक्सपो मार्ट पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने सबसे पर प्रदर्शन का निरीक्षण किया. उसके बाद पीएम मोदी ने सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम का उद्घाटन किया. कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने पीएम मोदी को मेक इन इंडिया का चिन्ह भेंट किया.इस दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अगले 10 साल में 85 हजार इंजीनियर और तकनीशियनों को तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है. इसके लिए 130 विश्वविद्यालयों को जोड़ा गया है. उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र की जरूरत को ध्यान में रखते हुए ही पाठ्यक्रमों को भी डिजाइन किया गया है.दुनिया को भरोसा देता है आज का भारत- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया का आठवां देश है जहां ग्लोबल सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री से जुड़ा ये भव्य आयोजन हो रहा है. पीएम मोदी ने कहा कि आप सही समय पर सही जगह पर हैं. 21 सदी के भारत में चिप्स आर नेवर डाउन, यही नहीं आज का भारत दुनिया को भरोसा देता है. सेमीकंडक्टर की दुनिया से जुड़े लोगों का नाता डायोड से जरूर पड़ता है. आप जानते ही है डायोड में एनर्जी सिर्फ एक डायरेक्शन में जाती है. लेकिन भारत की सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में स्पेशल डायोड्स लगे हुए हैं, यहां हमारी एनर्जी दोनों डायरेक्शन में जाती है.पीएम मोदी ने कहा कि डिजाइनिंग की दुनिया में 20 प्रतिशत का योगदान भारत करता है और इसका निरंतर विस्तार हो रहा है. पीएम मोदी ने कहा कि भारत का फोकस अपने स्टूडेंस्ट और प्रोफेसनर्स को सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री की श्रेणी बनाने पर ही. पीएम मोदी ने कहा कि हम ऐसी दुनिया बनाना चाहते हैं जो संकद के समय में भी रुके नहीं ठहरे नहीं निरंतर चलती रहे.

राहुल गांधी पर अमित शाह का तीखा वार,

बोले- कांग्रेस नेता ने देश की सुरक्षा और भावना को हमेशा किया आहत

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज राहुल गांधी पर हमला बोला और कहा कि कांग्रेस सांसद ने हमेशा देश की सुरक्षा को खतरा पहुंचाया है और भारत की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। शाह ने एक्स पर लिखा कि देशविरोधी बातें करना और देश को तोड़ने वाली ताकतों के साथ खड़े होना राहुल गाँधी और कांग्रेस पार्टी की आदत सी बन गई है। उन्होंने आगे कहा कि चाहे जम्मू-कश्मीर में खडठउ के देशविरोधी और आरक्षण विरोधी एजेंडे का समर्थन करना हो, या फिर विदेशी मंचों पर भारत विरोधी बातें करनी हो, राहुल गाँधी ने देश की सुरक्षा और भावना को हमेशा आहत किया है।भाजपा नेता ने आगे कहा कि भाषा से भाषा, क्षेत्र से क्षेत्र और धर्म से धर्म में भेदभाव लाने की बात करना राहुल गाँधी की विभाजनकारी सोच को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि राहुल गाँधी ने देश से आरक्षण को समाप्त करने की बात कह कर कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा एक बार फिर से देश के सामने लाने का काम किया है। मन में पड़े विचार और सोच किसी न किसी माध्यम से बाहर आ ही जाते हैं। शाह ने कहा कि मैं राहुल गाँधी को बताना चाहता हूँ कि जब तक भाजपा है, आरक्षण को कोई छू भी नहीं सकता और देश की एकता के साथ कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता।वहीं, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि राहुल गांधी अपनी अंतरराष्ट्रीय यात्राओं में बार-बार भारत को बदनाम किया है। ऐसा लगता है जैसे वह भारतीयों और अपनी मातृभूमि की आलोचना करने के लिए विदेश जाते हैं। मैं इस तरह के बयानों और अपनी विदेश यात्राओं के दौरान जिन लोगों से मिल रहा हूं, उनकी निंदा करता हूं।' उसकी मुलाकात मिस उमर से होती है जो एक प्रसिद्ध भारत विरोधी प्रचारक और पाकिस्तान समर्थक है।

राहुल गांधी के आवास के बाहर खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन, विदेशी धरती से भारत को बदनाम करने का लगाया आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली भाजपा के सिख प्रकोष्ठ ने सिख समुदाय पर दिए गए बयान को लेकर लोकसभा नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ उनके आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। बीजेपी नेता आरपी सिंह का कहा कि राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए। राहुल पर वार करते हुए सिंह ने आगे कहा कि उन्होंने भारत को बदनाम करने के लिए विदेशी धरती का इस्तेमाल किया और सिखों के बारे में बयान दिया कि सिखों को पगड़ी पहनने और गुरुद्वारे में जाने की इजाजत नहीं है। इससे पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अमेरिका में सिख समुदाय के बारे में राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष विदेश में ह्यसंवेदनशील मुद्दोंह्ण पर बोलकर ह्यखतरनाक विमर्शह्ण गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल की टिप्पणी ह्यभयावहह्ण है, क्योंकि उन्होंने अपनी रोटियां सेकने के लिए विदेशों में रह रहे सिख समुदाय के सदस्यों के बीच झूठ फैलाने की कोशिश ।

हरियाणा में तीसरी बार बनेगी भाजपा की सरकार : मनोहर लाल

एजेंसी

करनाल, 11 सितंबर (आईएएनएस)। केंद्रीय ऊर्जा और शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल बुधवार को करनाल पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा उम्मीदवार जगमोहन आनंद के नामांकन में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने हरियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा, हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, हरियाणा में भाजपा की तैयारी पूरी है, लेकिन कांग्रेस ने तो यहां की आधे से भी कम सीटों पर अपने

उम्मीदवार उतारे हैं। अभी जिन सीटों पर कांग्रेस ने उम्मीदवार नहीं उतारे हैं, मुझे ऐसा लगता है कि वो यहां नामांकन कर पाएंगे भी या नहीं। हरियाणा विधानसभा चुनाव में मुकाबला काफी रोमांचक होने वाला है केंद्रीय मंत्री ने हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर जीत का दावा किया।

CJI चंद्रचूड़ को लेकर सोशल मीडिया पर फर्जी खबरें फैलाने का आरोप, पुलिस ने लिया एक्शन

एजेंसी

नई दिल्ली: भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को बदनाम करने के लिए सोशल मीडिया पर फर्जी खबरें प्रसारित करने के आरोप में पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर के एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने कहा कि फुलबारी के सुजीत हलदर नाम के व्यक्ति पर मुख्य न्यायाधीश को बदनाम करने के लिए फर्जी खबरें प्रसारित करने का मामला दर्ज किया गया है।आगे की जांच जारी है, पुलिस ने लोगों से फर्जी खबरें न फैलाने का आग्रह करते हुए कहा। हाल ही में वायरल हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्क्रीनग्रैब के अनुसार,

प्रतिरूपणकर्ता ने मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ होने का दावा किया और दावा किया कि वो दिल्ली के कनॉट प्लेस (सीपी) में फंसे हुए है। बहुरूपिया ने आगे कहा कि उसे तत्काल 500 रुपये की जरूरत है ताकि वह सुप्रीम कोर्ट में महत्वपूर्ण कॉलेजियम बैठक में भाग लेने के लिए टैक्सी ले सके।व्यक्ति ने पोस्ट में लिखा, नमस्कार, मैं सीजेआई हूं और हमारे पास कॉलेजियम की जरूरी बैठक है और मैं कनॉट प्लेस में फंस गया हूं। क्या आप मुझे कैब के लिए 500 रुपये भेज सकते हैं? मैं अदालत पहुंचते ही पैसे वापस कर दूंगा।पुलिस ने लोगों से फर्जी खबरें न फैलाने का आग्रह करते हुए कहा। हाल ही में वायरल हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्क्रीनग्रैब के अनुसार, प्रतिरूपणकर्ता ने मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ होने का दावा किया और दावा किया कि वो दिल्ली के कनॉट प्लेस (सीपी) में फंसे हुए है।

अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका, 25 सितंबर तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली की एक अदालत ने कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले के संबंध में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बुधवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 25 सितंबर तक बढ़ा दी। वह राउज एवेन्यू अदालत द्वारा जारी समन पर उपस्थित हुए थे। सीएम केजरीवाल और हिरासत में लिए गए अन्य आरोपियों की पेशी तिहाड़ जेल से

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की गई। विनोद चौहान शारीरिक रूप से मौजूद रहे। इससे पहले 5 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े सीबीआई भ्रष्टाचार मामले में जमानत की मांग करने वाली मुख्यमंत्री केजरीवाल की याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया था। मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने की। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी शीर्ष अदालत में केजरीवाल का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सीबीआई ने आरोप लगाया है ।

परिसर की खुदाई करने की अनुमति, अब किस मांग को लेकर अदालत पहुंचा हिंदू पक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली: ज्ञानवापी मस्जिद मामले में हिंदू पक्ष ने बुधवार को स्थानीय अदालत से एएसआई को सर्वेक्षण के लिए परिसर में खुदाई करने की अनुमति देने का आग्रह किया। न्यायाधीश ने कहा कि वह ज्ञानवापी परिसर के शेष हिस्सों के एएसआई सर्वेक्षण की मांग वाली याचिका पर 18 सितंबर को फिर से सुनवाई करेंगे। मुस्लिम पक्ष के प्रतिनिधि अदालत में मौजूद थे और उम्मीद है कि अगली

सुनवाई के दौरान वे इस मामले पर अपनी राय रखेंगे। मामले में हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील मदन मोहन यादव ने कहा, सिविल जज सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक कोर्ट जुगल शंभू ने हिंदू पक्ष को सुनने के बाद नई तारीख तय की।यादव ने कहा कि हिंदू पक्ष ने मामले में अपनी दलील पूरी कर ली। हमने एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) को सर्वेक्षण के लिए परिसर में खुदाई करने की अनुमति देने का भी अनुरोध किया है। यादव ने कहा कि हिंदू पक्ष ने तर्क दिया है कि ज्योतिर्लिंग का मूल स्थान ज्ञानवापी परिसर में स्थित कथित मस्जिद के गुंबद के नीचे बीच में है।

'लगता है मुहब्बत की दुकान चलाते-चलाते झूठ की दुकान खोलकर बैठ गए हैं', राहुल गांधी के बयानों पर राजनाथ का तंज

एजेंसी

नई दिल्ली: अमेरिका में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयानों को लेकर देश में सियासत तेज हो गई है। भाजपा कांग्रेस नेता पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी राहुल गांधी के बयानों पर पलटवार किया है। राजनाथ ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि लगता है मुहब्बत की दुकान चलाते-चलाते झूठ की दुकान खोलकर बैठ गए हैं। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अपने विदेश दौरे के दौरान जिस तरह की भ्रामक, निराधार और तथ्यहीन बातें कर रहे हैं, वह बेहद शर्मनाक और भारत की गरिमा को ठेस पहुँचाने वाली हैं। राजनाथ ने आगे कहा कि उन्होंने कहा है कि भारत में सिख समाज को गुरद्वारों में पगड़ी पहनने की इजाजत नहीं है, उन्हें उनके पंथ के अनुरूप व्यवहार करने से रोका जा रहा है। यह बात एकदम बेबुनियाद और सच्चाई से कोसों दूर है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति की रक्षा करने में सिख समाज की जो बड़ी भूमिका रही है, उसको पूरा देश मानता है और उनका सम्मान करता है। उनके बारे में इस तरह की मनगढ़न्त बातें करना, विपक्ष के नेता को शोभा नहीं देता। रक्षा मंत्री ने अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि राहुलजी का यह दावा कि एनडीए सरकार आरक्षण को समाप्त कर देना चाहती है।

शिमला मस्जिद विवाद: हिंदू संगठनों का विरोध प्रदर्शन, लोगों ने तोड़ी बैरिकेडिंग, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

एजेंसी

शिमला: शिमला में कथित अवैध मस्जिद के निर्माण को लेकर तनाव बढ़ गया है। शहर में एक कथित अवैध मस्जिद के निर्माण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गया। कुछ हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था जिसके बाद कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए संजौली इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस ने आंदोलनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्के लाठीचार्ज और पानी की बौछारों का सहारा लिया क्योंकि उन्होंने मस्जिद स्थल तक पहुंचने के लिए बैरिकेडिंग

तोड़ने की कोशिश की थी। विरोध के आह्वान से पहले, भारत नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा आदेश जारी किए गए थे, जिसमें बिना किसी अनुमति के सार्वजनिक स्थानों पर पांच या अधिक व्यक्तियों के इकट्ठा होने पर रोक लगाई गई थी। प्रदर्शनकारियों में से एक ने दावा किया कि प्रदर्शनकारियों को पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों से हिरासत में लिया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि यह जनभावनाओं से जुड़ा मामला है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार इस मामले को "दबाने" की कोशिश कर रही है।

राहुल गांधी का बयान कॉंग्रेस और इंडी गठबंधन की भारत विरोधी मानसिकता का परिचायक : डॉ. दिलीप जायसवाल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- इंडी गठबंधन न केवल आरक्षण विरोधी बल्कि विभाजनकारी तत्वों की समर्थक : डॉ. दिलीप जायसवाल
- देश को तोड़ने वाली ताकतों के साथ खड़ा होना राहुल गांधी की आदत : डॉ. दिलीप जायसवाल
- कांग्रेस और राहुल गांधी ने देश की भावना को हमेशा आहत किया : डॉ. दिलीप जायसवाल
- भाजपा के रहते देश की एकता को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 11 सितंबर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कॉंग्रेस नेता राहुल गांधी के विदेश की धरती पर भारत विरोधी और आरक्षण विरोधी बयान दिए जाने को उनकी और उनकी पार्टी की भारत विरोधी मानसिकता का परिचायक बताया। डॉ. जायसवाल ने कहा कि राहुल गांधी का बयान कांग्रेस पार्टी और महागठबंधन(इंडी गठबंधन) के असली चरित्र और मानसिकता को उजागर करता है।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि राहुल गांधी ने जिस तरह विदेश की धरती पर बयान दिया है वह बहुत गंभीर और पूरे देश के लिए विचारणीय है। राहुल गांधी भारत के इतिहास में शायद पहले ऐसे विपक्ष के नेता बन गए हैं,जो विदेश की धरती पर देश का अपमान करवाने के लिए जाने जाएंगे। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण अन्य देश की धरती पर भारत का डंका बज रहा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत गर्व से,विकास और सांस्कृतिक स्वाभिमान के साथ ऊपर उठ रहा है दूसरी तरफ इंडी गठबन्धन के लोग हैं जो विदेश में जाकर भारत को अपमानित कर रहे हैं।मंत्री डॉ. जायसवाल ने कहा कि कॉंग्रेस के नेता जिस तरह आरक्षण समाप्त करने की बात कर रहे हैं वह संविधान का भी अपमान है। वैसे यह कोई नई बात नहीं है।जिस तरह कॉंग्रेस उनकी खानदानी पार्टी है, आरक्षण को लेकर उनके यह विचार भी खानदानी है। कॉंग्रेस की सोच आरक्षण विरोधी और विभाजनकारी तत्वों की समर्थक है। भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने साफ शब्दों में कहा कि भाजपा का अगर एक भी कार्यकर्ता इस धरती पर है तो देश की एकता को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता।उन्होंने कहा कि कॉंग्रेस और राहुल गांधी के देश को तोड़ने वाली ताकतों के साथ खड़ा होने की आदत है। कई मौकों पर देश ने इसे देखा है। उन्होंने कहा कि कॉंग्रेस देश की भावनाओं को आहत करते रहे हैं। देश कभी नहीं चाहता विभाजनकारी तत्व देश मे सिर उठा सके और कांग्रेस ऐसे ही तत्वों के साथ खड़ी होती है। भाजपा अध्यक्ष ने भारत विरोधी अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से राहुल गांधी की मुलाकात पर सवालिया लहजे में कहा कि क्या राहुल गांधी ने कभी भारत समर्थक किसी अमेरिकी सांसद से मुलाकात की है।अमेरिकी सांसद इल्हान उमर भारत विरोध के लिए विख्यात और कुख्यात हैं ये उन कुछ चुनिंदा अमेरिकी सांसदों में एक थीं, जिन्हें पाकिस्तान सरकार की तरफ से पीओके में विजिट करवाया गया था।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री बी. एल. वर्मा बिहार पहुंचे, भाजपा सदस्यता अभियान को देंगे गति

- केंद्रीय राज्यमंत्री बी. एल. वर्मा बिहार के कई जिलों का करेंगे दौरा, कार्यकताओं से मिलेंगे

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 11 सितंबर। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता सह उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री बी. एल. वर्मा बिहार में सदस्यता अभियान को गति देने के लिए बिहार पहुँचे हैं। वे चार दिवसीय बिहार यात्रा के क्रम में प्रदेश के कई जिलों का भ्रमण करेंगे और कार्यकताओं से सदस्यता अभियान की जानकारी लेंगे। भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक दानिश इकबाल ने आज बताया की केंद्रीय राज्यमंत्री बुधवार को पटना पहुँचे और सारण के लिए निकल गए। इसके बाद वे सीवान जाएंगे और वहां स्थानीय कार्यकताओं से मिलेंगे। उसके बाद वे गोपालगंज पहुँचेंगे जहां वे रात्रि विश्राम करेंगे।अगले दिन यानी 12 सितंबर को बेतिया और बगहा में स्थानीय नेताओं और कार्यकताओं से मिलेंगे। 13 सितंबर को केंद्रीय राज्यमंत्री बेतिया से मोतिहारी पहुंचेंगे और सदस्यता कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद वे रक्सौल जाएंगे।अपने बिहार दौरे के अंतिम दिन 14 सितंबर को वे ढाका जाएंगे और स्थानीय नेताओं के साथ एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद वे पटना आएंगे। केंद्रीय राज्यमंत्री श्री वर्मा के बिहार दौरे के क्रम में प्रदेश संयोजक,पंचायती राज प्रकोष्ठ और सह संयोजक सदस्यता अभियान ओम प्रकाश भुवन भी साथ रहेंगे।दानिश ने बताया कि इस क्रम में वे कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और संबंधित जिला मुख्यालयों में ही रात्रि विश्राम करेंगे। संबंधित जिलों में वे गणमान्य लोगों, शिक्षाविदों और सामाजिक कार्यकताओं से मिलेंगे और उन्हें भाजपा से जुड़ने का आग्रह कर उन्हें सदस्य बनाएंगे।

केंद्र ने ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए दिये 1170 करोड़ का बंधित अनुदान

- 15 वें वित्त आयोग की अनुशंसा पर मिली राशि से गांव में बढ़ेंगी बुनियादी सुविधाएं

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि 15 वें वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार केंद्र सरकार ने बिहार के ग्रामीण स्थानीय निकायों के विकास के लिए बंधित अनुदान के रूप में 117005.15 लाख रुपये जारी किये। यह राशि वित्तीय वर्ष 2024 -25 में मिलने वाले केंद्रीय अनुदान की पहली किस्त है।इससे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल, कचरा प्रबंधन जैसी बुनियादी सुविधाओं का विकास होगा।

उन्होंने बताया कि केंद्र की इस अनुदान राशि का उपयोग स्थानीय निकायों द्वारा दो तरह की बुनियादी सेवाओं के लिए किया जाएगा। पहला, घरेलू अपशिष्ट, मानव मल, मल कीचड़ प्रबंधन और उपचार सहित खुले में शौच से मुक्ति दिलाने वाले कार्य कराये जाएँगे , जिससे गांव में स्वच्छता बढेगी।

श्री चौधरी ने बताया कि बंधित अनुदान की राशि से जो दूसरे काम होंगे, उनमें पीने के पानी की आपूर्ति, वर्षा जल संचयन और जल पुनर्चक्रण को प्राथमिकता दी जाएगी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हर पंचायत जहां तक ??संभव हो, इन दोनों महत्वपूर्ण सेवाओं में से प्रत्येक के लिए इन बंधे अनुदानों का आधा हिस्सा करेगी, लेकिन जिस पंचायत ने एक श्रेणी की जरूरतों को पूरा कर लिया है, वह दूसरी श्रेणी के लिए भी उस धन का उपयोग कर सकती है।

युवा देश का भविष्य है समाज में हो रहे पनप रहे बुराई को खत्म करने के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए युवा नौजवान पार्टी से जुड़कर काम करें सुधीर कुमार राष्ट्रीय अध्यक्ष

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

राष्ट्रीय समाजवादी लोक अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर कुमार झा की अध्यक्षता मे एक सेमिनार का आयोजन किया गया सैंकड़ों लोगों ने इस सभा मे हिस्सा लिया सुधीर कुमार ने लोगों से लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज की तारीख में बड़ी-बड़ी पार्टी हिंदुस्तान में काम कर रहे हैं लेकिन क्या काम कर रहे हैं वह सारी हिंदुस्तान खासतौर से बिहार के लोग जानते हैं यही वजह है कि आज समाज में कितनी बुराइयां समाज में बढ़ते हुए अपराध बढ़ते हुए जल एम बढ़ाते हुए क्रीम भिन्न-भिन्न प्रकार के बुराई पनप रहे हैं यही नहीं नल जल से लेकर प्रधानमंत्री आवास योजना जाति प्रमाण पत्र आवासीय प्रमाण पत्र में कितना परेशानी बनाने में हो रही है यह हम और आप खूब जानते हैं ऐसे में हमारी पार्टी आगे बढ़ रही है देश के कोने में सदस्यता अभियान चलाकर नौजवानों को जोड़ने का काम कर रही है और आने वाला कल हमारी पार्टी ऐसे ही ईमानदार वफादार नौजवानों को टिकट देकर समाज लोगों के रुके हुए काम उसका हक दिलाने का करेगी इसलिए नौजवानों को आगे बढ़ना चाहिए और हमारे पार्टी के सदस्यता अभियान में हिस्सा लेकर हमारे पार्टी होगा अभी आप बताएं इस मौके पर नवीन कुमार झा को दी गयी जिला अध्यक्ष युवा अररिया की कमान एवं मनमोहन चौधरी को पंचायत अध्यक्ष युवा पुरषोत्तम पुर अन्नू खानपुर समस्तीपुर की कमान, पार्टी इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती हैं एवं बधाई देती हैं, पार्टी मे इन जुझारू कार्यकर्ता के आने से पार्टी को मजबूती मिलेगी

बोधगया संस्कृति केंद्र में लोजपा रामविलास की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने किया कार्यकारिणी की बैठक की अध्यक्षता।
- आगामी 28 नवंबर को पार्टी की स्थापना दिवस के अवसर पर पटना के गांधी मैदान में लोजपा रामविलास की होगी ऐतिहासिक रैली - राजू तिवारी

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक बोधगया स्थित सांस्कृतिक केंद्र मे आयोजित की गई। उक्त बैठक की अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने की। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने किया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं कि अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत लोक जनशक्ति पार्टी और पार्टी के संस्थापक पद्म भूषण रामविलास जी के नेतृत्व में किया। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए श्री तिवारी ने कहा कि पार्टी के बुरे दौर में आपने जो मेरे नेतृत्व में पार्टी को सहयोग किया है इसके लिए मैं आप सबों का आभारी हूं जिन लोगों ने पार्टी को तोड़ने का काम किया उन लोगों ने सोचा होगा कि पार्टी समाप्त हो जाएगी लेकिन हमारे पार्टी के नेता चिराग पासवान जी के नेतृत्व में पार्टी ने ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। श्री तिवारी ने पार्टी के सभी नेताओं से आगामी 28 नवंबर को पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर पटना के गांधी मैदान में ऐतिहासिक का आयोजन को सफल बनाने की अपील की मैं आगे कहा कि पार्टी का संगठन महत्व रखता है आने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी सभी जिलों में अनिवार्य रूप से गठबंधन के अंदर हिस्सेदारी लेगी। पार्टी के सांसद अरुण भारती ने मौजूद पदाधिकारी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। श्री भारती ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ है। पार्टी में उनके सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा इसमें अगर इसमे कभी भी कोई कमी होगी तब आप सब हमारे संज्ञान मैं अवश्य लाएं। कार्यकताओं की अनदेखी हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ राजेश भट्ट ने बताया कि उक्त बैठक में पार्टी के सांसद वीणा देवी, अरुण भारती प्रदेश प्रधान महासचिव संजय पासवान पूर्व विधायक राम विनोद पासवान राष्ट्रीय सचिव अरविंद सिंह संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष हुलास पांडे चुनाव अभियान प्रमुख सुरेंद्र विवेक संजय कुमार सिंह संजय रविदास ने संबोधित किया उक्त कार्यक्रम में कार्यकारिणी के सभी सदस्य समेत पार्टी के सभी उपाध्यक्ष सभी प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्ष सभी जिलों के जिला अध्यक्ष और पार्टी के सभी प्रदेश प्रवक्ता शामिल हुए

डीजल अनुदान के आवेदन की जांच करने गये कृषि समन्यवक को ग्रामीणों ने बंधक बना लिया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर जिले के रोसड़ा प्रखंड अंतर्गत मो. नगर पूरब पंचायत के मर्रा वार्ड नं 07 में डीजल अनुदान के आवेदन की जांच करने गये कृषि समन्यवक को ग्रामीणों ने बंधक बना लिया। इस मामले का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। वायरल हो रहे वीडियोस्त्र में कृषि समन्वयक विजय शंकर कुमार को ग्रामीणों ने घेर रखा है और उनका हाथ भी गमछे से बंधा है। वीडियो में आक्रोशित ग्रामीण वरीय अधिकारियों को बुलाने के बाद ही कृषि समन्वयक को मुक्त करने की बात कहते दिख रहे हैं। वीडियो में ग्रामीणों को यह कहते सुना जा रहा है कि अनुमंडल कृषि कार्यालय द्वारा डीजल अनुदान का आवेदन बिना जांच-पड़ताल के रद्द कर दिया जा रहा है। सभी इस पर रोष जता रहे थे। उनका कहना था कि आवेदन रद्द होने का खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है और उन्हें आर्थिक शोषण का शिकार होना पड़ रहा है इधर, इस संबंध में विभागीय सूत्रों से जब जानकारी हासिल की गई तो पता चला कि तकरीबन 150 से अधिक डीजल अनुदान का आवेदन प्रखंड कृषि कार्यालय से अग्रसारित कर अनुमंडल कृषि कार्यालय को भेजा गया था। जिसमें अनुमंडल कृषि कार्यालय द्वारा महज 50 आवेदन की स्वीकृति प्रदान की गई। इन्हीं स्वीकृत आवेदनों के जांच में कृषि समन्वयक महुली पहुंचे थे। जिन्हें ग्रामीणों के आक्रोश का कोपभाजन बनना पड़ा।

वायरल वीडियो में कृषि समन्वयक यह स्वीकार भी कर रहे हैं कि किसानों का डीजल अनुदान आवेदन रद्द कर दिया गया है, जिससे किसान आक्रोशित है। हालांकि बाद में स्थानीय लोगों की मध्यस्थता व हस्तक्षेप पर किसानों ने कृषि समन्वयक को मुक्त किया। इस संबंध में अनुमंडल कृषि पदाधिकारी सुष्मिता सिंह ने बताया कि यह मामला उनकी संज्ञान में नहीं आया है। वहीं प्रखंड कृषि पदाधिकारी से उनके मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की गई। पर उन्होंने कॉल का रिस्पांस नहीं दिया गया। इधर वायरल वीडियो को लेकर चर्चा बनी रही।

बीपीएम ने की गुरु गोष्ठी का आयोजन

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 11 सितम्बर बुधवार। दुरौंधा माध्यमिक उच्च विधालय परिसर में बुधवार को प्रधानाध्यापक की बैठक बीपीएम सुवेंदु कुमार की अध्यक्षता में हुई। जिसमें मुख्य रूप से विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की गई। जिन विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। वे आवेदन पत्र के माध्यम से डिमांड दिया गया। विद्यालयों में पाठ्य पुस्तकें, कीट का वितरण , मिशन दक्ष के तहत बच्चों को पढ़ाने, पुस्तक पाठ तैयार करने, 3.15 से 4.15 तक चयनित कमजोर बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। इसके लिए वर्ग कक्ष के शिक्षकों को बच्चों को सूची बनाया जा। ऐसे नहीं करने वाले शिक्षकों को चिन्हित कर विभागीय कार्रवाई के लिए भेजा जाएगा। पठन पाठन कार्य समय सारणी के अनुसार किया जाय, ऐसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों को चिन्हित किया जा रहा है। इस मौके पर बीआरपी अमरेश कुमार सिंह, युवाराज सिंह, अंकित कुमार सिंह, लेखापाल संजय गुप्ता, पूनम कुमारी, भगवान प्रसाद, रविन्द्र कुमार, रमेश कुमार, सर्वजीत राम, कमलेश्वर प्रसाद सिंह, मिथिलेश तिवारी, जितेन्द्र कुमार पाण्डेय, संजय कौशल, रितु सिन्हा, भागमुनी कुमारी, विजय यादव, सुनील कुमार आदि उपस्थित थे।

स्कूली छात्रों को आगलगी से बचाव की जानकारी दी फायर ब्रिगेड कर्मियों ने

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 10 सितम्बर मंगलवार। अग्निशमन विभाग के महानिदेशक के निर्देश पर मंगलवार को आगजनी की घटनाओं से बचाव व क्षति कम करने के उद्देश्य से विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान माध्यमिक उच्च विद्यालय कौथुआसारंगपुर, नया प्राथमिक विद्यालय बसवरिया टोला, प्राथमिक विद्यालय अभूई, उमवि कन्या अभूई, उमवि फतेहपुर आदि विद्यालय में अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी अजय कुमार सिंह के निर्देशन में अग्निशमन दस्ते के जवानों और पदाधिकारियों ने आग की विस्फोटक परिस्थितियों से जूझने और बचने के कारगर तरीकों का अत्यंत कुशलता पूर्वक प्रदर्शन किया। गैस सिलेंडर से होने वाले रिसावों से बचाव कैसे करें। गैस सिलेंडर से होने वाले रिसावों से पकड़ी आग को तुरत बुझाने के तरीकों को देखकर छात्र छात्राओं ने ने तालियां बजाकर फायर फाइटर्स की हौसलाअफजाई की। इस दौरान छात्राओं ने खुद भी आग बुझाने के तरीकों को प्रदर्शित किया और सफल रहीं। इस अवसर पर खुली जगह पर आग लगने पर उसे तुरत बुझाने का भी तरीका बताया गया।इस दौरान रितु सिन्हा, भागमुनी कुमारी, शिल्पी कुमारी, भागवत महतो, जितेन्द्र कुमार पाण्डेय, अजय भारती, रविन्द्र कुमार एवं काफी संख्या में बच्चे शामिल हुए।

बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम का आज दूसरा दिन है। नेता विपक्ष आज भी समस्तीपुर में ही रहेंगे

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम का आज दूसरा दिन है। नेता विपक्ष आज भी समस्तीपुर में ही रहेंगे। जहां अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों के आरजेडी नेताओं और कार्यकताओं से मिलेंगे। इसके बाद शाम को वह दरभंगा के लिए रवाना हो जाएंगे। तेजस्वी यादव 10 सितंबर से कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले आरजेडी कार्यकताओं को एकजुट करने और जोश भरने के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम कर रहे हैं। इसकी शुरूआत उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री ह्यभारत रत्नह्व कर्पूरी ठाकुर की जन्मस्थली समस्तीपुर से की। तेजस्वी पहले दिन समस्तीपुर के 5 विधानसभा क्षेत्र मोरवा, सरायरंजन, मोइनुद्दीन नगर, उजियारपुर और विभूतिपुर के कार्यकताओं से मुलाकात की। इसके बाद अब आज वह समस्तीपुर, रोसड़ा, कल्याणपुर, वारिसनगर और हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के आरजेडी कार्यकताओं से रूबरू हुए। तेजस्वी यादव 12 सितंबर को दरभंगा जिले के दरभंगा, बहादुरपुर, हायाघाट, केवटी और जाले विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकताओं से मिलेंगे। 13 तारीख को दरभंगा ग्रामीण, गौराबौराम, बेनीपुर, अलीनगर और कुशेश्वरस्थान के कार्यकताओं से संवाद स्थापित करेंगे। 14 सितंबर को तेजस्वी मधुबनी में मधुबनी, राजनगर, बेनीपट्टी, बिस्फी और हरलाखी के कार्यकताओं से मिलेंगे। रात्रि विश्राम वह मधुबनी में करेंगे और 15 सितंबर को मधुबनी जिले के लोक फुलपरास, झंझारपुर और खजौली विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकताओं से मिलेंगे।

तेजस्वी प्रसाद यादव के कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम का आगाज शुरू हुवा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव के कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम का आगाज हो रहा है। देर रात को वे समस्तीपुर सर्किट हाउस पहुंच गये है। समस्तीपुर में दिन में वे स्थानीय पार्टी के पदाधिकारियों, प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, प्रखंड एवं पंचायत स्तर के कार्यकताओं से संवाद करेंगे। पहले चरण में चार जिलों समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी एवं मुजफ्फरपुर में कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।प्रदेश राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने सोमवार को बताया कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव की पहले चरण की यात्रा 10 सितंबर को जननायक कपूर्री ठाकुर की जन्मभूमि समस्तीपुर से शुरू होकर 17 सितंबर तक होगी। जिन विधानसभा क्षेत्र के कार्यकताओं को कार्यक्रम के लिए बुलाया जाएगा,उसी क्षेत्र के कार्यकर्ता उसमें उपस्थित रहेंगे। संवाद यात्रा कार्यक्रम का मकसद पार्टी के कार्यकताओं से स्थानीय स्तर पर पार्टी के संगठन, आमजन की समस्या तथा क्षेत्र की समस्या की जानकारी प्राप्त करना है ताकि उनका निराकरण किया जा सके।यात्रा का कार्यक्रम प्रदेश प्रवक्ता चितरंजन गगन ने बताया कि पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 10 सिंतबर को समस्तीपुर के टॉउन हॉल में उजियापुर संगठन जिला के मोरवा, सरायरंजन, मोहिद्दी नगर, उजियारपुर और विभूतिपुर विधानसभा क्षेत्र के नेता व कार्यकर्ता शामिल होंगे। वे रात्रि विश्राम समस्तीपुर परिषदन में करेंगे। 11 सितंबर को समस्तीपुर, रोसड़ा, कल्याणपुर, वारिसनगर और हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के नेता व कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल होंगे। 12 सितंबर को दरभंगा प्रेक्षागृह लहेरिया सराय में कार्यकर्ता संवाद में बहादुरपुर ,दरभंगा, हायाघाट ,केवटी ,जाले विधानसभा के नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे। 13 सितंबर दरभंगा ग्रामीण , गोराबोराम ,बेनीपुर, अलीनगर, कुशेश्वर स्थान के विधानसभा क्षेत्र के नेता और कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे।

झुन्नू साहब के इमामबाड़ा में बुधवार के रात्रि में एक मजलिस का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
राजेश कुमार चौधरी

छपरा,शहर के नई बाजार स्थित स्वङ्ग झुन्नू साहब के इमामबाड़ा में बुधवार के रात्रि में एक मजलिस का आयोजन बड़े पैमाने पर अंजुमन ए असगरिया के तत्वाधान में किया गया जिसका आरम्भ आफताब अली और उनके हमनवा द्वारा सोज से किया गया।इस अवसर पर अतहर अली ने पेशखानी कर लोगो का मन मोह लिया।झांसी से ताडरीफ लाए हुए जनाब मौलाना नवेद आब्दी साहब ने मजलिस में बयान किया की मोहर्रम से लेकर रबी अव्वल तक शिया समाज के लोग कर्बला के 72 शहीदों के नाम की आजादरी करते है ।जनाब नवेद आब्दी ने कहा की कर्बला में यजीदी फौज और इमाम हुसैन के बीच हक और बातिल के लिए लड़ाई लड़ी गई थी ।यजीद एक आतंकवाद और बदनाम इंसान था ।हजरत इमाम हुसैन अः सः ने कर्बला की जंग में अपनी कुबार्नी देकर इस्लाम धर्म को बचाया।आज हम सभी लोग 72 शहीदों पर मातम कर पुरसा देते है।पर यजीदी फौज का नामो निशान भी दुनिया से मिट गया।इस अवसर पर सज्जाद हल्लौरी ,अली शब्बर ,बबलू राही ,शकील हैदर,ने नौहा पढ़ कर मातम कराया।इस अवसर पर अंजुमन ए असगर या के मातमदारों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया इस अवसर पर देवल,जैन,काजिम,तस्बीह, नजफ, नफीर ,शबाब के साथ सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद थे।

शिवगंगा बालिका उच्च विद्यालय की शिक्षिका राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित डॉक्टर मीनाक्षी कुमारी को मिथिला कि रीति रिवाज पाग दुपट्टा से सम्मानित किया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

समाजसेवी रीना सर्राफ ने शिवगंगा बालिका उच्च विद्यालय की शिक्षिका राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित डॉक्टर मीनाक्षी कुमारी को मिथिला कि रीति रिवाज पाग दुपट्टा से सम्मानित किया। बीते दिनों शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले बिहार के दो शिक्षकों को सम्मानित किया गया जिसमें मधुबनी से मीनाक्षी कुमारी भी शामिल है। मिनाक्षी ने कहा कि शिक्षा पाने का लक्ष्य केवल निजी या सरकारी विभाग में उच्च पदों पर आसीन होना नहीं है , बल्कि श्रेष्ठ समाज की रचना में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करना है ।वही रीना सर्राफ ने कहा कि हम लोगों के लिए बहुत खुशी की बात है कि मिथिला मधुबनी की बेटी इस मुकाम पर पहुंची है। इनकी जितनी तारीफ की जाए कम है। इन्होंने सैनिटरी पैड मशीन स्कूल कि लड़कियों के लिए लगवाया, बाल विवाह के रोकथाम के लिए ठोस पहल की साल में तीन से चार बार रक्तदान करती है ।हमें मीनाक्षी जैसी बेटी पर गर्व है। हम इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

जिला उप विकास आयुक्त का तबादला ,जिला परिषद अध्यक्ष ममता राय ने उप विकास आयुक्त के सम्मान मे विदाई समारोह का आयोजन किया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
कफील एकबाल

मोतिहारी, 11 सितंबर जिला परिषद अध्यक्षा के कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद्, पूर्वी चम्पारण का स्थानान्तरण सूचना उपरांत आज मा० अध्यक्षा ममता राय राय द्वारा जिला परिषद कार्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर मा० अध्यक्षा ने बताया कि उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी बहुत ही कम समय में जिला परिषद के कार्यों एवं योजनाओं को बहुत ही सुचारु ढंग से गति दिया , जिला परिषद इनका आभारी रहेगा।
मौके पर जिला परिषद उपाध्यक्ष गीता देवी, शशि भूषण राय उर्फ गप्पु राय, अखिलेश्वर यादव उर्फ भाई जी, संजीव कुमार सिंह, जिला परिषद सदस्य नसीमा खातून, ईश्वरचंद्र मिश्र, मनोज मुखिया, सदफ खानम, सुनैना देवी, आभा कुमारी, सुमन वर्मा, तौसीफुर रहमान, दिलीप कुमार, कृष्ण दास, रिंकू कुमारी, श्रवण यादव, किरण कुशवाहा, परमानंद पटेल, सुरेश प्रजापति, आदित्य मिश्रा, अर्जुन सिंह, रामभरोस, सुधीर कुमार, भरत प्रताप, राजेश कुमार, शिवम कुमार, विक्रम कुमार, सुधीर कुमार एवं जिला परिषद कर्मचारी उपस्थित रहे ।

भू-सर्वेक्षण में विसंगति होने का आरोप लगा आंदोलनों की शुरूआत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/मोहनपुर :- बिहार में प्रारंभ हुए भू-सर्वेक्षण में विसंगति होने का आरोप लगा आंदोलनों की शुरूआत हो गयी है। सोमवार को मोहनपुर प्रखंड परिसर में 8 सूत्री मांग को लेकर समाजसेवी उमेश राय ने प्रखंड परिसर में आमरण अनशन शुरू किया। उनकी मांगों में नया भूमि सर्वे पुराने नक्शा एवं पुराने खतियान से कराने, नया नक्शा नया खतियान रद्द करने, प्रखंड के सभी राजस्व ग्रामों की सीमारेखा की जांच करने, नया जमाबंदी व नया रजिस्टर-2 तैयार करने, इस भू-सर्वेक्षण में पुराना नक्शा खातियान से टेबुल सर्वे कराने आदि मांगें सम्मिलित हैं। अनशनकर्ता उमेश राय के समर्थन में जुटे सैंकड़ों किसान मांगों से संबंधित तख्ती लिये नारे लगा रहे थे। इस अवसर पर अशोक राय के संचालन में कई किसानों ने सभा को संबोधित किया। जिसमें विगत 60 के दशक में किसानों की हजारों बीघा भूमि को बिहार सरकार के खाते में दर्ज करने का मुद्दा भी उठाया गया।

माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सारण एवं पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा प्रेक्षागृह, सारण में तिहरे हत्या के दोषियों को सजा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पुलिस पदाधिकारियों/अन्य कर्मियों को किया गया पुरस्कृत।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा आज दिं0-10.09.24 को प्रेक्षा गृह, सारण में माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सारण तथा पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा रसूलपुर तिहरे हत्या कांड के सफल उद्भेदन, गिरफ्तारी, 14वे दिन आरोप पत्र समर्पित करने एवं 50वे दिन कांड में दोषसिद्ध दोनों अभियुक्तों को सजा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले निम्नांकित पदाधिकारियों/कर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गयाः-
टीम का नाम टीम में शामिल सदस्यों का नाम
अनुसंधान टीम 1. श्री रंजीत कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, पुलिस कार्यालय, सारण, 2. पु0नि0 विरेन्द्र कुमार सिंह, अंचल पुलिस निरीक्षक, एकमा, 3. पु0अ0नि0 रविन्द्र कुमार (अनुसंधानक), 4. पु0अ0नि0 दिपक कुमार सिंह, 5. पु0अ0नि0 प्रभात कुमार,
अभियोजन टीम 1. श्री राकेश कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, (मु0) सारण, 2. श्री सुभाष चन्द्र दास, सहायक व्यवहार न्यायालय सारण, 3. श्री दीपक कुमार सिंह, अपर लोक अभियोजक, व्यवहार न्यायालय, सारण 4. पु0नि0 राजेश कुमार सिंह, प्रभारी अभियोजन शाखा, 5. श्री सुरेन्द्रनाथ सिंह, लोक अभियोजक व्यवहार न्यायालय, सारण 6. स0अ0नि0 ब्रहमेश्वर सिंह, अभियोजन शाखा, पुलिस कार्यालय छापामारी टीम 1. श्री राहुल कुमार, अंचलाधिकारी, एकमा 2. पु0नि0 उदय कुमार, थानाध्यक्ष, एकमा, 3. स0अ0नि0 सकलदेव पासवान, 4. प्र0पु0अ0नि0 प्रीति कुमारी, 5. सैप ड्राइवर बलिस्टर कुमार पंडित 6.गृहरक्षक अशोक सिंह, सभी थाना रसूलपुर,
यह सम्मान उपरोक्त पुलिस पदाधिकारियों एवं अन्य पदाधिकारियों/कर्मियों को ससमय गिरफ्तारी करने, विधिवत अनुसंधान पूर्ण करने के बाद माननीय न्यायालय से सजा दिलाने हेतु अपेक्षित न्यायिक प्रक्रियाओं को पूर्ण करने में सहयोग के लिए दिया गया है।

युवा देश का भविष्य है समाज में हो रहे पनप रहे बुराई को खत्म करने के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए युवा नौजवान पार्टी से जुड़कर काम करें सुधीर कुमार राष्ट्रीय अध्यक्ष

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

राष्ट्रीय समाजवादी लोक अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर कुमार झा की अध्यक्षता मे एक सेमिनार का आयोजन किया गया सैंकड़ों लोगों ने इस सभा मे हिस्सा लिया सुधीर कुमार ने लोगों से लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज की तारीख में बड़ी-बड़ी पार्टी हिंदुस्तान में काम कर रहे हैं लेकिन क्या काम कर रहे हैं वह सारी हिंदुस्तान खासतौर से बिहार के लोग जानते हैं यही वजह है कि आज समाज में कितनी बुराइयां समाज में बढ़ते हुए अपराध बढ़ते हुए जल एम बढ़ाते हुए क्रीम भिन्न-भिन्न प्रकार के बुराई पनप रहे हैं यही नहीं नल जल से लेकर प्रधानमंत्री आवास योजना जाति प्रमाण पत्र आवासीय प्रमाण पत्र में कितना परेशानी बनाने में हो रही है यह हम और आप खूब जानते हैं ऐसे में हमारी पार्टी आगे बढ़ रही है देश के कोने में सदस्यता अभियान चलाकर नौजवानों को जोड़ने का काम कर रही है और आने वाला कल हमारी पार्टी ऐसे ही ईमानदार वफादार नौजवानों को टिकट देकर समाज लोगों के रुके हुए काम उसका हक दिलाने का करेगी इसलिए नौजवानों को आगे बढ़ना चाहिए और हमारे पार्टी के सदस्यता अभियान में हिस्सा लेकर हमारे पार्टी होगा अभी आप बताएं इस मौके पर नवीन कुमार झा को दी गयी जिला अध्यक्ष युवा अररिया की कमान एवं मनमोहन चौधरी को पंचायत अध्यक्ष युवा पुरषोत्तम पुर अन्नू खानपुर समस्तीपुर की कमान, पार्टी इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती हैं एवं बधाई देती हैं, पार्टी मे इन जुझारू कार्यकर्ता के आने से पार्टी को मजबूती मिलेगी

गुलाबी शहर जयपुर में मोतिहारी की बेटी लोक गायिका डॉ. नीतू कुमारी नूतन की स्वर लहरियों से लोक रंग की रसधार में बहे जयपुरवासी

सुर संगम कला संस्थान की स्थापना कर डॉ.नूतन ने तैयार की है कला की नयी पीढ़ी

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
कफील एकबाल

मोतिहारी 9 सितंबर अपनी सुमधुर स्वर लहरियों की बदौलत देश- दुनिया में विख्यात व राष्ट्रपति सम्मान से नवाजी गईं कला शख्सियत मोतिहारी की डॉ. नीतू कुमारी नूतन ने गुलाबी शहर के नाम से मशहूर जयपुर में आयोजित कजरी महोत्सव में सुरों की रसवर्षा से दर्शक- श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

राजस्थान की ऐतिहासिक, पारंपरिक व प्राचीन धरोहर तथा कला- संस्कृति के उन्नयन व विकास को लेकर विश्व स्तर पर विख्यात राजस्थान इंटरनैशनल सेंटर के तत्त्वावधान में कल शाम उसके मुख्य ऑडिटोरियम में 'गंगा किनारे कजरी महोत्सव' का आयोजन था, जिसमें डॉ.नूतन के अलावा देश के लब्धप्रतिष्ठ लोक कलाकारों को आमंत्रित किया गया था।

सांस्कृतिक रुप से बेहद समृद्ध राजस्थान के जयपुर के सुधी दर्शक- श्रोताओं के बीच डॉ.नूतन ने बिहार की पारंपरिक कजरी, झूला, सोहर और बधइया गीतों को जब अपनी सुमधुर स्वर लहरियों से सजा- संवार पेश किया, तब लोकरंग की रसधार में दर्शक- श्रोता बहते चले गए और संपूर्ण वातावरण लय-स्वर-ताल से जगमग हो उठा।

डॉ.नूतन ने लोकप्रिय कजरी गीत 'सावन की रिमझिम पड़त फुहार...' से अपने गायन की

शुरूआत की। फिर उन्होंने 'मनवा ना लागे ला हमार '...झूला गीत 'झूला लगे कदम की डारी... ' सोहर ' कवना मासे गंगा जी सरबिहैं '...तथा बधइया गीत 'तू का लेबू हो ललना'... सहित अन्य पारंपरिक लोकगीतों को स्वरात्मक प्रस्तुति से जीवंत बना डाला। वहीं उन्होंने अपनी कठिन कला- साधना व विलक्षण प्रतिभा से जयपुरवासियों को रु- ब- रु भी करा दिया।

विदित हो कि अपनी कला प्रतिभा को लेकर देश- विदेश में विख्यात डॉ. नीतू कुमारी नूतन ने 'सुर संगम कला संस्थान' की स्थापना की है। सुर संगम कला संस्थान के माध्यम से डॉ.नूतन ने नयी पीढ़ी के कलाकारों को लय-स्वर-ताल के गुर सिखाए, फिर सुर संगम द्वारा राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर कई बड़े सांगीतिक समारोह आयोजित कर उदीयमान कलाकारों को इस मंच से प्रस्तुति के अवसर भी प्रदान किए। सुरसंगम की बदौलत कई नवोदित कलाकार आज कला के क्षेत्र में स्थापित नाम हो गए हैं। इतना हीं नहीं,डॉ.नूतन ने नयी पीढ़ी के कलाकारों को प्रशिक्षित कर कला को व्यवसाय के रूप में अपनाने को लेकर उनका मार्गदर्शन किया। संगीत के क्षेत्र में बढ़ते बाजारवाद व अश्लीलता के खिलाफ इन्होंने व्यापक अभियान चलाया। वर्तमान दौर में कला- संगीत- साहित्य के माध्यम से नयी पीढ़ी को संस्कारित कर उनमें राष्ट्रीयता, एकता का मंत्र फूँक नये भारत के निर्माण को लेकर डॉ.नूतन सदैव अग्रसर हैं।

शीर्षक:इस्लाम: कृतज्ञता और धैर्य की शिक्षाएं, न कि उत्सव और शोक

- इस्लाम एक ऐसा धर्म है जो जीवन के हर पहलू में संतुलन और महान चरित्र को बढ़ावा देता है। इसकी शिक्षाएं केवल व्यक्तिगत विकास तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सामूहिक कल्याण पर भी जोर देती हैं, जो नैतिक शक्ति और आध्यात्मिक अनुशासन के विकास को प्राथमिकता देती हैं।
- इस्लाम की शब्दावली में उत्सव और श्शोकश जैसे शब्दों का कोई स्थान नहीं है। इस्लाम के मूल सिद्धांत हमें खुशियों के पलों में कृतज्ञता व्यक्त करने की शिक्षा देते हैं—उस रचनाकार के प्रति आभार जो हमें हमारे जीवन की अनगिनत नेमतों से नवाजता है। वहीं, जब हम दु:ख, नुकसान या कठिनाइयों का सामना करते हैं, तो इस्लाम हमें धैर्य का गुण सिखाता है। यही वे क्षण होते हैं जब हमारे विश्वास की असली परीक्षा होती है, और इस्लाम हमें अल्लाह की कृपा और उसकी योजना पर भरोसा करने का निर्देश देता है।
- इस्लामी शिक्षाओं का यह अनोखा दृष्टिकोण हमें याद दिलाता है कि खुशी और दु:ख जीवन की यात्रा का हिस्सा हैं, और प्रत्येक अनुभव एक परीक्षा है। खुशियों के समय हमें आभारी होना चाहिए, और कठिनाई के समय हमें धैर्य से काम लेना चाहिए। इन गुणों को अपनाकर हम जीवन की क्षणिक सुख-सुविधाओं और दुखों से ऊपर उठकर एक उच्च उद्देश्य से जुड़ते हैं।
- आज की भौतिकवादी दुनिया में, जहां समाज अक्सर खुशी के पलों में असाधारण उत्सवों में लिप्त हो जाता है और दु:ख के समय निराशा में डूब जाता है, इस्लाम हमें एक उच्च मार्ग की ओर ले जाता है। यह हमें याद दिलाता है कि सच्ची शक्ति हमारे दिलों और दिमागों को

कृतज्ञता (शुक्र) और धैर्य (सब्र) के अभ्यास से विकसित करने में है। ये दो स्तंभ एक संतुलित और संपूर्ण जीवन की नींव हैं, और ये हमें हर परिस्थिति में अल्लाह पर अपने विश्वास को बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हैं।

- यह संदेश विशेष रूप से आधुनिक युग में महत्वपूर्ण है, जहां हम अक्सर उस आध्यात्मिक ज्ञान को खो देते हैं जो हमें जीवन के उतार-चढ़ाव को गरिमा के साथ सहने में मदद करता है। इस्लाम की कृतज्ञता और धैर्य की कालातीत शिक्षाएं न केवल कठिन समय में दिलासा देती हैं, बल्कि हमें हमारे सृजनहार से गहरा संबंध स्थापित करने में भी सक्षम बनाती हैं, जिससे हम जीवन की चुनौतियों का सामना मजबूती और विनम्रता के साथ कर सकें।

मैं आशा करता हूं कि यह संदेश समाज में इस्लामी मूल्यों के वास्तविक सार को उजागर करेगा और सकारात्मक सोच, आंतरिक शक्ति और अटूट विश्वास की मानसिकता को बढ़ावा देगा।

- विकसित दुनिया में व्यक्ति दैनिक आधार पर उदासी और चिंता से जूझता है। आपने अक्सर ऐसे ही लोगों को टिप्पणी करते सुना होगा कि अविकसित मुस्लिम देशों में रहने वाले लोग कितने खुश और संतुष्ट दिखते हैं। अत्यधिक गरीबी, भूख और हानि का सामना करते हुए भी, वे बिना किसी शिकायत के हर बार अपनी परिस्थितियों को स्वीकार करते हैं। वे तनाव और चिंता से ग्रस्त क्यों नहीं होते? हम ऊपरी तौर पर यह मान सकते हैं कि वे हर दिन मौत का सामना करते हैं, और बाकी सब इसकी तुलना में फीका पड़ जाता है या हम थोड़ा और गहराई से देख सकते हैं और अल्लाह के साथ उनके रिश्ते के बारे में हमें आश्चर्य कर सकते हैं।
- 21वीं सदी में धार्मिक मान्यताएं उतना सुकून नहीं देती हैं जितना हम सौ, पचास या कम से कम बीस साल पहले उम्मीद करते थे। आज हमारे पास उंगलियों पर या एक बटन के स्पर्श में सब कुछ उपलब्ध है, लेकिन तकनीक रात के सन्नाटे में हमारा हाथ नहीं देती है या हमारे डर को शांत नहीं करती है जब हमारा दिल गलत तरीके से धड़कता है, और हमारी आत्माएं अनुचित भय और चिंता से भर जाती हैं। इस्लाम का धर्म ईश्वर के साथ संबंध बनाने और बनाये

भोजपुर में जमीन विवाद को लेकर एक पक्ष ने दूसरे पक्ष को पीटा, कट्टा दिखाकर गोली मारने की दी धमकी

भोजपुर । मुफस्सिल थाना प्रभारी राजीव सिन्हा ने कहा कि हमने दोनों पक्षों से केस दर्ज कराया है और हथियार लहराने वाले व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए छापामारी शुरू कर दी है। वीडियो के आधार पर जांच चल रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। भोजपुर जिले के आरा के मुफस्सिल थानाक्षेत्र के अलीपुर गांव में एक जमीन विवाद के चलते खुलेआम हथियार लहराने और धमकाने का मामला सामने आया है। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। यह घटना रविवार को हुई, जिसमें जमीन के मालिक और उनके भाई पर हमले की घटना को कैमरे में कैद किया गया है।

जानकारी के अनुसार, अलीपुर गांव निवासी सरकारी कर्मचारी शिवानंद कुमार सिंह ने पांच महीने पहले अलीपुर गांव में कुछ जमीन खरीदी थी। रविवार को जब शिवानंद कुमार सिंह अपनी जमीन की नापी कराकर आरा स्थित अपने घर लौट रहे थे। तभी अलीपुर निवासी संजय कुमार सिंह और विमलेश कुमार सिंह ने अपने साथियों के साथ मिलकर उन्हें रास्ते में रोका। आरोप है कि इन लोगों ने शिवानंद और उनके बड़े भाई को लाठी-डंडों से पीटा और कट्टा दिखाकर गोली मारने की धमकी दी।

इस घटना के दौरान पीड़ित पक्ष ने कट्टा लहराते और धमकाते हुए बदमाशों का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि धमकाने वाले व्यक्ति के हाथ में कट्टा जैसा हथियार है। वहीं, पीड़ित सरकारी कर्मचारी ने मुफस्सिल थाने में घटना को लेकर नामजद शिकायत दर्ज कराई है। मुफस्सिल थाना प्रभारी राजीव सिन्हा ने पुष्टि की कि मामला जमीन विवाद से संबंधित है और वीडियो में दिखाई दे रहे शख्स और हथियार को लेकर मामले की जांच की जा रही है।

उन्होंने कहा कि हमने दोनों पक्षों से केस दर्ज कराया है और हथियार लहराने वाले व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए छापामारी शुरू कर दी है। वीडियो के आधार पर जांच चल रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- जमीन सर्वे को लेकर कोई विवाद नहीं , बैठक में शामिल होने निकले दिल्ली

पटना । भाजपा प्रदेश कार्यालय से प्रदेश के सभी बड़े नेता सदस्यता अभियान को लेकर बिहार के अलग-अलग जगह के लिए निकले हैं। खुद प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने इन्हें हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली के लिए रवाना हुए । दिल्ली में पार्टी के बड़े नेताओं के साथ सदस्यता अभियान को लेकर होने वाली बैठक में शामिल होंगे। तेजस्वी की यात्रा पर दिलीप जायसवाल ने कहा कि घर मे मन नहीं लग रहा होगा, इसलिए घूमने निकले हैं।

वहीं पटना एयरपोर्ट पर दिलीप जायसवाल ने जमीन सर्वे को रोकने के सवाल पर कहा कि गांव मे कोई विवाद नहीं है। शहर मे नेताओं को क्यों बेचैनी है। बिहार के जमीन का सर्वे हो जाएगा, अच्छी बात है। कोई विवाद नहीं है। जमीन माफिया लोग लॉबी बनाकर इस तरह की बात करते हैं। कोई विवाद नहीं है। सर्वे से बिहार की जमीन का भविष्य ठीक हो जाएगा।

बता दें कि सदस्यता अभियान को लेकर भाजपा पूरे देश में विशेष पहल कर रही है। बिहार में भी एक करोड़ लोगों को बीजेपी से जोड़ने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए आज तमाम बड़े कार्यकर्ता पूरे बिहार के अलग-अलग गांव में सदस्यता अभियान चलाने के लिए निकले हैं। पार्टी के सभी पदाधिकारी, मंत्री और विधायक आज से 7 दिनों तक गांव में प्रवास करेंगे। बिहार के हर बूथ पर सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। सभी अपने-अपने परिवार वाले क्षेत्र में अभियान चलाएंगे।

शिक्षा विभाग राज्य परियोजना परिषद द्वारा उपलब्ध कराया गया पुस्तक और किट छात्रों के बीच वितरण।

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 11 सितम्बर बुधवार। बिहार मे आयोजित बिहार परियोजना परिषद के द्वारा मुफ्त पुस्तक और किट परियोजना वितरण के तहत आज दुरौंधा के उच्च माध्यमिक विद्यालय सह इन्टर कॉलेज सवान विग्रह मे प्रधाना ध्यापीका श्रीमती दीपिका कुमारी के नेतृत्व मे मुफ्त पुस्तक और किट का वितरण छात्र छात्राओं के बीच किया गया जिसे छात्र छात्रा काफी उत्साहीत नजर आए। वही छात्रों ने बिहार सरकार के इस मुहिम को इस किताब को पढ़ कर ऊंचा मकाम पाने की प्रतिज्ञा ली। शिक्षक, शिक्षिका इस योजना को जनहित में अच्छा संदेश बताया।

4 बच्चियों की पोखर में डूबकर मौत,एक की हालत गंभीर

बिहार। बांका में कर्मा-धर्मा पर्व को लेकर नहाने गई 4 बच्चियों की डूबने से मौत हो गई है। वहीं एक बच्ची हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे इलाज के लिए सिमुलतला ले जाया गया है। बेहरार गांव के पोखर में 5 सहेलियां आज सुबह नहाने गई थी। मृतकों की पहचान शंकर यादव की बेटी पुनम कुमारी (8), बजरंगी यादव की बेटी ज्योति कुमारी (9), संजय यादव की बेटी नीशा कुमारी (10) और विनोद यादव की बेटी पुष्पा कुमारी (8) के रूप में हुई है। वहीं विनोद यादव की बेटी पिरोती कुमारी (12) की हालत नाजुक है। घटना की सूचना पर थाना प्रभारी विष्णुदेव कुमार पहुंचे। चारों बच्चियों की डेडबॉडी को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बांका भेज दिया है। साथ ही अंचलाधिकारी रविकांत भी पहुंचे और परिजनों को दिलासा दिया। आपदा प्रबंधन से मिलने वाली सहायता राशि देने की बात कही है।

ड्राइवर ने चलती ट्रेन रोकी, फिर आधे घंटे लड़की का चला ड्रामा

मोतिहारी । रेलवे ट्रैक पर एक लड़की ने जमकर हाई वोल्टेज ड्रामा किया। ड्रामा ऐसा किया कि वह लड़की रेलवे ट्रैक पर सो गई, जिस वजह से बहुत देर तक ट्रेन रुकी रही। काफी कोशिश के बाद उसे रेलवे पटरी से हटाया जा सका और फिर ट्रेन अपने गंतव्य स्थान के लिए रवाना हो सकी। मामला चकिया रेलवे स्टेशन के आउटर सिग्नल का है।

पटरी पर लेटे देख चालक ने रोक दी ट्रेन, फिर जमकर हुआ हाई वोल्टेज ड्रामा घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि 15556 नंबर की लोकल ट्रेन बापूधाम मोतिहारी से पाटलिपुत्र के लिये जा रही थी। इसी दौरान पावर हाउस के पास समपार संख्या 136 के पास रेल ट्रेक के बीच एक लड़की लेटी हुई थी। इसके पीठ पर पिठू बैग था। ट्रेन चालक लड़की को देखकर ट्रेन को रोक दिया और इंजन से उतर कर लड़की वहां से हटने के लिए कहा, लेकिन वह लड़की न तो कुछ बोल रही थी और न ही रेलवे ट्रेक से हट रही थी। यहां भारी संख्या में स्थानीय लोग जमा हो गए। फिर लड़की को

अपने गंतव्य स्थान के लिए ट्रेन स्टेशन से खुली ही थी तभी चालक ने रेलवे पटरी पर एक लड़की को लेटे हुए देखा। ट्रेन चालक ने ट्रेन को रोक दी। फिर उसने रेलवे पटरी पर जमकर हाई वोल्टेज ड्रामा किया।

खोजते हुए उनके परिजन भी वहां पहुँच गये और उसे ले जाने लगे, लेकिन लड़की घर जाने के लिए तैयार नहीं हो रही थी।

काफी देर तक यह हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा और फिर उसके घर की महिला ने उसे रेलवे पटरी से जबरन हटाया और फिर ट्रेन अपने गंतव्य स्थान के लिए निकल पड़ी।

युवती की पहचान करने में जुटी रेलवे पुलिस इस संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रेन चालक की तत्परता से लड़की की जान बच गई। लड़की आत्महत्या करने के लिए रेलवे ट्रेक के बीच सो गई थी।

इस हाई वोल्टेज ड्रामा की वजह से काफी देर तक चकिया आउटर सिग्नल पर ट्रेन रुकी रही। लड़की बार-बार ट्रेन से कटने के लिए लोगों से अपना हाथ छुड़ा रही थी। लेकिन स्थानीय महिलाओं ने इसको जकड़ लिया तब जाकर ट्रेन खुल सकी। चालक ट्रेन को रोक कर छात्रा को लाइन से हटाने की कोशिश करता रहा पर छात्रा लाइन से हटने को तैयार नही थी तब कुछ स्थानीय महिलाओं ने उक्त छात्रा को जबरदस्ती लाइन से हटाया।इस क्रम में यह छात्रा इन महिलाओं से भी उलझ पड़ती थी। जब महिलाओं ने इस लड़की को खरी-खोटी सुनाने लगी। \लड़की बार-बार कह रही थी कि भागो, तुमलोग कौन हो मुझको हटाने वाले। वह इन महिलाओं से कह रही थी कि मैं तुमसे ज्यादा समझदार हूं। इसके बर्ताव और एक्टिविटी को देखकर कई लोग कह रहे हैं कि यह लड़की मानसिक रूप से विक्षिप्त लग रही है। उक्त लड़की को पुलिस ने अपनी हिरासत में रखा है और इसकी पहचान कर रही है।

कर्मा-धर्मा पर्व के दौरान पांच बच्चियां डूबीं, चार की हुई मौत, एक की हालत गंभीर

बांका । स्नान करने के दौरान चार लड़कियों की डूबने से मौत हो गई। घटना चांदन प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत आनंदपुर थाना क्षेत्र के चांदवारी पंचायत की है, जहां बेहरार गांव के पोखर में कर्मा-धर्मा पर्व को लेकर नहाने गई पांच बच्चियां में से चार लड़की नहाने के क्रम में पोखर में डूब गई। एक बच्ची की स्थिति गंभीर बनी हुई है। परिजन उसे इलाज के लिए सिमुलतला के अस्पताल ले गये हैं।

घर के आगे से ले गया चोर, तस्वीर कैमरे में कैद

पटना । पटना सिटी में चोर गिरोह के एक सदस्य ने सोमवार की सुबह घर के आगे लगे स्कूटी की चोरी कर ली। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें साफ देखा जा सकता है किस तरह एक चोर घर के आगे लगी स्कूटी की चोरी करके आराम से फरार हो गया। घटना के बाद पीड़ित ने इसकी लिखित शिकायत पटना सिटी के चौक थाने में की है। घटना की सूचना के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

घर के आगे लगी थी स्कूटी घटना की जानकारी देते हुए बेगमपुर निवासी मोहन प्रसाद ने बताया कि वेटरनरी हाल के बगल में उनका मकान है। उन्होंने बताया कि सोमवार की सुबह लगभग 9:00 बजे के आसपास जब वह दिनचर्या में व्यस्त थे। इसी क्रम में उनके घर के आगे लगी उनकी स्कूटी अचानक चोरी हो गई। मोहन प्रसाद ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। इसके बाद घर के पास के लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाला।

इसी क्रम में सीसीटीवी में उन्होंने देखा कि एक युवक उनकी ब्लू रंग की स्कूटी गाड़ी घर के पास से लेकर फरार हो गए।

उन्होंने बताया कि चोरी हुई स्कूटी का नंबर 8144 है। सीसीटीवी फुटेज में स्कूटी चोर का चेहरा भी साफ देखा जा सकता है। इस मामले को लेकर चौक थाना प्रभारी शशि कुमार राणा ने बताया कि सोमवार को भाजपा नेता के हत्या को लेकर वह दिन भर परेशान रहे। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

नालंदा में नदी से मां-बेटे के शव बरामद, खेत जाने के दौरान डूबने की आशंका

नालंदा । सिलाव थानाध्यक्ष इरफान खान ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। आवेदन मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी और पुलिस पूरे घटनाक्रम की गहन जांच कर रही है।

नालंदा जिले के सिलाव थानाक्षेत्र के कहटाइन नदी में मंगलवार सुबह एक हृदयविदारक घटना घटी। खेत में काम करने के लिए निकले मां और बेटे के शव नदी से बरामद हुए हैं। मृतकों की पहचान सविता देवी (49) और उनके बेटे बंटी कुमार उर्फ सौरभ कुमार (12) के रूप में की गई है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार को सविता देवी और उनका बेटा बंटी कुमार खेत में काम करने के लिए घर से निकले थे। शाम तक जब दोनों घर नहीं लौटे, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। मंगलवार की सुबह जब गांव के लोग शौच के लिए नदी किनारे गए, तो उन्हें नदी में शव दिखाई दिए। इसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ।

परिजनों ने आशंका व्यक्त की है कि मां और बेटा खेत जाने के लिए कहटाइन नदी पार करते समय गहरे पानी में चले गए होंगे, जिससे डूबकर उनकी मौत हो गई। शव मिलने की सूचना पर परिवार में शोक और हाहाकार मच गया। मृतकों के परिवार वाले सदमे में हैं और पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया है।

सिलाव थानाध्यक्ष इरफान खान ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। फिर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि आवेदन

सुप्रीम-कोर्ट के आदेश के बाद डिप्टी सीएम का आवास घेरा

लखनऊ में 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का फिर प्रदर्शन, हंगामा, नारेबाजी

लखनऊ। 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी आज लखनऊ में प्रदर्शन करने पहुंचें हैं। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के आवास का घेराव कर रहे हैं। नई सूची जारी करने की मांग को लेकर ओबीसी-एससी अभ्यर्थी, डिप्टी सीएम से एक सप्ताह पहले भी मिले थे। डिप्टी सीएम ने उन्होंने न्याय का भरोसा दिया था। हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सामान्य वर्ग के चयनित सुप्रीम कोर्ट गए थे, सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाते हुए सभी पक्षों को नोटिस जारी किया। मामले की सुनवाई 23 सितंबर को है। प्रदर्शन कर रहे विजय यादव कहते हैं कि हाई कोर्ट की डबल बेंच का निर्णय आने के बाद से हम नई लिस्ट जारी करने की मांग कर रहे हैं। हमें पता है कि विभागीय अफसर मामले को लटकाना चाहते हैं। इसी बात का डर था कि कोर्ट में मामला फंसा तो हमारी नियुक्ति टल जाएगी। जिस बात का डर था, वो सही साबित हुआ। जो हमारा वोट पाकर बड़े नेता बने, वो आज हमसे मिलने तक तैयार नही हैं। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य आवास के अंदर हैं पर हम लोगों को बताया जा रहा है कि वो बाहर गए हैं। ऐसे में अब किससे उम्मीद की जाए? हम हमने फैसला कर लिया है कि हर रोज सड़कों पर उतरेंगे। ये प्रदर्शन जारी रहेगा। जब तक हमें हमारा हक और अधिकार नही मिलता तब तक हम शांत नही बैठेंगे। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी कृष्णकांत कहते हैं कि कल हमारी सुप्रीम कोर्ट में डेट लगी हुई थी। सरकार का इस पूरे मामले में जो रवैया हैं वो बेहद निंदनीय हैं। पिछड़े और दलित वर्ग के साथ सरकार की सिर्फ यही हिस्सेदारी है, कि सरकार उनका वोट लेती रहे पर उनका साथ नहीं देगी। पिछली बार जब हम लोग केशव प्रसाद मौर्य जी से मिले थे तो उन्होंने कहा था कि आपके पक्ष में त्वरित कार्रवाई आदेश दिया गया, क्या त्वरित आदेश का मतलब यही होता हैं कि 4 साल तक सड़कों पर संघर्ष करने के बाद, जब हाईकोर्ट से निर्णायक आदेश दिया गया तो उसको भी समय से अमल में नही लाया गया। पूरे मामले को सुप्रीम कोर्ट में ले जाकर फंसा दिया जाता हैं। अब अगली सुनवाई 23 सितंबर को होनी है, ऐसे में हमारी सरकार से मांग हैं कि सुप्रीम कोर्ट में सरकार हम लोगों के पक्ष में जोरदार पैरवी करे। आखिर हम उन लोगों से कैसे मुकाबला कर सकते हैं जो पिछले 4 साल से नौकरी कर रहे हैं। उनके पक्ष में लाखों फीस लेने वाले वकील सुप्रीम कोर्ट में पैरवी कर रहे हैं, जबकि हमारे पास संसाधनों की कमी हैं। ऐसे में हम कैसे में उनके खिलाफ ये लड़ाई लड़ पाएंगे। सरकार को हमारे पक्ष में खड़ा होना पड़ेगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने 16 अगस्त को 69,000 सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा का परिणाम नए सिरे से जारी करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था- बेसिक शिक्षा विभाग को 3 महीने में नई चयन सूची जारी करनी होगी। कोर्ट ने यह भी कहा था, कि नई चयन सूची में 1981 के नियम के तहत आरक्षण अधिनियम 1994 के मुताबिक आरक्षण नीति का पालन किया जाए। अगर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी की मेरिट सामान्य श्रेणी के बराबर आए तो वह सामान्य श्रेणी में माना जाएगा। इन निदेर्शों के तहत ऊपरी क्रम में आरक्षण दिया जाएगा। हाई कोर्ट के फैसले के बाद ओबीसी-एससी वर्ग के अभ्यर्थी लखनऊ पहुंचे थे। सरकार से नई सूची जारी करने की मांग को लेकर शिक्षा निदेशालय कैंपस में 20 अगस्त से 24 अगस्त तक प्रदर्शन किया था। इसी बीच सामान्य वर्ग के चयनितों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर दी। हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाने की मांग की। इधर सामान्य वर्ग के करीब 10 हजार चयनित भी एक दिन के लिए शिक्षा निदेशालय पहुंचे थे।

संक्षिप्त डायरी

महिला बोली-महाराज जी आपके साथ सेल्फी लेनी है

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को गोरखपुर में जनता दरबार में लोगों की समस्याएं सुनीं। इसी दौरान एक महिला की फरियाद सुनकर सीएम भी हंसने लगे। फतेहपुर से पहुंची महिला ने सीएम से कहा- महाराज जी, आपके साथ सेल्फी लेना चाहती हूं, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल होगी। फतेहपुर निवासी मेनश्री जनता दर्शन में आवास के लिए फरियाद लेकर आई थी। करीब 3 फीट के कद की महिला मेनश्री ने सीएम को अपनी फरियाद सुनाई। इसके बाद कहा, महाराज जी, आपके साथ एक फोटो खिंचवाना चाहती हूं, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल होगी। मेनश्री की बात सुनकर योगी मुस्कराने लगे और उसके साथ फोटो खिंचवाई। यही नहीं, उन्होंने मेनश्री के सेल्फी की इच्छा को भी पूरा किया। योगी आदित्यनाथ ने लोगों से प्रार्थना पत्र लेकर संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया। इसके साथ ही लोगों की समस्याओं का समय से निस्तारण कराने के निर्देश दिए। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर जनता दर्शन में सीएम योगी ने एक- एक कर सभी लोगों से मुलाकात की। उनकी बात सुनी और उनके प्रार्थना पत्र लिए। उन्होंने सभी को समस्या निस्तारण का भरोसा देते हुए कहा कि उनके रहते किसी की को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। सबकी समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी। इसमें अधिकांश मामले पुलिस से और जमीन विवाद से जुड़े थे। इसके अलावा जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपचार के लिए ईस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कर शासन को भेजें। इलाज के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। लोगों को आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज बाधित नहीं होगा। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं के साथ आए उनके बच्चों को सीएम योगी ने दुलारा, चाकलेट दिया।

दो बाईकों की भिड़ंत में बाईक सवार एक युवक की मौत

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के बिंवार थाना क्षेत्र के ग्राम निवादा, भस्मानंद इंटर कॉलेज के पास दो बाईकों की जबरदस्त भिड़ंत, जबकि बाईक पर सवार निवादा निवासी 24 वर्षीय लक्ष्मी प्रसाद प्रजापति पुत्र गरीबा, पत्नी वंदना सहित दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार व्यक्ति अमित कुमार पुत्र शिवपाल निवासी ग्राम जरौली थाना खरेला जनपद महोबा, 21 गंभीर रूप से घायल हो गए, सूचना पर बिंवार पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को सीएससी छानी पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने लक्ष्मी प्रसाद प्रजापति को मृत घोषित कर दिया गया साथ ही घायल वंदना और अमित कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय हमीरपुर रेफर कर दिया गया। बिंवार पुलिस ने मृतक लक्ष्मी प्रसाद प्रजापति के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है।

भाजपा का गोरखपुर में सदस्यता अभियानः सांसद-विधायकों से लेकर वरिष्ठ नेताओं तक सभी जुटे

गोरखपुर । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सदस्यता अभियान को लेकर पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी ने 11 से 17 सितंबर तक विशेष सदस्यता अभियान चलाने का ऐलान किया है, जिसके तहत सांसदों से लेकर विधायकों तक सभी को मैदान में उतारा गया है। यह अभियान भाजपा की मजबूती और जनाधार को और विस्तारित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। भाजपा ने गोरखपुर महानगर के 135 शक्ति केंद्रों पर सदस्यता अभियान को गति देने के लिए सांसद, विधायक और वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। इन नेताओं को ह्यसदस्यता सहयोगीह्न के रूप में नियुक्त किया गया है, जो अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करेंगे। पार्टी के महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहा कि सदस्यता अभियान को तेज करने और ज्यादा से ज्यादा लोगों को भाजपा से जोड़ने के लिए यह कदम उठाया गया है। इसमें सभी स्तरों के नेताओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

गोरखपुर महानगर में भाजपा ने 135 शक्ति केंद्रों के लिए सदस्यता सहयोगियों को नियुक्त किया है। ये सहयोगी अपने-अपने शक्ति केंद्रों पर प्रवास करेंगे और वहां से जुड़े बूथों पर सदस्यता अभियान चलाएंगे। प्रत्येक शक्ति केंद्र में 5 बूथ होते हैं, और इन बूथों पर अभियान के माध्यम से न्यूनतम 200 लोगों को पार्टी का सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसका मतलब है कि हर बूथ पर सघन प्रयास किए जाएंगे ताकि अधिक से अधिक लोगों को भाजपा से जोड़ा जा सके। भाजपा का यह विशेष सदस्यता अभियान पार्टी के लिए महत्वपूर्ण रणनीति का हिस्सा है, जिससे वह अपने जनाधार को बढ़ाने के साथ-साथ संगठन को और मजबूत कर रही है। पार्टी का मानना है कि इस अभियान से न केवल नए सदस्य जोड़े जाएंगे, बल्कि भाजपा की नीतियों और कार्यक्रमों को आम जनता तक पहुंचाने का भी अवसर मिलेगा। सांसदों और विधायकों के अलावा, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं को भी शक्ति केंद्रों पर सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया गया है। ये नेता और कार्यकर्ता अपने क्षेत्रों में जनसंपर्क बढ़ाएंगे और पार्टी की नीतियों और आदर्शों से लोगों को अवगत कराएंगे। भाजपा ने यह भी सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक शक्ति केंद्र पर प्रवास करने वाले नेता और कार्यकर्ता प्रभावी तरीके से अभियान को संचालित करें ताकि तय लक्ष्य को हासिल किया जा सके।

गणेश चतुर्थी की धूम

गोरखपुर। शहर आज गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर श्रगणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरयाश्र के जयघोष से गूंज उठा। वैदिक मंत्रोच्चार और विधिवत पूजन-अर्चन के साथ भगवान गणेश की प्रतिमाओं के पट खुले, और पूरा शहर गणेश महोत्सव के रंग में सराबोर हो गया। इस साल गोरखपुर में भी महाराष्ट्र की तर्ज पर गणेश प्रतिमाओं की भव्य स्थापना की गई है।

घासीकटरा, मिजार्पुर चैक, कच्चीबाग, पांडेयहाता, धर्मशाला बाजार, गोरखनाथ, और राजेंद्रनगर जैसे प्रमुख इलाकों में आकर्षक पंडाल सजाए गए हैं, जहां 10 दिनों तक विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन पंडालों की सजावट और आयोजन ने पूरे शहर को उत्सव के रंग में रंग दिया है। न केवल सार्वजनिक स्थलों पर बल्कि घर-घर में भी गणेश प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। श्रद्धालु अपने-अपने घरों में गणपति की पूजा-अर्चना और भजन-गीतों में सुबह से डूबे हुए हैं। शहरभर में भक्तों की भीड़ भगवान गणेश के दर्शन के लिए उमड़ रही है, जिससे शहर में एक अद्वितीय भक्ति और उल्लास का माहौल बना हुआ है। गणपति उत्सव की यह धूमधाम गोरखपुरवासियों के लिए आस्था, आनंद और उल्लास का प्रतीक बन चुकी है।

नौसढ़ में बनेगा हाईटेक जोनल ऑफिस-अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर

गोरखपुर । नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए नगर निगम जल्द ही नौसढ़ में जोन 2 के जोनल ऑफिस और अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर का निर्माण शुरू करेगा। यह प्रोजेक्ट राज्य स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत गोरखपुर-कौड़ीराम रोड पर नगर निगम की खाली पड़ी जमीन पर तैयार किया जाएगा। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी सीएंडडीएस की यूनिट 14 को सौंपी गई है, जिसने इस प्रोजेक्ट की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल के जरिए शासन को मंजूरी के लिए भेजा है। इस भवन के निर्माण पर 10.53 करोड़ रुपए का अनुमानित खर्च आएगा। नौसढ़ में बनने वाला जोनल ऑफिस एक बहुमंजिला इमारत होगी, जिसमें बेसमेंट में पार्किंग की सुविधा दी जाएगी। भूतल, प्रथम और द्वितीय तल पर कार्यालय संचालित होंगे, जहां संबंधित जोन के अधिकारी और कर्मचारी सभी प्रकार की सेवाओं के लिए उपलब्ध रहेंगे। इससे जोन 2 के निवासियों को नगर निगम मुख्यालय जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, वे अपनी सभी सेवाओं का लाभ सीधे इसी ऑफिस से ले सकेंगे। स्मार्ट सिटी योजना के तहत नगर निगम हर जोन में अत्याधुनिक जोनल ऑफिस बना रहा है, ताकि नागरिकों को उनकी जरूरत की सभी सेवाएं एक ही जगह पर उपलब्ध हो सकें। नगर आयुक्त ने बताया कि इस प्रोजेक्ट को शासन की मंजूरी मिलते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी और जल्द ही निर्माण कार्य भी प्रारंभ होगा। गोरखपुर नगर निगम ने अपने 80 वार्डों को 5 जोन में विभाजित किया है, ताकि नागरिकों को अधिक प्रभावी तरीके से सेवाएं प्रदान की जा सकें। फिलहाल, जोन 1 और जोन 3 के जोनल कार्यालय नवीन निगम कार्यालय भवन में चल रहे हैं। गोरखपुर क्लब के पास जोन 1 का नया ऑफिस निमार्णाधीन है, जिसके पूरा होने पर यहां से जोन 1 और जोन 3 दोनों के कार्यालय संचालित किए जाएंगे।

अभियानः 100 सदस्य बनाने वाले ही होंगे भाजपा के सक्रिय सदस्य

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान को गति देने के लिए मंगलवार को जनपद के 17 स्थानों पर सभी 34 मण्डलों की बैठक हुई जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता पदाधिकारियों ने कार्यकताओं को सदस्यता अभियान को सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी बनाने का मंत्र दिया। जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ब्लाक सभागार सेवरही में तमकुही राज विधानसभा के अमवा दीगर, सिसवा नाहर तथा सेवरहीं मण्डल की बैठक में सदस्यता अभियान को और ज्यादा प्रभावशाली तथा अधिक से अधिक लोगों को पार्टी की प्राथमिक सदस्य बनाने के लिए कार्यकताओं से घर घर जाकर लोगों से सम्पर्क कर भाजपा सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए उन्हें पार्टी का सदस्य की योजना पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि महाजनसम्पर्क अभियान के अंतर्गत 11- 17 सितम्बर, 2024 के बीच भाजपा के सभी कार्यकर्ता घर-घर जाकर पार्टी की विचारधारा एवं केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा करेंगे और पार्टी का सदस्य बनायेंगे। पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ प्रेमचंद मिश्र विशुनपुरा ब्लाक सभागार में पडरौना विधानसभा के पिपरा और विशुनपुरा मण्डल की बैठक में कहा कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्राथमिक सदस्य बनाकर पार्टी को मजबूती प्रदान करने से ही राष्ट्र का विकास संभव है। कहा कि प्रत्येक बूथ अध्यक्ष को अपने बूथ पर 200 नए सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है, और 100 प्राथमिक सदस्य बनाने वाले व्यक्ति को ही भाजपा का सक्रिय सदस्य माना जाएगा। इस अभियान के माध्यम से पार्टी को और भी मजबूत करने की योजना है। रविन्द्र नगर भाजपा कार्यालय में पडरौना विधानसभा के कठकुइंया, पडरौना नगर और पडरौना देहात मण्डल की बैठक को संबोधित करते हुए सदस्यता अभियान के जिला संयोजक व पूर्व जिलाध्यक्ष लल्लन मिश्र ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता अभियान सिर्फ पार्टी के सदस्यों का नंबर बढ़ाने के लिए नहीं है, बल्कि देश को मजबूत बनाने के लिए है।भारतीय जनता पार्टी ने व्यापक सदस्यता अभियान शुरू कर दिया है।कोई बूथ अछूता नहीं रहना चाहिए, हर एक व्यक्ति को बीजेपी में समावेश करना है। उन्होंने कहा कि हम जनपद में पांच लाख नए सदस्यता के लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे। इस अवसर पर जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल, जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द, बंका सिंह, धन्नजय मणि त्रिपाठी, भीखम प्रसाद, गीरीश चतुवेर्दी, भुवनेश्वर त्रिपाठी, रामजीत चौहान, सुनील चौहान, धीरज पाठक, देवेश मिश्र, मनीष विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

लखनऊ में पनीर पेटीज में निकला कॉकरोच

टोमैटो सॉस डालते समय दिखा, दुकानदार ने छीनकर फेंका, खाने से वकील की तबीयत खराब

लखनऊ । पनीर की पेटीज में कॉकरोच निकल आया। ग्राहक ने जब पेटीज में कॉकरोच की शिकायत दुकानदार से की तो उसने छीनकर फेंक दिया। दोनों के बीच गर्मागर्म बहस भी हुई। कॉकरोच वाला पनीर पेटीस खाने से वकील को उल्टियां भी हुईं। मामला गुडंबा थाना क्षेत्र के एक कैफे का है। पीड़ित वकील ने मामले की शिकायत पुलिस से की है और मामले की जांच शुरू की गई है। पनीर पेटीज में कॉकरोच निकलने का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल है। जानकारी के मुताबिक, वकील मोहित सक्सेना गुडंबा थाना क्षेत्र के जानकीपुरम सेक्टर-एच में रहते हैं। सोमवार शाम करीब 3.30 बजे वे अपने साथी महेश श्रीवास्तव के साथ वापस घर लौट रहे थे। रास्ते में उन्हें भूख लगी तो वे टेढ़ी पुलिया में रतन प्लाजा के पास चायवाला कैफे पर रुके। उन्होंने पहले बंद मक्खन और चाय का ऑर्डर दिया। चाय पीने के बाद उनकी इच्छा पनीर पेटीज खाने की हुई तो उन्होंने पेटीज का भी ऑर्डर दिया। गरमा-गरम पेटीज मिली तो उन्होंने खाना शुरू कर दिया। पेटीज को और स्वादिष्ट बनाने के लिए वे पेटीज तोड़कर उसमें टोमैटो सॉस मिलाने लगे, इसी दौरान उन्हें पेटीज में कॉकरोच दिख गया। यह देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने दुकान मालिक अभय सिंह को वह कॉकरोच दिखाया तो उसने गलती मानी और तुरंत पेटीज छीनकर फेंक दिया। एडवोकेट मोहित और महेश श्रीवास्तव ने पेटीज तोड़ी और कॉकरोच दिखा तो उन्होंने वीडियो भी बना लिया। इसी के आधार पर पुलिस से शिकायत भी की है। पीड़ित की मानें तो कॉकरोच दिखने के बाद उन्हें कई उल्टियां हुईं, तबीयत खराब हो गई। घटना का जो वीडियो सामने आया है, उसमें साफ दिखाई दे रहा है कि एक व्यक्ति पेटीज को खोलकर दिखा रहा है। जिसके अंदर भरे आलू और पनीर में छोटा कॉकरोच दिख रहा है। उसे वो दुकानदार को दिखाता है, तो दुकानदार गलती मानकर पेटीज फेंक देता है।

सपा नेता ने राजेश प्रताप राव ने किया फास्ट फूड सेंटर का उद्घाटन

कसया, कुशीनगर। कसया कुशीनगर रोड स्थित दिल्ली मलाई चाप स्पेशल फास्ट फूड रेस्टोरेंट का उद्घाटन सपा नेता व पूर्व विधानसभा कुशीनगर 333 के प्रत्याशी राजेश प्रताप राव व पूर्व ब्लाक प्रमुख लल्लन चौधरी ग्राम प्रधान डिम्पल पांडेय के संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

सपा नेता श्री राव ने कहा कि रेस्टोरेंट खुल जाने से नवयुवक व्यंजनों का लाभ उठा सकते हैं रेस्टोरेंट प्रबंधक ने शुद्ध वातावरण में अच्छी से अच्छी व्यवस्था देने के लिए तत्पर रहेंगे। रेस्टोरेंट के प्रबंधक अशवनी दूबे ने बताया कि हमारा रेस्टोरेंट शुद्ध रेस्टोरेंट है। हमारे यहां साउथ इंडियन इंडियन, चाइनीस खाने के व्यंजन उपलब्ध है।

सारे व्यंजन कुशल कारीगरों के द्वारा बनाये जाते है। हमारे यहां होम डिलीवरी की भी सुविधा है। हमारे इस रेस्टोरेंट में फैमिली के बैठने की भी उचित व्यवस्था है। मौके पर गणमान्य जन मौजूद रहे।

गोरखपुर ने एयर क्वालिटी इंडेक्स में लगाई बड़ी छलांग

गोरखपुर । केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से जारी एयर क्वालिटी इंडेक्स 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 11वें स्थान से चौथे स्थान तक की छलांग लगाई है। 3 से 10 लाख की आबादी वाले 43 शहरों की सूची में फिरोजाबाद टॉप पर रहा, जबकि अमरावती और झांसी ने दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। गोरखपुर नगर निगम ने भी 198 अंकों का दावा किया था, लेकिन कुछ अहम मानकों पर अंक कटने के चलते शहर 191.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर संतोष करना पड़ा। फिरोजाबाद ने 197 अंक हासिल कर पहले स्थान पर कब्जा जमाया, जबकि अमरावती को 195 और झांसी को 193.5 अंक मिले। गोरखपुर सिर्फ 6.5 अंकों से पहला स्थान हासिल करने से चूक गया। नगर निगम के मुताबिक, इलेक्ट्रिक वाहनों की कमी और सिक्सलेन-फोरलेन जैसे प्रमुख निर्माण कार्यों के चलते कुछ अंक कटे, जिस वजह से गोरखपुर टॉप 3 में अपनी जगह नहीं बना सका। एयर क्वालिटी इंडेक्स 2023 में गोरखपुर 169 अंकों के साथ 11वें स्थान पर था, लेकिन इस साल 191.5 अंक जुटाकर चौथे स्थान तक पहुंच गया है। गोरखपुर को पिछले तीन वर्षों में स्वच्छ वायु मिशन के तहत कुल 116.32 करोड़ रुपये की धनराशि प्राप्त हुई है, जिसमें से 86% का उपयोग नगर निगम द्वारा किया जा चुका है। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने बताया कि इलेक्ट्रिक वाहनों की कमी और चल रहे निर्माण कार्यों के चलते इस बार गोरखपुर टॉप 3 में नहीं आ पाया, लेकिन सर्वेक्षण 2025 में नगर निगम और भी बेहतर प्रदर्शन करेगा।

हर जिले में किसान मोर्चा बनाएगी 51 सदस्य

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान को गति देने के लिए मंगलवार को भाजपा किसान मोर्चा बैठक कर लक्ष्य के सापेक्ष से अधिक सदस्य बनाने की रणनीति बनाई गई। मोर्चा हर जिले में 51 हजार सदस्य बनाएगी। सदस्यता को लेकर भाजपा का महाजनसम्पर्क अभियान के अंतर्गत 11- 17 सितम्बर 2024 चल रहा है। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह ने कहा कि सदस्यता अभियान को और ज्यादा प्रभावशाली तथा अधिक से अधिक लोगों को पार्टी की प्राथमिक सदस्य बनाने के लिए कार्यकताओं से घर घर जाकर लोगों से सम्पर्क कर भाजपा सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए उन्हें पार्टी का सदस्य की योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि भाजपा के सभी कार्यकर्ता घर-घर जाकर पार्टी की विचारधारा एवं केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा करेंगे और पार्टी का सदस्य बनायेंगे। कहा कि प्रत्येक बूथ अध्यक्ष को अपने बूथ पर 200 नए सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य दिया गया है, और 100 प्राथमिक सदस्य बनाने वाले व्यक्ति को ही भाजपा का सक्रिय सदस्य माना जाएगा। इस अभियान के माध्यम से पार्टी को और भी मजबूत करने की योजना है। इसी क्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष बन्धु उपेंद्र सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष हरी राम सिंह, राधेश्याम पाण्डेय, जिला सदस्यता प्रमुख ललन मिश्र आदि ने संबोधित किया।

अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अजय राय ने किया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष केशव पाण्डेय, मंशा पाण्डेय, उमेश सिंह, मैनेजर सिंह, कल्पनाथ राय, महामन्त्री विजय शंकर तिवारी, शत्रुघ्न प्रताप शाही, जिला मंत्री सुनील उपाध्याय, ध्रुव पटेल, सर्वेश पाठक, हरीलाल कुशवाहा, राम नरेश मिश्र, राजेश तिवारी, अजय मिश्रा, सुरेंद्र सिंह, संजय कौशिक आदि मौजूद रहे।

बूझो करियर की अनजान राहों को

करियर को लेकर छात्रों के बीच काफी असमंजस की स्थिति रहती है। इस स्थिति की सबसे बड़ी वजह है-करियर की सही राह को चुनने की चुनौती। इस समय करियर के लिए पारंपरिक विषयों के अलावा सैकड़ों की तादाद में विकल्प उपलब्ध हैं, लेकिन जानकारी के अभाव या अपनी रुचि को न पहचान पाने के कारण बड़ी संख्या में छात्र मनमाफिक करियर नहीं चुन पाते हैं। छात्र ही नहीं, अभिभावक भी बच्चों के लिए सही करियर तलाशने की प्रक्रिया में काफी तनावग्रस्त हो जाते हैं। उनकी दिनचर्या में यह तनाव बच्चे का दाखिला हो जाने तक कायम रहता है। यह एक सामान्य-सी स्थिति है और करीब 90 फीसदी छात्र और अभिभावकों को इस दौर से गुजरना पड़ता है। गलाकाट प्रतिस्पर्धा के इस युग में हर दिन कुछ अलग करियर और पेशेवर संभावनाएं जन्म ले रही हैं। ऐसे में यह समझने वाली बात है कि किसी करियर विकल्प की चमक ज्यादा समय तक बरकरार नहीं रहती। इसलिए यदि आप करियर के लिए उन पाठ्यक्रमों और विषयों को चुनते हैं, जिनमें आप अच्छे हैं, तो आप हमेशा ही अपने कार्यक्षेत्र में सफल होंगे।

कैसे चुनें करियर

प्रत्येक करियर के लिए एक खास रुझान, रुचि और कुछ व्यक्तिगत गुणों की जरूरत होती है। वैज्ञानिक ढंग से इन जरूरतों की अपनी अभिरुचियों और हुनर से तुलना करके ही इस बात के प्रति आश्वस्त हुआ जा सकता है कि हम सही करियर चुनने की दिशा में बढ़ रहे हैं या नहीं। विषयों में आपकी मजबूती, क्षमता, रुचि और आकांक्षा आपको करियर के असीमित विकल्पों में से अपने लिए श्रेष्ठ को चुनने में मदद करती है। भावी जीवन में आपकी सफलता के लिए करियर प्लानिंग की यह प्रक्रिया काफी आवश्यक है।

साइकोमीट्रिक असेसमेंट

करियर के चयन में यह बेहद मददगार विधि है, जिसे जब करियर के चुनाव के संदर्भ में इस्तेमाल किया जाता है, तो काफी हद तक ठोस और सटीक परिणाम मिलते हैं। इस विधि से परखे जा रहे छात्र का गहराई से मूल्यांकन हो पाता है। इससे संबंधित छात्र की रुचियों, बुद्धिमत्ता और व्यक्तित्व के बारे में अनुमान लगाना संभव होता है। साइकोमीट्रिक असेसमेंट से छात्र की काबिलियत और क्षमताओं की स्पष्ट तस्वीर सामने आ जाती है, जो उपयुक्त करियर के चयन में अहम होती है। छात्रों के नजरिए से इस विधि को देखें, तो यह उनके सामने उनकी इच्छाओं और हुनर की बानगी पेश करती है। इस असेसमेंट से अभिभावक अपने बच्चों के और छात्र स्वयं के हुनर की तुलना अपनी मनपसंद नौकरी/ पेशे के लिए जरूरी गुणों से कर सकते हैं। चूंकि नौकरी पाने के लिए एक पाठ्यक्रम विशेष की पढ़ाई करनी होती है और इसके लिए भी कुछ खास हुनर का होना जरूरी होता है।

कॉमर्स से पा सकते हैं बेहतर करियर और रोजगार

लोकप्रियता के मामले में यह छात्रों और अभिभावकों के बीच साइंस स्ट्रीम के बाद दूसरे स्थान पर है। अंडर ग्रेजुएट स्तर पर कॉमर्स एक प्रमुख विषय है। इसका संबंध मूल रूप से व्यापार की समझ, बाजार के उतार-चढ़ाव, अर्थव्यवस्था की जानकारी, मौद्रिक और औद्योगिक नीतियों आदि से है। विषय के स्तर पर कॉमर्स अकाउंटेंसी, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, फाइनेंस, इकोनॉमिक्स, मार्केटिंग और ई-कॉमर्स सहित कई अन्य विषयों का मिलाजुला विस्तृत क्षेत्र है। इसलिए इसमें पढ़ाईऔर रोजगार के लिए पर्याप्त विकल्प उपलब्ध हैं। हर विषय की तरह कॉमर्स और उससे संबंधित विषयों की पढ़ाई के लिए भी कुछ अभिरुचियों का होना जरूरी होता है। यहां कुछ प्रश्न दिए गए हैं, जिनका उत्तर देकर आप यह जान सकते हैं कि आपकी अभिरुचि कॉमर्स के लिए उपयुक्त है या नहीं।

इन प्रश्नों से जांचें अभिरुचि

- क्या आपके पास गणना की अच्छी क्षमता है?
- क्या आपमें विश्लेषणात्मक कौशल है?
- क्या आपके पास व्यापार का व्यावहारिक बोध है?
- क्या आप त्रुटिरहित और सटीक काम को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं?
- क्या आप कार्यालय के माहौल का आनंद उठाते हैं?
- क्या आपमें गणनाएं करने के साथ आंकड़ों को समझाने का हुनर है?
- क्या आप बजट, व्यापार की खबरों और आर्थिक समीक्षाओं को पढ़ते हैं?
- क्या आप में प्रशासकीय और संगठन के रूप में काम करने की कुशलता है?

पूछे गए इन प्रश्नों में से अगर अधिकांश का जवाब आपके पास 'हां' है, तो समझिए आपके भीतर वह अभिरुचि है, जो कॉमर्स के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए जरूरी है।

कॉमर्स में उपलब्ध विषयों के विकल्प

बिजनेस इकोनॉमिक्स - इस विषय में लॉ ऑफ डिमांड एंड सप्लाई, लॉ ऑफ रिटर्न्सर, इलास्टिसिटी, थ्योरी ऑफ प्राइसिंग अंडर डिफरेंट मार्केट फॉर्म्स आदि से संबंधित कॉन्सेप्ट के बारे में पढ़ाया जाता है।

कॉस्ट अकाउंटिंग - इस विषय में जॉब एंड कॉन्ट्रैक्ट कॉस्टिंग, ओवरहेड्स कॉस्टिंग, स्टैंडर्ड एंड वेरिएंस कॉस्टिंग और बजटरी कंट्रोल से जुड़ी प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षित किया जाता है।

ऑडिटिंग - इस विषय में वैल्यूएशन, वाउचिंग ऑफ ट्रांजेक्शन, एसेट्स एंड लाइबिलिटी आदि से जुड़े मामलों के बारे में बताया जाता है। इसमें क्लब, हॉस्पिटल और चैरिटेबल संस्थानों जैसे संगठनों की ऑडिटिंग के बारे में भी सिखाया जाता है।

फाइनेंशियल अकाउंटिंग- यह विषय मुख्य रूप से प्रॉफिट एंड लॉस स्टेटमेंट, बैलेंस शीट, कंपनी अकाउंट, कैलकुलेशन ऑफ डेप्रिशिएशन एंड वैल्यूएशन ऑफ शेयर, गुडविल ऑफ कंपनी और नॉलेज ऑफ अकाउंटिंग स्टैंडर्ड (इंडिया/ इंटरनेशनल) आदि के बारे में जानकारी देता है।

बिजनेस फाइनेंस - इस विषय में फाइनेंशियल एनालिसिस और मैनेजमेंट ऑफ कैपिटल आदि व्यापारिक दुनिया की बुनियादी बातें समझायी जाती हैं। इसके अलावा लाभ के लिए पूंजी के बेहतर उपयोग की विधियों को समझने में भी यह विषय मदद करता है। इनकम टैक्स - इस विषय के तहत इनकम टैक्स, टैक्स प्लानिंग, टैक्स डिडक्शन और नॉट टैक्सेबल इनकम आदि के बारे में नियमों व कर संबंधी कानूनों की जानकारी दी जाती है।

बिजनेस लॉ - व्यापार से संबंधित देश के अमूमन सभी कानून इस विषय के अध्ययन क्षेत्र में आते हैं। कंपनीज एक्ट और कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट आदि कानूनों को प्रमुख रूप से इस विषय में पढ़ाया जाता है।

मार्केटिंग - यह विषय प्रोडक्ट, प्राइसिंग मेथड, प्रोमोशन, डिस्ट्रिब्यूशन चैनल और लॉजिस्टिक्स आदि के बारे में बताता है।

बिजनेस कम्यूनिकेशन - यह विषय मुख्य रूप से व्यापार संबंधी संवाद कौशल को निखारने पर केंद्रित है। इस विषय के जरिए छात्रों को व्यापारिक कार्यों के लिए उपयोग में आने वाले बिजनेस लेटर, नोटिस और मेमो आदि को तैयार करने की कला सिखाई जाती है। मौखिक संवाद के बारे में भी यह विषय प्रशिक्षित करता है।

रोजगार के लिए जरूरी कौशल

- आंकड़ों की गणना और उनके विश्लेषण में रुचि हो।
- संवाद का बेहतर कौशल हो।
- टीम के साथ काम करने और उसका नेतृत्व करने की क्षमता हो।
- संगठन संबंधी और प्रशासनिक क्षमताएं हों।
- तार्किक दृष्टि से चीजों को परखने का हुनर हो।
- सटीक और त्रुटिरहित काम करने में निपुणता हो।
- लंबी अवधि तक लगातार काम करने की क्षमता हो।
- अपने कार्य क्षेत्र से जुड़ी नई चीजों और नवीनतम तकनीकों को सीखने की जिज्ञासा हो।
- रचनात्मकता के साथ उच्च स्तर की बौद्धिक क्षमता हो।

ह्यूमेनिटीज में भी भरपूर हैं रोजगार के अवसर

दसवीं और बारहवीं के स्तर पर साइंस और कॉमर्स के बाद छात्रों या अभिभावकों के सामने ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम शेष रह जाती है। इस स्ट्रीम को हालांकि छात्र और अभिभावक अपनी प्राथमिकता में पहले या दूसरे स्थान पर नहीं रखते, लेकिन बदलते वक्त के साथ इस स्ट्रीम से जुड़ी संभावनाओं का आकाश भी काफी विस्तृत हो गया है। इस लेख के माध्यम से छात्रों को ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम और उसमें निहित अवसरों को जानने-समझने में मदद मिलेगी। ह्यूमेनिटीज को कुछ वर्ष पहले तक एक ऐसे स्ट्रीम के रूप में देखा जाता था, जो या तो कम बुद्धिमान लोगों के लिए है या शिक्षक बनने की इच्छा रखने वालों के लिए। लेकिन मौजूदा वक्त में यह धारणा अप्रासंगिक हो चुकी है। अब ह्यूमेनिटीज की बदौलत ऊंचे पद, बड़ी उपलब्धियां और तरक्की पाई जा सकती है। शिक्षण के अलावा इसमें सैकड़ों तरह के रोजगार उपलब्ध हैं, जो रुचिकर होने के साथ-साथ अपनी कार्य-प्रकृति में विशिष्ट भी हैं। ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम आपके सामने असीमित विकल्प रखती है। यकीन न हो, तो मानवीय गतिविधियों से जुड़े किसी भी क्षेत्र को देख लीजिए, आप हर क्षेत्र में ह्यूमेनिटीज के छात्रों को सफलता के साथ काम करता हुआ पाएंगे।

क्या है ह्यूमेनिटीज

इस स्ट्रीम के अंतर्गत मुख्य रूप से मानव समाज और उसकी मान्यताओं का अध्ययन किया जाता है। इसके जरिए यह समझने का प्रयास किया जाता है कि लोग स्वयं को कैसे कला, धर्म, साहित्य, वास्तुकला और अन्य रचनात्मक कार्यों आदि के जरिए अभिव्यक्त करते हैं? इस कार्य के लिए इस स्ट्रीम के शोधार्थी एनालिटिकल और हाइपोथिटिकल मेथड का प्रयोग करते हैं। इस स्ट्रीम को मोटे तौर पर परफॉर्मिंग आर्ट्स (म्यूजिक), विजुअल आर्ट्स, रिलिजन, लॉ, एंसिएंट/ मॉडर्न लैंग्वेजेस, फिलॉस्फी, लिटरेचर, हिस्ट्री, जियोग्राफी, पॉलिटिकल साइंस, इकोनॉमिक्स, सोशियोलॉजी, साइकोलॉजी आदि विषयों में बांटा जाता है। ह्यूमेनिटीज में कुई ऐसे विषय हैं, जिनकी पढ़ाई के बाद लॉ, जर्नलिज्म, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, मीडिया एंड एडवर्टाइजिंग और कम्यूनिकेशन आदि प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में पोस्ट ग्रेजुएशन किया जा सकता है। ह्यूमेनिटीज के आम जिंदगी में महत्व को इस बात से भी आंका जा सकता है कि अब आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान भी ह्यूमेनिटीज और सोशल साइंसेज में पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। आईआईटी मद्रास बारहवीं पास छात्रों के लिए ह्यूमेनिटीज में पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड एमए पाठ्यक्रम संचालित करता है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए यह संस्थान एचएसईई (ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेज एंट्रेंस एग्जामिनेशन) नाम से हर साल एक प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। इसी तरह आईआईटी गांधीनगर पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर एमए इन सोसायटी एंड कल्चर नाम से पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। दसवीं या बारहवीं पास करने वाले काफी छात्रों के मन में एक आम-सा प्रश्न होता है कि ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम को चुनने के बाद उनके करियर का स्वरूप कैसा होगा? इस प्रश्न का कोई सीधा जवाब नहीं है, लेकिन यह स्पष्ट है कि करियर का स्वरूप काफी हद उनके द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम पर निर्भर होता है। किसी ह्यूमेनिटीज विषय में डिग्री हासिल करने के बाद आप कई क्षेत्रों में रोजगार पा सकते हैं। स्कूलों, म्यूजियमों, एडवर्टाइजिंग एजेंसियों, अखबारों, आर्ट गैलरियों, पत्रिकाओं और फिल्म स्टूडियो आदि में भी काम के मौके तलाशे जा सकते हैं। इन अवसरों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि समय के साथ ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम पर आधारित संभावनाओं का फलक और विस्तृत हुआ है। सरकारी सेवाओं में जाने की इच्छा रखने वाले छात्र ह्यूमेनिटीज स्ट्रीम के साथ अपने सपने का साकार कर सकते हैं। वह कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) और राज्य लोक सेवा आयोगों की प्रतियोगी परीक्षाओं के अलावा यूपीएससी की सिविल सर्विस परीक्षा में भी अपनी चुनौती पेश कर सकते हैं। चूंकि बैचलर डिग्री स्तर पर आर्ट्स के पाठ्यक्रमों में हिस्ट्री, जियोग्राफी और सिविक्स (नागरिक शास्त्र) आदि विषय पढ़ाए जाते हैं, जो तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायक होते हैं।

ह्यूमेनिटीज के लिए जरूरी गुण

- किसी मुद्दे को समझने और उसका मूल्यांकन करने की क्षमता
- मानसिक और कामकाजी स्तर पर रचनात्मकता हो
- काम को व्यवस्थित करने और उन्हें तय समयसीमा में निपटाने का हुनर
- लिखित सामग्री को पढ़ने और उससे खास बिंदुओं को चुनने का कौशल हो
- बड़ी मात्रा में सूचनाओं और तथ्यों को समझने और ग्रहण करने की क्षमता
- अलग-अलग शैलियों में अच्छा लिखने का हुनर हो
- अपनी बात को प्रभावी शब्दों में स्पष्ट रूप से रखने में दक्षता हो
- शोध करने और तथ्यों के स्रोतों का मूल्यांकन करने की क्षमता हो
- चर्चाओं में भाग लेने और उनका नेतृत्व करने में रुचि हो
- निजी प्रेरणा से काम करने का जज्बा हो
- विचारों और सुझावों को व्यावहारिक रूप देने की कला हो
- निष्पक्षता और खुद में पूरा विश्वास हो
- अपनी बातों पर विचार-विमर्श को तैयार रहने का लचीलापन हो
- सांख्यिकीय आंकड़ों पर आधारित शोध में निष्कर्ष निकालने की क्षमता हो

इन क्षेत्रों में करियर बना सकते हैं

- राइटिंग
- प्रोग्राम प्लानिंग
- टीचिंग
- रिसर्च
- इंटरनल कम्यूनिकेशन
- पब्लिक रिलेशन्स
- पॉलिसी रिसर्च एंड एनालिसिस
- एडमिनिस्ट्रेशन
- सोशल वर्क
- मैनेजमेंट
- इंफॉर्मेशन
- जर्नलिज्म
- आर्कियोलॉजी
- एंथ्रोपोलॉजी
- एग्रीकल्चर
- जियोग्राफी
- एनजीओ
- इंडस्ट्रियल रिलेशन
- लाइब्रेरी साइंस
- लिबरल आर्ट्स
- फिलॉस्फी
- रिसर्च असिस्टेंस
- साइकोलॉजी

कॉलेज पासआउट दो से में एक युवा के पास रोजगार के लिए जरूरी योग्यता नहीं, सर्वे में खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। आर्थिक सर्वे के अनुसार भारत की तेजी से बढ़ती जनसंख्या का 65 प्रतिशत 35 वर्ष से कम उम्र का है, लेकिन उमें से कई लोगों के पास आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक कौशल का अभाव है। अनुमान बताते हैं कि लगभग 51.25 प्रतिशत युवा रोजगार के योग्य माने जाते हैं। दूसरे शब्दों में इसका मतलब है कि सीधे कॉलेज से बाहर आने वाले लगभग दो में से एक युवा अब भी आसानी से रोजगार के योग्य नहीं है। हालांकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पिछले दशक में स्किल्ड युवाओं का प्रतिशत लगभग 34 प्रतिशत से बढ़कर 51.3 प्रतिशत हो गया है। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने बताया कि भारत में शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण की स्थिति पर एनएसएसओ, 2011-12 (68वें दौर) की रिपोर्ट के अनुसार, 15-59 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में लगभग 2.2 प्रतिशत ने औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वहीं, 8.6 प्रतिशत ने गैर-औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आर्थिक सर्वे के अनुसार देश में बढ़ते मानव संसाधन को काम मुहैया कराने के लिए गैर कृषि क्षेत्र में 2030 तक सालाना 78.5 लाख रोजगार सृजन करने की जरूरत है। सर्वे में कहा गया है कि कामकाज की उम्र का हर व्यक्ति नौकरी ही नहीं करेगा। उनमें से कुछ स्वरोजगार भी करेंगे और कुछ लोग नियोक्ता भी बनेंगे। सर्वे में कहा गया है कि देश का आर्थिक विकास नौकरियों से ज्यादा लोगों को आजीविका मुहैया कराने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सभी स्तर के सरकारों और निजी क्षेत्र को भी इस में योगदान देना होगा। आर्थिक सर्वे के अनुसार कृषि क्षेत्र का श्रम बल जो 2023 में 45.8 प्रतिशत है वह 2047 तक धीरे-धीरे घटकर 25 प्रतिशत पर पहुंच सकता है। इसलिए 2030 तक हमें गैर कृषि क्षेत्र में सालाना करीब 78.5 लाख रोजगार मुहैया कराने होंगे। सर्वे के अनुसार 78.5 रोजगार सृजन का लक्ष्य पीएलआई (5 साल में 60 लाख रोजगार), मित्र टेक्सटाइल स्कीम (20 लाख रोजगार) और मुद्रा योजनाओं के क्रियान्वयन से हासिल किए जा सकते हैं।

फाइनेंस फर्मों के साथ-साथ इन्फ्रा और ऑटो कंपनियों को हो सकता है फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला आम बजट मंगलवार 23 जुलाई को पेश होगा। सरकार से व्यक्तिगत टैक्स को कम करके या कंज्यूमर-सेंटर्ड क्षेत्रों पर खर्च बढ़ाकर एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में खपत को बढ़ावा देने की उम्मीद है। रायटर्स के मुताबिक ब्रोकरेज फर्मों ने कहा कि इससे कंज्यूमर्स गुड्स मेकर्स, रियल एस्टेट और हाउसिंग फाइनेंस फर्मों के साथ-साथ इन्फ्रा और ऑटो कंपनियों को फायदा हो सकता है, लेकिन कुछ क्षेत्रों को नुकसान भी हो सकता हैं। सिटी के मुताबिक सरकार द्वारा खपत को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण योजनाओं के लिए अधिक धन आवंटित किए जाने की उम्मीद है। इससे हिंदुस्तान यूनिलीवर जैसी एफएमसीजी कंपनियों और टीवीएस मोटर व हीरो मोटोकॉर्प जैसी दोपहिया वाहन निर्माताओं को फायदा मिल सकता है।

महंगा होगा चावल, एक्पोर्ट में राहत देने की तैयारी में मोदी सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। उपभोक्ताओं के लिए चावल महंगी कीमत पर मिल सकता है क्योंकि मोदी सरकार एक्पोर्ट में राहत देने की तैयारी कर रही है। दरअसल, वरिष्ठ मंत्रियों की एक समिति चावल की कुछ किस्मों पर लगे प्रतिबंध की समीक्षा की जरूरत पर विचार कर रही है। अगर बैन हटा तो फिर चावल की कीमत में बढ़ौतरी होना तय है। वहीं, आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल जुलाई-अगस्त में चावल निर्यात पर लगे प्रतिबंधों से बासमती की तुलना में गैर-बासमती चावल पर ज्यादा असर पड़ा है।

खुले बाजार में चावल बेचना शुरू करने जा रही सरकार

सूत्रों ने कहा कि समिति जल्द ही चावल की कुछ किस्मों के निर्यात पर प्रतिबंधों में ढील देने को लेकर दिए गए सुझावों पर विचार करेगी, क्योंकि इसका केंद्रीय पूल में भंडार जरूरत से ज्यादा हो गया है। कुछ पर्यवेक्षकों का मानना है कि समिति प्रतिबंधों में ढील देने का फैसला खरीफ में धान की बोआई की स्थितिसाफ होने तक के लिए टाल सकती है। अगले महीने से केंद्र सरकार खुले बाजार में चावल बेचना शुरू करने जा रही है। केंद्र ने राज्यों को बगैर किसी निविदा के उससे चावल खरीदने की अनुमति भी दे दी है इस चावल की बिक्री 28 रुपये किलो नियत भाव पर होगी। इस फैसले से कई राज्य, खासकर दक्षिण भारत के राज्य अपनी खाद्यान्न योजना फिर से शुरू कर सकेंगे।

इस बात की भी संभावना है कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) का अतिरिक्त चावल एथनॉल बनाने के लिए भी दिया जाए, जो पिछले कुछ महीने से रुका हुआ है। ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि अनाज से एथनॉल बनाने वाले सरकार पर (ओएमसी) द्वारा एथनॉल की एफसीआई के गोदामों से सस्ते खरीद दर में वृद्धि करने की मांग की चावल की आपूर्ति बहाल करने की थी मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि ऐसा न होने से उनके संयंत्र बंद हो जाने खतरा है। उनका कहना है कि पिछले 6 महीने में खुले बाजार में टूटे चावल की कीमत औसतन 22 से 24 रुपये किलो से बढ़कर 27 से 29 रुपये किलो हो गई है। मक्के की कीमत भी औसत 22 से 23 रुपये किलो से बढ़कर 26 से 27 रुपये किलो पहुंच गई है। इस कीमत पर भी आपूर्ति सीमित है। ग्रेन एथनॉल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (जीईएमए) ने हाल ही में केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी को पत्र लिखकर एफसीआई के अतिरिक्त चावल की आपूर्ति बहाल करने या तेल विपणन कंपनियों (ओपीएस) द्वारा एथनॉल की खरीद दर में वृद्धि करने की मांग थी। सेंट्रल पूल में 1 जुलाई को चावल का स्टॉक करीब 563.1 लाख टन (धान सहित) था, जो पिछले साल की समान अवधि के स्टॉक की तुलना में करीब 16 प्रतिशत ज्यादा है। साथ ही मौजूदा स्टॉक, बफर स्टॉक के मानकों से उल्लेखनीय रूप से अधिक है। सूत्रों ने कहा कि मंत्रियों की समिति बासमती के न्यूनतम निर्यात मूल्य को मौजूदा 950 डॉलर से घटाकर 850 डॉलर करने पर भी विचार कर सकती है। इसके अलावा कुछ रॉ राइस को 500 डॉलर प्रति टन के हिसाब से निर्यात की अनुमति मिल सकती है, साथ ही प्रीमियम चावल की किस्मों जैसे सोना मसूरी और गोविंद भोग के निर्यात की भी अनुमति मिल सकती है।

जॉब रिजर्वेशन विवाद में बैकफुट पर फोनपे के मालिक, बिना शर्त मांगी माफी

नईदिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक में अटके पड़े नौकरी आरक्षण विधेयक पर अपनी टिप्पणी को लेकर मचे बवाल के बीच फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी कंपनी फोनपे के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और फाउंडर समीर निगम ने रविवार को बिना शर्त माफी मांगी। उन्होंने कहा कि उनका कभी भी राज्य और उसके लोगों का अपमान करने का इरादा नहीं था। बता दें कि हाल ही में एक बयान के कारण फोनपे को सोशल मीडिया पर आलोचना और बहिष्कार का सामना करना पड़ा था। दरअसल, निगम ने कर्नाटक सरकार के नौकरियों के लिए कोटा विधेयक की आलोचना की थी। इसमें मूल रूप से प्राइवेट सेक्टर में स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण का प्रस्ताव था। यह प्रस्ताव फिलहाल निलंबित कर दिया गया है।

कंपनी ने क्या कहा?

रविवार को एक बयान जारी करते हुए समीर निगम ने कहा कि फोनपे का जन्म बेंगलुरु में हुआ था और टीम को ऐसे शहर में अपनी जड़ों पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है, जो अपनी ग्लोबल टेक्नोलॉजी टैलेंट और वाइब्रेंट डायवर्सिटी के लिए जाना जाता है। निगम ने कहा, मैंने हाल ही में मीडिया में कुछ रिपोर्ट्स पढ़े हैं, जिनमें मैंने पिछले सप्ताह नौकरी आरक्षण विधेयक मसौदे के बारे में कुछ व्यक्तिगत टिप्पणियां की थीं। मैं सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि कर्नाटक और उसके लोगों का अपमान करने का मेरा कभी इरादा नहीं था।

130 रुपये के शेयर ने पहले ही दिन दोगुना किया पैसा, 90 प्रतिशत फायदे पर लिस्टिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। सती पॉली प्लास्ट की शेयर बाजार में जबरदस्त लिस्टिंग हुई है। सती पॉली प्लास्ट के शेयर 90 पर्सेंट के प्रीमियम के साथ 247 रुपये पर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में सती पॉली प्लास्ट के शेयर का दाम 130 रुपये था। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 12 जुलाई 2024 को खुला था और यह 16 जुलाई तक ओपन रहा। सती पॉली प्लास्ट के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 17.36 करोड़ रुपये का था।

शानदार लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

धमाकेदार लिस्टिंग के ठीक बाद सती पॉली प्लास्ट के शेयर 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 259.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। जिन इनवेस्टर्स को आईपीओ में कंपनी के शेयर अलॉट हुए हैं, उनका पैसा पहले ही दिन दोगुना हो गया है। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 86.30 पर्सेंट थी, जो कि अब 63 पर्सेंट रह गई है। सती पॉली प्लास्ट की शुरुआत जुलाई 1999 में हुई थी। कंपनी मल्टीफंक्शनल फ्लेक्सिबल पैकेजिंग मैटीरियल्स की मैन्युफैक्चरिंग करती है। सती पॉली प्लास्ट की 2 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं। एक प्लांट की हर महीने की कैपेसिटी 540 टन है। दूसरा प्लांट नोएडा के उद्योग केंद्र में है और इसकी कैपेसिटी भी महीने की 540 टन की है। कंपनी अपने पैकेजिंग मैटीरियल की सप्लाई असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र और राजस्थान में करती है। सती पॉली प्लास्ट का आईपीओ टोटल 499.13 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 670.62 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का कोटा 569.52 गुना सब्सक्राइब हुआ। जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 146 गुना दांव लगा। सती पॉली प्लास्ट के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स सिर्फ 1 लॉट के लिए अप्लाई कर सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1000 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को 130000 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है।

1 से बढ़कर 110 पर आया टाटा का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा टेलीसर्विसेज (महाराष्ट्र) (टीटीएमएल) के शेयर आज सोमवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 8 प्रतिशत तक चढ़कर 110 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। बता दें कि पिछले कई 5 कारोबारी दिन से टाटा ग्रुप के इस शेयर में रॉकेट की स्पीड है। पांच दिन में यह शेयर करीबन 50 प्रतिशत तक चढ़ गया है। इससे पहले शुक्रवार के इंट्रा-डे कारोबार में बीएसई पर यह शेयर 14 फीसदी की बढ़त के साथ 20 महीने के उच्चतम स्तर 111.48 रुपये पर पहुंच गया था। आपको बता दें कि टीटीएमएल के शेयर में लगातार मुनाफावसूली हो रही थी और यह शेयर 70 रुपये से नीचे पहुंच गया था। इसका 52 वीक का लो प्राइस 65.29 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 20,999.83 करोड़ रुपये है। बता दें कि 27 मार्च 2020 को इस शेयर की कीमत 1 रुपये थी। यानी अब तक यह शेयर 10,900 प्रतिशत चढ़ गया है।

कंपनी का कारोबार

टाटा टेलीसर्विसेज लिमिटेड अपनी सहायक कंपनी टीटीएमएल (टाटा टेलीसर्विसेज) के साथ एंटरप्राइज क्षेत्र में बढ़ती बाजार प्रमुख है। यह टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (टीटीबीएस) ब्रांड नाम के तहत देश में व्यवसायों के लिए कनेक्टिविटी, सहयोग, क्लाउड और सास, सुरक्षा और मार्केटिंग सॉल्यूशंस का एक बड़ा पोर्टफोलियो प्रोवाइडर है। टाटा टेलीसर्विसेज के पास व्यापक, उच्च गुणवत्ता और मजबूत वायरलाइन नेटवर्क है और यह भारत भर के 60 से अधिक शहरों में अपने उत्पाद और सेवाएं प्रदान करता है।

24 जुलाई को है बोर्ड मीटिंग

हाल ही में एक एक्सचेंज फाइलिंग में टाटा समूह की कंपनी ने कहा कि कंपनी के बोर्ड मेंबर की एक बैठक बुधवार, 24 जुलाई, 2024 को होने वाली है। इसमें कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। वहीं, बुधवार, 17 जुलाई को टीटीएमएल ने कहा कि टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज (टीटीबीएस) के एक नए रिसर्च के अनुसार, भारत के बढ़ते डिजिटल त्वरण से प्रेरित होकर, छोटे और मध्यम उद्यम (एसएमई) अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त के लिए तेजी से क्लाउड का लाभ उठा रहे हैं। देश भर में 58 प्रतिशत एसएमई का मानना है कि उनके पास उच्च स्तर की डिजिटल परिपक्वता है ।

5 शेयर करेंगे मालामाल ! अभी दांव लगाने से 3 से 4 वीक में ही हो जाएगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बेंचमार्क निफ्टी 50 में पिछले सप्ताह 0.12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इससे लगातार सातवें सप्ताह में तेजी देखी गई। शुक्रवार के बंद (19 जुलाई) तक बेंचमार्क इंडेक्स इस साल 13 फीसदी चढ़ा है। इस बीच, कई एनालिस्ट्स का मानना है कि बाजार के हाई वैल्यूएशन और मौजूदा आय सेशन की वजह से छोटी अवधि में कुछ उतार-चढ़ाव आ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अनिश्चितता और फेड रेट कट से भी बाजार का रुख बदल सकता है। निवेशकों को केंद्रीय बजट 2024 का इंतजार है, जिसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मंगलवार, 23 जुलाई को पेश करेंगी। बाजार को उम्मीद है कि बजट वृद्धि समर्थक होगा और कुछ लोकलुभावन उपायों के साथ राजकोषीय विवेक पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। एक्सपर्ट के मुताबिक, बाजार की दिशा आगामी बजट नतीजों से तय होगी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अगर बजट उम्मीद पर खरा उतरता है तो यह बाजार में अधिक स्थिरता प्रदान करेगा। ऐसे में एनालिस्ट निवेशकों को सतर्क रहने और क्वालिटी शेयरों पर दांव लगाने की सलाह देते हैं। छोटी अवधि के लिए वे उन शेयरों को खरीदने की सलाह देते हैं जो टेक्निकल इंडिकेटर पर आकर्षक दिखाई देते हैं। कई एक्सपर्ट्स की सलाह के आधार पर आपको हम 5 ऐसे शेयरों के बारे में बता रहे हैं, जो अगले 3-4 हफ्तों में 10-18 पर्सेंट चढ़ सकते हैं। जिगर एस. पटेल, आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स टाइटन कंपनी को लेकर पॉजिटिव हैं। एनालिस्ट का मानना है कि निवेशक टाइटन के शेयरों को 3,235-3,265 रेंज के भीतर खरीदने पर विचार कर सकते हैं। 3,575 के टारगेट प्राइस तक संभावित तेजी की उम्मीद की जा सकती है। स्टॉप लॉस 3,090 पर रख सकते हैं। एनालिस्ट के मुताबिक, टेक्निकल इंडिकेटर्स को ध्यान में रखते हुए बजाज फिनसर्व में 1,620-1,645 रुपये के दायरे में लॉन्ग पोजिशन शुरू करना समझदारी भरा लगता है। इस एंट्री रेंज से 1,800 का टारगेट प्राइस हो सकता है।

स्पेसेस बाय वेलस्पन ने दिखाई भोपाल की बेस्ट डीलरशिप्स

भोपाल । स्पेसेस बाय वेलस्पन ने भोपाल में स्थित अपने शीर्ष डीलरशिप स्टोर्स दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) को मिली शानदार पहचान का जोरदार स्वागत किया। यह सम्मान दानवी इंटरप्राइजेस (शेड्स एंड स्प्रेड्स) के शानदार प्रदर्शन और अटूट समर्पण को दिखाता है। यह डालरशिप्स स्पेसेस ब्रांड के एक अभिन्न अंग रहा है जिसने असाधारण प्रतिबद्धता और वफादारी का प्रदर्शन किया हैए जिसने वास्तव में ब्रांड की सफलता और विकास को आगे बढ़ाया है। प्रीमियम होम टेक्सटाइल केटेगरी में एक मार्केट लीडर, स्पेसेस बाय वेलस्पन, इनोवेटिव और प्रीमियम प्रोडक्ट की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है जो स्टाइल और फंक्शन दोनों पर ध्यान केंद्रित करती है।

बजट के पहले सोने-चांदी के दाम गिरे

नईदिल्ली, एजेंसी। बजट के पहले कमोडिटी बाजार में भी सुस्ती दिखाई दे रही है। आज सोने में हल्की तेजी तो चांदी में गिरावट नजर आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले सत्र में सोना 50 डॉलर टूटकर 2400 डॉलर पर तो चांदी 3 प्रतिशत लुढ़ककर 29.30 डॉलर के नीचे आ गई थी। घरेलू बाजार में भी सोने में 1,200 रुपए और चांदी में 2,100 रुपए की भारी गिरावट आई थी। आज भी बाजार थोड़े कमजोर ही नजर आए।

भारतीय वायदा बाजार पर सोना 71 रुपए (0.1 प्रतिशत) की तेजी के साथ 73,061 रुपए प्रति 10 ग्राम पर चल रहा था। शुक्रवार को 72,990 पर बंद हुआ था। वैसे गोल्ड आज 73,184 के भाव पर खुला था। आज चांदी भी खुली तो हरे निशान में थी लेकिन इसके बाद इसमें 278 अंकों की गिरावट दर्ज हो रही थी और ये 89,368 रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास चल रही थी। पिछले कारोबारी सत्र में ये 89,646 रुपए पर बंद हुई थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी गिरा सोना

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2 फीसदी से ज्यादा गिरा है। इस हफ्ते सोना अपने ऑल टाइम हाई पर गया था। सितंबर में ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं से बाजार में तेजी बनी हुई थी लेकिन ऊपरी स्तरों से प्रॉफिटबुकिंग आने के चलते यूएस स्पॉट गोल्ड 1.9 प्रतिशत गिरकर 2,399.27 प्रति औंस पर आ गया और यूएस गोल्ड फ्यूचर्स 2.3 प्रतिशत गिरकर 2,399.10 प्रति औंस पर गया।

सर्राफा बाजार में भी लुढ़के सोना-चांदी

आभूषण विक्रेताओं की कमजोर मांग के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 750 रुपए की गिरावट के साथ 75,650 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके साथ सोने में पिछले छह कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर विराम लग गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 76,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 800 रुपए घटकर 75,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। गुरुवार को यह 76,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,000 रुपए टूटकर 93,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही। पिछले कारोबारी सत्र में 94,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी। सोने की कीमतों में गिरावट का कारण वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और देश में आभूषण विक्रेताओं की मांग में आई गिरावट रही।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने पैसालो डिजिटल में बड़ा निवेश किया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (बीएसई: 511700), एक अग्रणी एनबीएफसी जो वैकल्पिक वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है और सभी के लिए वित्तीय पहुंच और विकास को बढ़ावा देती है, यह घोषणा की कि एससीएमएल ने पैसालो डिजिटल लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है। पैसालो डिजिटल ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक अग्रणी वित्तीय सेवा कंपनी है।

यह निवेश एससीएमएल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है जो वित्तीय अंतर को पाटने और कम सेवा वाले क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नवीन समाधानों को उन्नत करता है। एससीएमएल का निवेश पैसालो डिजिटल को अपनी पहुंच और प्रभाव का विस्तार करने में सक्षम बनाएगा, जिससे अधिक ग्रामीण समुदायों को आवश्यक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्रदान की जा सकेगी।

प्रौद्योगिकी और नवाचार में एससीएमएल की विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, पैसालो डिजिटल अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म को बेहतर बनाएगा, जिससे सेवा वितरण सुचारू और कुशल होगा। इस सहयोग में संभावित रूप से अधिक लक्षित और प्रतिस्पर्धी उत्पादों की पेशकश भी शामिल है, जिसमें उधारकर्ताओं के लिए अधिक लचीले ऋण मानदंड शामिल हैं। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राम गोपाल जिंदल ने साझेदारी के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम ग्रामीण भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उनके मिशन में पैसालो डिजिटल लिमिटेड के साथ सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं। यह निवेश वित्तीय समावेशन के लिए हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

जो सकारात्मक सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन को प्रेरित करता है।

एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लि.ने एएलएम फूड प्रोडक्ट्स के साथ फेसिलिटी समझौता किया

मुंबई । एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएसई : 543929, एनएसई : एचएमए एग्रो), प्रसंस्कृत खाद्य और कृषि उत्पादों में अग्रणी, ने घोषणा की है कि बफेलो मीट के लिए उसने एएलएम फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड (एएलएम फूड), पंजाब और एएलएम इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएलएम), सहारनपुर के साथ प्रसंस्करण, फ्रीजिंग और पैकेजिंग की सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए सुविधा (फेसिलिटी) समझौते किए हैं। इससे पहले, कंपनी ने 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और के लिए अपनी आय की घोषणा की थी। 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए, कंपनी ने अपने कुल राजस्व में 49न्न की वृद्धि दर्ज की, जो रु. 32,560.91 मिलियन (वित्त वर्ष 23) से बढ़कर रु. 48,618.72 मिलियन (वित्त वर्ष 24) हो गई। प्रभावशाली राजस्व वृद्धि के बावजूद, कंपनी के लाभ मार्जिन में गिरावट आई। यह गिरावट कच्चे माल की घरेलू कीमतों में वृद्धि और लाल सागर संकट के प्रभाव के कारण हुई है। हालांकि, प्रबंधन भविष्य के प्रति आशावादी है और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में स्थिरता आने पर लाभ मार्जिन में सुधार की उम्मीद कर रहा है। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक खाद्य व्यापार संगठन के रूप में कार्य करती है। कंपनी जमे हुए ताजा भैंस के मांस, तैयार और जमे हुए प्राकृतिक उत्पाद, फल, सब्जियां और अनाज सहित प्रसंस्कृत खाद्य और कृषि उत्पाद प्रदान करती है। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज दुनिया भर के ग्राहकों की सेवा करती है। कंपनी की उत्पादन क्षमता प्रति दिन 1,472 मीट्रिक टन है। कंपनी की अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा आगरा, उन्नाव, पंजाब, अलीगढ़, मेवात और परभनी में 6 शहरों में फैली हुई है। इसमें पूर्ण स्वचालन के साथ विनिर्माण और खुदरा बिक्री के लिए पूरी तरह से एकीकृत बुनियादी ढांचा है।

जम्मू-कश्मीर पर रक्षामंत्री का दूरगामी सन्देश

ललित गर्ग

जम्मू एवं कश्मीर के चुनाव अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेंगे बल्कि बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रचार को एक नई करवट देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ऐसी बातें कहीं है जो घाटी के लोगों के दिलों को छूने वाली होने के साथ प्रांत में नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है एवं गुलाम कश्मीर के लोगों के प्रति सहानुभूति एवं आत्मीयता दर्शाने वाली है। एक दिन पहले करगिल युद्ध को लेकर पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने वो बात कुबूल कर ली, जो अब तक सारे पाकिस्तानी जनरल पूरी दुनिया से छिपाते रहे। आसिम मुनीर ने साफ-साफ कहा कि कारगिल जंग में पाकिस्तानी सेना का हाथ था। उनके सैनिकों ने शहादत दी है। इसके अगले ही दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का जम्मू-कश्मीर की धरती से ये ऐलान कि अगर पाकिस्तान आतंक छोड़ दे तो उसके साथ बातचीत हो सकती है। यह बयान बहुत कुछ कहता है एवं इसके कई दूरगामी राजनीतिक दृष्टिकोण है। पाकिस्तान समझ चुका है कि कश्मीर में अब उसका कुछ नहीं बचा। रही सही कसर, जम्मू-कश्मीर में हो रहे चुनावों में लोगों की जोरदार भागीदारी ने पूरी कर दी। उसकी सारी उम्मीदों पर पानी फिरता दिख रहा है, ऐसे में वह हकीकत स्वीकार करता नजर आ रहा है। रक्षामंत्री की कही बातों में पाकिस्तान सरकार को सीधा सन्देश दिया गया है। निश्चित ही राजनाथ सिंह के बयान एक अनुभवी एवं कद्दावर नेता के रणनीतिक एवं दूरगामी सोच से जुड़े बयान है, जिनकी प्रतिक्रिया दोनों ही देशों में होने के साथ ही चुनाव में हिस्सेदारी कर रहे राजनीतिक दलों में सुगबुगाहट का बड़ा कारण बना है।

कश्मीर में विकास, पर्यटन में भारी वृद्धि, शांति एवं सौहार्द का वातावरण बनना गुलाम कश्मीर के लोगों को प्रेरित कर रही हैं कि उन्हें भी इस ओर आजाद फिजा में सांस लेने का मौका मिले। ऐसे में रक्षामंत्री ने उन्हें भारत का हिस्सा बनने का निमंत्रण देकर पड़ौसी देश की दुखती रग को छेड़ दिया है एवं पाकिस्तान की नींद उड़ा दी है, बल्कि गुलाम कश्मीर के लोगों में भी नया विश्वास एवं मनोबल जगा दिया है। रक्षामंत्री का यह निमंत्रण बहुत मायने रखता है, इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह ने भी कहा था कि गुलाम कश्मीर हमारा है एवं हम इसे लेकर रहेंगे। गुलाम कश्मीर के लोग भारत से मिलने के लिये उत्सुक है, आन्दोलनरत है। क्योंकि पाकिस्तानी शासक उन्हें विदेशियों की तरह देखते हैं। यह एक सच्चाई भी है। पाकिस्तान अपने कब्जे वाले कश्मीर के लोगों का जैसा दमन और शोषण कर रहा है, उसके कई प्रमाण सामने आ चुके हैं। इसी दमन और शोषण के चलते जब-तब वहां पाकिस्तान के खिलाफ सड़कों पर उतरकर

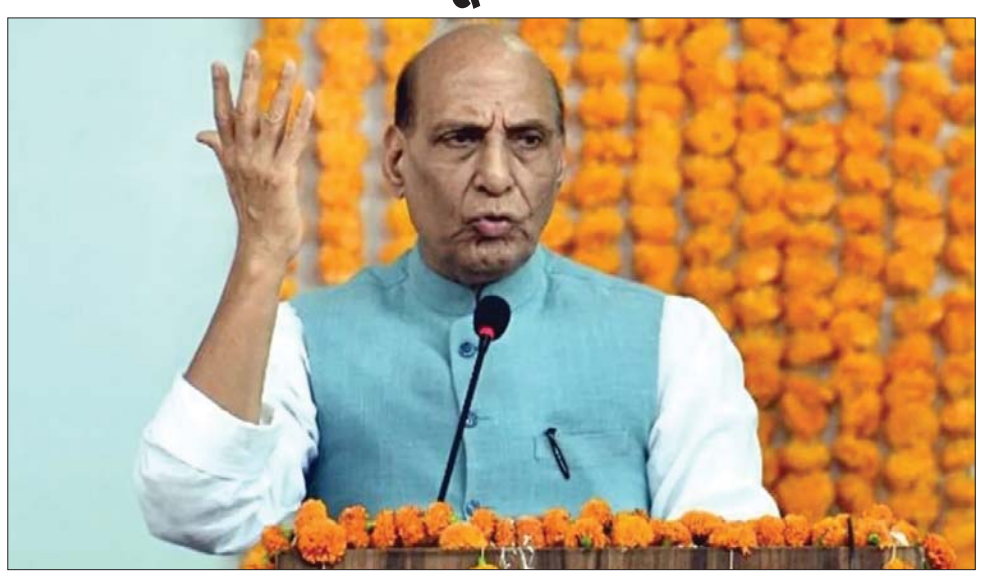

लोग भारत जाने की अनुमति भी मांगते रहते हैं। गुलाम कश्मीर में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे लोगों को मारा जा रहा है। वहां के लोग यह अच्छी तरह देख रहे हैं कि भारतीय भूभाग में किस तरह तेजी से विकास हो रहा है और उन्हें किस तरह पाकिस्तान की ओर से ठगा जाता रहा है। कहना कठिन है कि रक्षा मंत्री के बयान पर पाकिस्तान क्या कहता है, लेकिन इसके आसार कम ही हैं कि वह आतंकवाद को सहयोग-समर्थन देने से बाज आएगा। पाकिस्तान की दमनकारी नीतियों के खिलाफ आंदोलन कर रहे इस चुनाव पर सिर्फ भारतीयों नहीं, पूरी दुनिया की नजर है। विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच राजनाथ सिंह ने कहा कि हम गुलाम कश्मीर पर अपना दावा कभी नही छोड़ेंगे। वैसे भी गुलाम कश्मीर के लोग हमारे ही लोग है, उन्हें पाकिस्तान ने कभी अपना माना ही नहीं है। राजनाथ सिंह का गुलाम कश्मीर के लोगों को संदेश पाकिस्तान के ताबूत में आखिरी कील की तरह है।

रक्षा मंत्री ने अपने वक्तव्य के जरिये चुनाव के परिदृश्यों को एक नया मोड़ दिया है। उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी और कांग्रेस को भी निशाने पर लिया। उनके लिए ऐसा करना इसलिए आवश्यक हो गया था, क्योंकि नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी के नेता पाकिस्तानपरस्ती का परिचय देते हुए उससे बात करने पर जोर दे रहे हैं, लेकिन ऐसा करते हुए वे यह रेखांकित नहीं करते कि वार्ता के लिए उसे आतंकवाद पर लगाम लगानी होगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी कश्मीर के लोगों को अनुच्छेद-370 की वापसी का भी सपना दिखा रहे हैं। यह दिवास्वप्न के अलावा और कुछ नहीं, क्योंकि अब इस विभाजनकारी और अलगाववाद को बढ़ावा देने वाले अनुच्छेद की वापसी संभव नहीं और इसीलिए रामबन में राजनाथ सिंह ने कहा, भाजपा ने डंके की चोट पर अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर में शांति और समृद्धि का रास्ता बनाया है। किसी माई के लाल में हिम्मत नहीं कि वह इस अनुच्छेद को वापस ला सके। ऐसा कहते हुए उन्होंने कांग्रेस को भी निशाने पर लिया, जो कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है और अनुच्छेद-370 की वापसी के उसके वादे पर मौन धारण किए हुए है। पाकिस्तान एवं घाटी के विभिन्न राजनीतिक दल बार-बार अनुच्छेद 370 का जिक्र कर दुनिया के सामने यह गीत गाते रहे हैं कि 370 हटने से कश्मीर के लोग नाराज हैं। इस झूठ को खुलासा स्वयं कश्मीर की जनता ने लोकसभा चुनाव में वोटिंग के जरिये किया है।

घाटी में चुनाव में हिस्सेदारी कर रहे हैं राजनीतिक दल पाकिस्तानी राग अलापते रहे हैं। उमर अब्दुल्ला इस वक्त अफजल को दी गयी फांसी के विवाद में घिर चुके हैं। उन्होंने कह दिया कि अफजल को फाँसी देना गलत था। चूँकि अफजल संसद पर हमले का जिम्मेदार था, उसकी तरफदारी करके नेशनल कान्फ्रेंस स्पष्ट रूप से जता रही है कि वह आतंकवादियों से मिली हुई है या उनकी तरफदारी कर रही है और कांग्रेस उसकी साथी है। इन स्थितियों में कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणापत्र में किए गए वादों से सहमत है? उसे यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह उमर अब्दुल्ला के इस आकलन से सहमत है कि संसद पर हमले की साजिश रचने वाले अफजल गुरु को फांसी की सजा देने से कुछ हासिल नहीं हुआ? यह अलगाववाद और आतंकवाद के दौर की वापसी के समर्थकों की हमदर्दी हासिल करने वाला ही बयान है और इसीलिए राजनाथ सिंह ने उन पर कटाक्ष किया कि अफजल को फांसी न दी जाती तो क्या उसके गले में हार डाले जाते। यह विडंबना ही है कि कांग्रेस उमर अब्दुल्ला के इस बयान पर भी चुप्पी साधे है, जबकि उसे फांसी की सजा मनमोहन सिंह सरकार के समय ही दी गई थी। ऐसे में कश्मीर के लोगों को तय करना होगा कि वे देश प्रेमियों के साथ हैं या देशद्रोहियों के साथ? बहरहाल, धारा 370 हटने के बाद यहाँ पहली बार हुए लोकसभा चुनाव में पचास प्रतिशत से ऊपर मतदान हुआ था जो अच्छा संकेत है। वर्ना इससे पहले तो तीस प्रतिशत मतदान को भी अच्छा समझा जाता रहा।

जम्मू एवं कश्मीर के चुनाव अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेंगे बल्कि बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। वैसे तो हर चुनाव में वर्ग, जाति, सम्प्रदाय का आधार रहता है, पर इस बार वर्ग, जाति, धर्म, सम्प्रदाय व क्षेत्रीयता के साथ गुलाम कश्मीर एवं अनुच्छेद 370 के मुद्दे व्यापक रूप से उभर कर सामने आयेंगे। इन चुनावों में मतदाता जहां ज्यादा जागरूक दिखाई दे रहा है, वहीं राजनीतिज्ञ भी ज्यादा समझदार एवं चतुर बने हुए दिख रहे हैं। उन्होंने जिस प्रकार चुनावी शतरंज पर काले-सफेद मोहरें रखे हैं, उससे मतदाता भी उलझा हुआ है। अपने हित की पात्रता नहीं मिल रही है। कौन ले जाएगा राज्य की एक करोड पच्चीस लाख जनता को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विकास एवं शांति की दिशा में। इन स्थितियों में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कश्मीर की जनता को जागरूक किया है एवं मतदान के प्रति सतर्क होने के साथ अपना मतदान विवेक से करने का वातावरण निर्मित किया है।

संपादकीय

एहतियात है जरूरी

देश में मंकीपॉक्स का मामला सामने आया है। एक युवक में मंकीपॉक्स के लक्षण पाने के बाद उसे फौरन आइसोलेशन में भेज दिया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बताया कि संक्रमित शख्स हाल ही में संक्रमण प्रभावित देश की यात्रा करके लौटा है। उसकी पहचान, वह किस राज्य का वासी है और यात्रा वाले देश के नाम का खुलासा नहीं किया है। देश के भीतर प्रभाव का आकलन करने के लिए मरीज के संपर्क में आने वालों का भी पता लगाया जा रहा है। मंकीपॉक्स का 2022 में वैश्विक प्रकोप हुआ था, जिसकी चपेट में भारत भी आया था। तब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंकीपॉक्स को ग्लोबल हैल्थ इमरजेंसी घोषित किया था। यह संक्रामक बीमारी है जिसमें बुखार, सिरदर्द, मांस-पेशियों में ऐंठन के साथ ही त्वचा पर दर्दनाक दाने /फफोले जैसे हो जाते हैं। यह संक्रमित व्यक्ति या जानवर को छूने से फैलता है और 2 से 4 हफ्तों तक इसका असर रह सकता है। इस साल की शुरूआत से ही समूचे अफ्रीका महाद्वीप को मंकीपॉक्स ने अपनी चपेट में ले रखा है। वहां साढेक्करू पांच हजार से अधिक मामलों की पुष्टि के साथ ही 643 लोग मर चुके हैं। यह वायरस अफ्रीका से निकल कर यूरोप और अमेरिका तक पहुंच चुका है। कोविड़ महामारी के दुनिया को चपेट में लेने के बाद से किसी भी संक्रमण के प्रति बड़ी चिंता व्याप्त हो रही है। हालांकि भारत पहले ही एलर्ट मोड़ में है। विभिन्न अस्पतालों में इस संक्रमण के मद्देनजर विशेष वार्ड.बनाए गए हैं। इसीलिए समय रहते इस संक्रमित यात्री की पहचान हो गई और दूसरों को संक्रमित करने से पूर्व ही या सीमित लोगों के संपर्क में आते ही उसे इलाज दिया जाने लगा है। आम नागरिकों को भयभीत किए बगैर संक्रमण से बचाव और सावधानी बरतने के प्रति जागरूक करने की जरूरत है। ध्यान रखा जाना जरूरी है कि लोग बेवजह ड़रें नहीं। छात्रों और सार्वजनिक जीवन में नियमित तौर पर रहने वालों को संक्रमण के प्रति विशेष सावधानी रखने के निर्देश दिए जाने की भी आवश्यकता है। चूंकि यह संक्रमण जानवरों के माध्यम से भी फैलता है, इसलिए साफ-सफाई के अतिरिक्त मांसाहारियों को भी संक्रमित पशुओं के उपयोग का ख्याल रखना जरूरी है। खरोचों, घावों, श्वसन बूंदों और दूषित वस्तुओं के संपर्क में आने से भी सावधान रहने के स्पष्ट निर्देश दिए जाने की जरूरत है। हम पहले ही सतर्क हैं, मगर और भी एहतियात रखने की जरूरत को समझना है।

चिंतन-मनन

ज्ञेय और ज्ञान का संबंध

दर्शन के क्षेत्र में ज्ञान और ज्ञेय की मीमांसा चिरकाल से होती रही है। आदर्शवादी और विज्ञानवादी दर्शन ज्ञेय की स्वतंत्र सत्ता स्वीकार नहीं करते। वे केवल ज्ञान की ही सत्ता को मान्य करते हैं। अनेकांत का मूल आधार यह है कि ज्ञान की भांति ज्ञेय की भी स्वतंत्र सत्ता है। द्रव्य ज्ञान के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञेय है। ज्ञेय चैतन्य के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञान है। ज्ञेय और ज्ञान अन्योन्याश्रित नहीं हैं। ज्ञेय है, इसलिए ज्ञान है और ज्ञान है इसलिए ज्ञेय है, इस प्रकार यदि एक के होने पर दूसरे का होना सिद्ध हो तो ज्ञेय और ज्ञान दोनों की स्वतंत्र सत्ता सिद्ध नहीं हो सकती। द्रव्य का होना ज्ञान पर निर्भर नहीं है और ज्ञान का होना द्रव्य पर निर्भर नहीं है। इसलिए द्रव्य और ज्ञान दोनों स्वतंत्र हैं। ज्ञान के द्वारा द्रव्य जाना जाता है, इसलिए उनमें ज्ञेय और ज्ञान का संबंध है। ज्ञेय अनंत है और ज्ञान भी अनंत है। अनंत को अनंत के द्वारा जाना जा सकता है। जानने का अगला पर्याय है कहना। अनंत को जाना जा सकता है, कहा नहीं जा सकता। कहने की शक्ति बहुत सीमित है। जिसका ज्ञान अनावृत्त होता है, वह भी उतना ही कह सकता है जितना कोई दूसरा कह सकता है। भाषा की क्षमता ही ऐसी है कि उसके द्वारा एक बार में एक साथ एक ही शब्द कहा जा सकता है। हमारे ज्ञान की क्षमता भी ऐसी है कि हम अनंतधर्मा द्रव्य को नहीं जान सकते। हम अनंत-धर्मात्मक द्रव्य के एक धर्म को जानते हैं और एक ही धर्म का प्रतिपादन करते हैं। एक धर्म को जानना और एक धर्म को कहना नय है। यह अनेकांत और स्याद्वाद का मौलिक स्वरूप है। उनका दूसरा स्वरूप है प्रमाण। अनंत-धर्मात्मक द्रव्य को जानना और उसका प्रतिपादन करना प्रमाण है। हम अनंतधर्मा द्रव्य को किसी एक धर्म के माध्यम से जानते हैं। इसमें मुख्य और गौण दो दृष्टिकोण होते हैं। द्रव्य के अनंत धर्मो में से कोई एक धर्म मुख्य हो जाता है और शेष धर्म गौण। नय हमारी वह ज्ञान-पद्धति है, जिसमें हम केवल धर्म को जानते हैं, धर्मो को नहीं जानते। प्रमाण हमारी वह ज्ञान-पद्धति है, जिससे हम एक धर्म के माध्यम से समग्र धर्मो को जानते हैं।

संरक्षक पर प्रश्न चिन्ह- क्या अब भाजपा को संघ की जरूरत नही रही....?

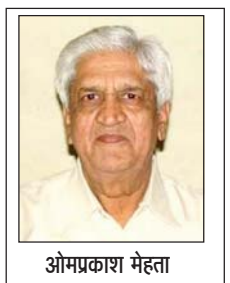

ओमप्रकाश मेहता

भारत के मौजूदा सत्तारूढ़ खेमों में इस बात को लेकर अच्छी खासी चर्चा है कि ऐसी क्या खास वजह पैदा हो गई। जिससे देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी और उसके कथित संरक्षक संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आर.एस.एस.) के बीच अंदरूनी मनमुटाव की स्थिति पैदा हो गई और जिसके कारण भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को संघ की राष्ट्रीय समन्वयक बैठक में यह कहना पड़ कि- 'भाजपा को संघ की अब कोई जरूरत नहीं है, अब भाजपा हर तरीके से अपने आपमें सक्षम और आत्मनिर्भर है।' भाजपाध्यक्ष के इस बयान की देश के राजनीतिक क्षेत्रों में अच्छी खासी चर्चा है और कथन को लेकर मौजूदा और भविष्य के कयासों पर अटकलें तेज है। भाजपाध्यक्ष के इस बयान से संघ स्वयं वाली विस्मित है तथा अब वह अपनी अगली रणनीति को लेकर सजग व सक्रिय हो गया है, संघ प्रमुख केरल के पलक्कड में सम्पन्न इस सम्मेलन के बाद काफी चिंतित और सक्रिय हो गए है, उन्होंने पिछले कुछ दिनों में अपने विश्वस्तों के साथ कई बार गंभीर मंत्रणाएं भी की है।

अब भाजपाध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा के इस तल्खी भरे बयन के राजनीतिक क्षेत्रों में कई अर्थ निकाले जा रहे है, संघ इस बात को लेकर चिंतित है कि प्रधानमंत्री की मौन स्वीकृति के बिना नड्डा जी ऐसा बयान दे नही सकते और मोदी जी की संघ के प्रति यह मुद्रा क्यों है? यह किसी के भी समझ में नही आ रहा है। भाजपाध्यक्ष ने यह बयान संघ के करीब दस दिन पहले केरल के पलक्कड़ शहर में हुए सम्मेलन में दिया था, बयान तिथि से अब तक के दस दिन के समय में भाजपाध्यक्ष के इस बयान की काफी राजनीतिक सर्जरी हो चुकी है और वह अभी भी जारी है, इस कारण भाजपा और संघ दोनों में ही खलबली मची हुई है।

अब ऐसे मौके पर राजनीतिक प्रेक्षकों को मोदी का राजनीतिक इतिहास याद आ रहा है, जब मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए दंगों के बाद अटल जी का सार्वजनिक रूप से मोदी से की गई तल्खी भरी बातचीत और मोदी की दो टूक सफाई इसके साथ ही मुख्यमंत्री के रूप में मोदी के इस समय हुए दिल्ली दौरों और अटल-अड़वानी की तत्कालीन राजनीतिक भूमिका व मोदी के प्रति बर्ताव भी इन दिनों राजनीतिक क्षेत्रों में समीक्षा का विषय बना हुआ है और आज प्रधानमंत्री की संघ के प्रति तल्खी को उसी संदर्भ में जांचा परखा जो निकलेगें वे सार्वजनिक हो पाएगें या नही? यह तो फिलहाल कहना मुश्किल है, किंतु यह सही है कि इन परिणामों की प्रतीक्षा सभी को है, संघ को भी और मोदी खेमें को भी।

हाँ, तो चर्चा का मुख्य विषय संघ की मौजूदा स्थिति, उसका भाजपा पर असर और दोनों की भावी रणनीति है, अब यहां मौजूदा स्थिति को देखकर यह कहना भी गलत नही होगा कि मोदी और उनकी टोली को संघ की कोई चिंता नही है और यही संघ की चिंता का भी मुख्य कारण है और भाजपाध्यक्ष के स्पष्ट बयान ने तो स्थिति को और भी साफ कर दिया है, अब यदि संघ को अपने आपका अस्तित्व कायम रखना है तो उसे बिना किसी से सहयोग की अपेक्षा रखे खुद को ही इस दिशा में प्रयास करना पड़ेगें और अब यह भी स्पष्ट हो चुका है कि संघ को मोदी से किसी भी प्रकार के सहयोग या आदर भाव की अपेक्षा भी करना बंद कर देना चाहिए, क्योंकि सत्ता के गुरूर में डूबी भाजपा व उसके नेता कई बार संघ को इसी तरह के संकेत दे चुके है, इसलिए अपनी अस्मिता कायम रखने के लिए संघ को ही प्रयास जारी रखना होगें, उसकी मद्द के लिए कोई साथ नही आएगा। अब इस सामयिक चेतावनी को संघ समय रहते समझ ले तो ठीक है, वर्ना मोदी का तो अभी करीब-करीब पूरा ही तीसरा कार्यकाल बाकी है।

भेड़ियों का आतंकः दहशत की वजह तलाशनी जरूरी

अजय प्रताप तिवारी

घटते जंगल बढ़ती आबादी से न सिर्फ इंसानी जीवन पर दबाव बढ़ रहा है, बल्कि पशु-पक्षियों के आश्रय स्थल और भोजन पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। विकास की अंधी होड़ में जंगलों की अंधाधुंध कटाई से जंगली जानवरों के भोजन और मूल निवास सिकुड़ रहे हैं। जंगली जानवरों की मूल प्रवृत्ति में भी बदलाव हो रहा है। भूख और मूल निवास के संकट से जंगली जानवरों में आक्रामकता पहले की अपेक्षा अधिक बढ़ी है। भूख-प्यास से व्याकुल जंगली जानवर शहर-गांवों का रुख करने लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों में जंगली जानवरों का आतंक शहर-गांव-देहात में ज्यादा देखने को मिला है। इन दिनों उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में भेड़ियों ने आतंक मचा रखा है। भेड़ियों के हमलों में अब तक दस लोगों की जान जा चुकी हैं, और करीब तीस लोग घायल हुए हैं। भेड़ियों की दहशत का प्रदेश में यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी जंगली जानवरों का तांडव रहा है। भेड़ियों के आतंक से निजात पाने के लिएराज्य सरकार ने उन्हें मारने का आदेश जारी किया है। मजे की बात यह है कि मनुष्यों की जान पर संकट बने भेड़ियों का वजूद खुद खत्म होने के कगार पर है। उनके देश में विलुप्त होने का खतरा बाघ से ज्यादा है। पशुओं के शोधकताओं और विशेषज्ञों का मानना है कि जंगली जानवरों में सबसे ज्यादा शमीर्ला जानवर भेड़िया ही है। ये जल्दी मनुष्यों के संपर्क में नहीं आते और न ही इंसानों पर हमला करते हैं। शमीर्ली प्रवृत्ति होने के बावजूद भेड़िये इंसानों को क्यों अपना शिकार बना रहे हैं? जंगली जानवर भेड़िया या कोई अन्य जानवर मनुष्यों को बेवजह परेशान नहीं करते। उत्तर प्रदेश का जिला बहराइच तराई का हिस्सा है, जो दक्षिणी नेपाल और उत्तरी भारत की सीमा पर फैली दलदली निचली भूमि का हिस्सा है। यहां बरसात में बाढ़ का खतरा बना रहता है। कोई भी जंगली जानवर किसी कारण से मूल प्राकृतिक वास को छोड़ता। भोजन की कमी होती है तब जंगली जानवर भोजन और सुरक्षित वास की तलाश में शहर-कस्बों की ओर बढ़ते हैं। ऐसे में मांसभक्षी जानवर पालतू पशुओं या मनुष्यों को अपना शिकार बनाते हैं। जो शाकाहारी पशु होते हैं, वे भी फसलों पर धावा बोलने में पीछे नहीं रहते।

विशेषज्ञ मानते हैं कि भेड़ियों, कुत्तों या कुछ अन्य जानवरों में खास किस्म की प्रवृत्ति होती है। वह यह कि यदि उन्हें एक बार इंसान का खून लग गया तो वे उसके आदी हो जाते हैं। यही वजह है कि बहराइच में भेड़िये मनुष्यों को अपना शिकार बना रहे हैं। उनका तांडव भले ही बहराइच में हो, लेकिन इस घटना से पूरा देश सहमा हुआ है। भेड़ियों पर काबू पाने के लिए शासन-प्रशासन कोशिशों में जुटे हैं, फिर भी भेड़िये मनुष्यों का शिकार करने से बाज नहीं आ रहे।

भारत में भेड़िया विलुप्त होते वन्यजीवों की श्रेणी में आते हैं। इसलिए देश में इनकी संख्या काफी सीमित है। यह भी हो सकता है कि नेपाल से भोजन या निवास की तलाश में अथवा अन्य वजहों से बहराइच में भेड़िये अपना ठिकाना बना रहे हों। कुछ भी हो लेकिन भेड़ियों के बढ़ते हमलों से देश-प्रदेश के समक्ष चुनौतियां और कई सवाल खड़े हो गए हैं। भेड़िया या अन्य जंगली जानवरों में इंसानों के प्रति प्राणघाती हमलों की प्रवृत्ति क्यों बढ़ रही है? इंसान की आहट से दूर रहने वाले जानवर इंसानों को आहार क्यों बना रहे हैं? क्या जलवायु परिवर्तन से जंगली जानवरों की मूल प्रवृत्ति में बदलाव आ रहा है? क्या कारण हो सकता है जिससे जंगली जानवरों को मनुष्यों पर हमला करना पड़ रहा है। सरकारें मानव बस्तियों के विस्तार और शहरीकरण को बढ़ावा देने के लिए जंगलों को बेतहाशा कटवा रही हैं। मनुष्यों के विकास पर ध्यान दिया जा रहा है, लेकिन जंगली जानवरों के प्राकृतिक आवास की अनदेखी करके। जंगलों की अंधाधुंध कटाई और बढ़ते शहरीकरण से जानवरों के प्राकृतिक आवास सिकुड़ रहे हैं। यह समस्या इंसानों के लिए न केवल घातक सिद्ध हो रही है, बल्कि जानवरों के अस्तित्व पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

हाल में एक अध्ययन से पता चला है कि आने वाले कुछ वर्षों में मानव जनसंख्या वृद्धि के चलते आधे से ज्यादा जानवरों के रहने वाले क्षेत्रों में मनुष्य का कब्जा होगा। स्पष्ट है कि जंगली जानवरों और मनुष्यों के बीच संघर्ष बढ़ जाएगा। दोनों अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ेंगे। जंगली जानवरों की बढ़ती दहशत जटिल समस्या है, इसके निदान के लिए समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सरकार को जंगलों के संरक्षण और जंगली जानवरों के पुनर्वास पर ध्यान देना चाहिए। जंगलों और मानव बस्तियों के बीच स्पष्ट सीमा का निर्धारण करना चाहिए। यह न केवल मानव सुरक्षा का मामला है, बल्कि वन्यजीव संरक्षण का भी मुद्दा है। उचित समय पर ठोस रणनीति के साथ कदम नहीं उठाए गए तो समस्या और भी गंभीर हो सकती है, जिससे न केवल जंगली जानवरों की संख्या में कमी आएगी, बल्कि मानव जीवन पर भी संकट बढ़ जाएगा। इंसानी जीवन की सुरक्षा के साथ ही जंगली जानवरों की सुरक्षा के इंतजाम भी होने चाहिए। पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए वन्यजीवों के साथ मानव का शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व सुनिश्चित कर-के ही समस्या का स्थायी समाधान किया जा सकता है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

गुलशन देवैया ने दीपिका को बताया मेहनती

इन दिनों दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की सबसे चर्चित अभिनेत्री बनी हुई हैं। दीपिका के साथ काम कर चुके अभिनेता गुलशन देवैया ने अपने एक साक्षात्कार में उनसे जुड़े अनुभव को साझा किया है। गुलशन देवैया ने दीपिका के बारे में अपनी राय साझा करते हुए कहा कि वो फिल्म के सेट पर कलाकारों को सहज महसूस कराती हैं। वो एकदम पेशेवर अभिनेत्री हैं। सेट पर मिलनसार रहती हैं। हालांकि, बहुत ज्यादा मिलनसार भी नहीं हैं। गुलशन ने बताया कि दीपिका पादुकोण इस बात को अच्छे से समझती हैं कि काम के दौरान सीमा क्या होनी चाहिए। उनके साथ काम करने में लोग सहज होते हैं, लेकिन इतना भी नहीं कि उनसे दोस्ती की जा सके। गुलशन ने दीपिका को एक मेहनती अभिनेत्री करार दिया। दीपिका पादुकोण और गुलशन देवैया ने फिल्म गोलियों की रासलीला राम-लीला में काम किया था, जिसे संजय लीला भंसाली ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में रणवीर सिंह ने भी मुख्य भूमिका निभाई थी, इसलिए गुलशन का उनके साथ काम करने का भी अनुभव है, जिसे साझा करते हुए उन्होंने बताया कि रणवीर सिंह हमेशा ही चार्ज रहते हैं। गुलशन ने रणवीर को ऊर्जा का भंडार करार दिया। गुलशन देवैया के अभिनय करियर की बात करें तो उन्होंने शैतान, हंटर, कमांडो 3, हेट स्टोरी, ब्लर, मर्द को दर्द नहीं होता, बधाई दो, दैट गर्ल इन यैलो बूट्स, ए डैथ इन द गंज, दम मारो दम, दोबारा अलविदा, अनपॉस्ड, लव अफेयर्स और पैडलर्स समेत कई फिल्मों में काम किया है। उन्हें हाल ही में, थ्रिलर फिल्म उलझ में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई। इसमें जान्हवी कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

आईसी 814- द कंधार हाईजैक पर उठे विवादों के बीच बोलीं पत्रलेखा

बॉलीवुड अभिनेत्री पत्रलेखा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज सीरीज आईसी 814- द कंधार हाईजैक की सफलता का लुत्फ उठा रही हैं। इस सीरीज में बाकी कलाकारों के साथ-साथ उनके अभिनय की भी काफी सराहना हो रही है। हालांकि, इस सीरीज को काफी विवादों का सामना भी करना पड़ा है। नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो रही इस सीरीज को भारत सरकार के द्वारा भी आपत्ति का सामना करना पड़ा था। इस पर बात करते हुए अब पत्रलेखा ने कहा कि है कि ये शो कोई डॉक्यूमेंट्री नहीं है।

यह सीरीज कोई डॉक्यूमेंट्री नहीं है

पत्रलेखा इस सीरीज में एक केबिन क्रू की भूमिका निभा रही हैं, जो काफी बहादुरी से मुश्किल हालातों का सामना करती है। इस सीरीज पर पिछले हफ्ते सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने, आतंकवाद को छिपाने और लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोपों को लेकर आपत्ति जताई थी। इसे लेकर नेटफ्लिक्स के कंटेंट हेड को तलब भी किया गया था। इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए पत्रलेखा ने कहा, यह स्पष्ट रूप से कोई डॉक्यूमेंट्री नहीं है। यह एक शो है, जिसे लिखा गया है और जाहिर है, इसके कुछ हिस्से काल्पनिक भी हैं। अभिनेत्री ने कहा कि शो में कई किरदारों ने वास्तविक घटना से जुड़े लोगों के असली नाम का इस्तेमाल नहीं किया है। उन्होंने कहा कि यह सीरीज घटना के प्रति सम्मान और इसे एक नई व्याख्या देने का एक गंभीर प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह सभी लोगों द्वारा इसकी प्रमाणिकता बनाए रखने के साथ-साथ एक निजी अनुभव देने की साझा कोशिश है। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें जब यह शो ऑफर हुआ, तो उनकी वो यादें ताजा हो गईं। उन्होंने कहा कि वह इस शो का बेसब्री से इंतजार कर रही थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें बचपन की अपहरण की घटना और बड़ी-बड़ी बंदूकों वाले लोगों की न्यूज में दिखाई गई नाटकीय तस्वीरें याद हैं। वह कंधार की इस घटना से जुड़ी उनकी पहली याद है। अभिनेत्री ने कहा कि ये शो उनकी जिंदगी का एक खास हिस्सा बन कर रहेगा। बताते चलें कि इस सीरीज का निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है। यह रोमांचक सीरीज 24 दिसंबर, 1999 को इंडियन एयरलाइंस के आईसी-814 विमान को पांच आतंकवादियों द्वारा अपहरण कर लिए जाने पर आधारित है। इब्राहिम अतहर, सनी अहमद काजी, जहूर इब्राहिम, शाहिद अख्तर और सईद शाकिर नामक आतंकियों द्वारा इस विमान को हाइजैक कर लिया गया था। ये विमान काठमांडू से दिल्ली के लिए उड़ी थी, जिसे उड़ान भरने के 40 मिनट बाद ही 154 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के साथ हाइजैक कर लिया गया था। इस सीरीज में विजय वर्मा, पंकज कपूर, मनोज पाहवा, नसीरुद्दीन शाह आदि कई कलाकार नजर आए हैं।

मिस्टर बच्चन के फ्लॉप होने पर रवि तेजा ने निर्माताओं को लौटाए 4 करोड़ रुपए

एक्टर रवि तेजा को हाल ही में फिल्म मिस्टर बब्बन में देखा गया था। यह फिल्म 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थीं लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई है। 70 करोड़ रुपए की लागत में बनी इस फिल्म ने महज 13 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। मिस्टर बच्चन के फ्लॉप होने पर निर्माताओं को तगड़ा घाटा हुआ है, जिसे देखते हुए तेजा ने बहा कदम उठाया है। रिपोर्ट्स के अनुसार मिस्टर बच्चन के फ्लॉप होने पर तेजा और हरीश ने अपनी फीस का कुछ हिस्सा फिल्म के निर्माता पोपल मीडिया फैक्ट्री को लौटा दिया है। उन्होंने नुकस्वन को भरपाई के लिए फीस का 15 प्रतिशत हिस्सा सौटाया है। जा रहा है कि तेजा ने 4 करोड़ रुपए और हरीश ने 2 करोड़ रुपर वापस कर दिए हैं। मिस्टर बच्चन अजय देवगन की फिल्म रेड की रीमेक है। इस फिल्म का निर्देशन हरीश शंकर ने किया है। बता दें कि मिस्टर बच्चन की कहानी भी हरीत ने लिखी थी, वहीं भूषण कुमार ने इस फिल्म का निर्माण टोजी विश्व प्रसाद, विवेक कुचिनोटला, कृष्ण कुमार, अभिषेक पाठक और कुमार मंगल पाठक के साथ मिलकर किया था। इस फिल्म में भाग्यश्री बोरसे और जगपति बाबू जैसे कलाकार भी नजर आए थे।

फिल्म बॉर्डर 2 में कन्फर्म हुई दिलजीत दोसांझ की एंट्री

सनी देओल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ वरुण धवन भी लीड रोल में नजर आएंगे। पिछले काफी समय से यह खबरें आ रही थीं कि इस फिल्म में सिंगर दिलजीत दोसांझ भी दिखाई देंगे। हालांकि इस खबर की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई थी। अब इस पर एक नया अपडेट सामने आया है। दरअसल इसमें अब दिलजीत की एंट्री कन्फर्म हो गई है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर जो वीडियो साझा किया है, उसके बैकग्राउंड में दिलजीत की आवाज सुनने को मिल रही है। वीडियो में वह कहते हैं... इस देश की तरफ उठने वाली हर नजर झुक जाती है खौफ से, इन सरहदों पर जब गुरु के पास पहरा देते हैं। बॉर्डर 2 में दिलजीत एक्शन करते नजर आएंगे।

एला की भूमिका निभाकर छा गईं चार्ली चौहान

टेलीविजन अभिनेत्री चार्ली चौहान अपना जन्मदिन मना रही हैं। चार्ली को असल पहचान शो बेस्ट फ्रेंड्स फॉरेवर से मिली थी। इस शो में अभिनेत्री ने एला की भूमिका निभाकर तारीफें बटोरी थीं। चार्ली ने करियर की शुरुआत रियलिटी शो रोडीस 7 से की थी। चार्ली शो नच बलिए और कैसी ये यारियां में भी नजर आ चुकी हैं।

क्या सिंघम अगेन में नजर आएंगे सलमान?

हाल ही में फिल्म के निर्देशक रोहित शेट्टी ने अपनी आगामी कॉप यूनिवर्स की फिल्म सिंघम अगेन का एक वीडियो साझा किया था, जिसके बाद से ही सिंघम फ्रेंचाइजी के प्रशंसक यह उम्मीद कर रहे हैं, जिस हीरो की एंट्री के बारे में रोहित शेट्टी वीडियो में बात करते नजर आ रहे हैं वह कहीं दबंग के चुलबुल पांडे उर्फ सलमान खान तो नहीं हैं। अजय देवगन स्टारर सिंघम अगेन इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। यह इस दिवाली पर रिलीज हो रही है। इस बीच, कई तस्वीर और वीडियो ऑनलाइन सामने आए हैं, जिसने अफवाहों को हवा दे दी है कि सलमान खान फिल्म सिंघम अगेन में चुलबुल पांडे के रूप में कैमियो कर सकते हैं। प्रशंसक इस कैमियो के लिए उत्साहित हैं और अब यह तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। सलमान के एक ने एक्स हैंडल पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें एक में सलमान खान और दूसरे में अजय देवगन नजर आ रहे हैं। तस्वीर में सलमान खान और अजय देवगन को एक सीन में देख सकते हैं। हालांकि सलमान की सिघम अगेन में होने की जानकारी को अभीतक रोहित शेट्टी या फिर किसी भी फिल्म के निर्माता ने पुष्टि नहीं की है। दरअसल, रोहित शेट्टी ने हाल ही में एक वीडियो के जरिए फैंस को दिखाया कि इस बार उनकी कॉप यूनिवर्स की फ्रेंचाइजी में एक बड़े कलाकार की एंट्री का जिक्र किया है। रोहित शेट्टी के इस खास वीडियो के बाद अब सिंघम फ्रेंचाइजी के प्रशंसक यह कयास लगा रहे हैं इस बार रोहित शेट्टी की इस फिल्म में सलमान खान की एंट्री पक्का है। वैसे अभी तक कुछ भी ऑफिशियल नहीं किया गया है। रोहित शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें हम उन्हें एक कार का स्वागत करते हुए देख सकते हैं। अंदर कोई बैठा है लेकिन वह स्पष्ट नहीं है। कैप्शन में लिखा है, इस हीरो के बिना सिंघम अधूरा है...इस दिवाली स्कॉर्पियो आएगी भी, घूमेगी भी, लेकिन एंट्री किसी और की होगी... अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म सिंघम अगेन इस साल दिवाली पर सिनेमाघरों में आएगी।

गानों को आपत्तिजनक बताने पर हनी सिंह ने तोड़ी चुप्पी

हनी सिंह एक मशहूर भारतीय रैपर और गायक हैं। उनके गानों को लेकर अक्सर उन पर सवाल उठाए जाते हैं, जिसे लेकर अब उन्होंने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि सिर्फ उन पर ही सवाल क्यों उठाए जाते हैं, जबकि इस तरह के गाने हमेशा से बनते रहे हैं। यो यो हनी सिंह देश के मशहूर रैपर-गायक हैं। उन्होंने कई शानदार पंजाबी गाने बनाए हैं। उन्हें पंजाबी संगीत में क्रांति लाने वाले कुछ चुनिंदा कलाकारों में से एक माना जाता है। हालांकि, उनके गानें कई बार विवादित भी रहे हैं। इस वजह से उनपर कई गंभीर आरोप भी लगे हैं, जिनमें उनके गानों को आपत्तिजनक और महिलाओं के प्रति नफरती भी बताया गया है। हाल में ही रैपर ने इस पर इंटरव्यू के दौरान बात की है। इस दौरान उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा कि ऐसा करने वाले अन्य लोगों से कभी सवाल क्यों नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि सिर्फ उन्हें ही एक आसान लक्ष्य के रूप में क्यों देखा जाता है?

सिर्फ मैं ही क्यों गलत

हनी सिंह ने कहा, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन मुझे लगता है कि मुझे इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने इसमें जोड़ते हुए कहा कि दिग्गज गीतकार गुलजार ने लिखा था, बीड़ी जलाईले जिगर से पिया, जिगर में बड़ी आग है। उन्होंने कहा कि महिला का जिगर कहां होता है? उन्होंने कहा कि लोगों को इससे कोई आपत्ति क्यों नहीं होती है। इसके अलावा उन्होंने एक और गाने का जिक्र करते हुए कहा, जुबान पे लगा नमक इश्क का, इस गाने में महिला का इस तरह का चित्रण क्यों हो रहा है। उन्होंने कहा कि वह यह सब सुनकर बड़े हुए हैं। इस पर उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा, फिर मैं ही क्यों गलत हूं?

अब चुप नहीं बैठेंगे हनी सिंह

मशहूर रैपर-गायक ने आगे कहा कि उन्होंने इन आरोपों पर कभी बात नहीं की, इसलिए लोगों को लगा कि वे आसान शिकार हैं। हालांकि, अब वे चुप नहीं रहेंगे। इस दौरान उनसे महिलाओं को वस्तु के रूप में पेश करने वाले उनके गीतों के बारे में पूछा गया, तो हनी ने कहा, ऐसे थोड़ी न होता है। उन्होंने कहा कि पहले भी इसी तरह के गाने थे, लेकिन वे लोगों को ठीक लगते थे। हनी ने कहा कि लोग चोली के पीछे क्या है, जैसे विवादास्पद गानों के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हनी सिंह को ही क्यों गाली दी जाती है और उनको आप लीजेंड बोलते हो? मैं भी बोलता हूं। हम दोहरी शख्सियत लेकर चल रहे हैं आज के दौर में।

नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी हनी सिंह की डॉक्यूमेंट्री

बताते चलें कि यो यो हनी सिंह ने अपने शानदार करियर में कुछ बेहद सफल चार्टबस्टर गाने दिए हैं, जिनमें अंग्रेजी बीट, पार्टी ऑल नाइट, लुंगी डांस, ब्लू आइज़, सनी सनी, चार बोतल वोडका, आटा माझी सटकली, यार ना मिली, देसी कलाकार, ब्लू आइज जैसे गाने शामिल हैं। अपने करियर की उंचाई के दौरान वह नशा और अपनी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण रैपर लंबे समय तक मनोरंजन जगत से दूर रहे थे। हालांकि, अब एक बार फिर वह सक्रिय हो चुके हैं।

बच्चे पैदा करने से डरती हैं तमन्ना!

तमन्ना भाटिया इन दिनों श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फिल्म 'स्त्री 2' में 'आज की रात' गीत की सफलता के चलते खूब सुर्खियों में बनी हैं। हाल ही में उन्होंने एक साक्षात्कार में अपने निजी जीवन के बारे में चर्चा की। इस दौरान अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह बच्चे पैदा करने से क्यों डरती हैं? तमन्ना ने कहा, 'मेरे माता-पिता ने मुझे इस हद तक प्यार करके मेरे लिए सब कुछ बिगाड़ दिया है कि मैं वास्तव में बच्चे पैदा करने से डरती हूं।' अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं किसी को इतना प्यार, देखभाल और पोषण कैसे कर पाऊंगी कि वह वास्तव में एक अलग स्तर पर खिल सके? अभिनेत्री ने इस दौरान रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा की।

ऋषभ पंत, लोकेश राहुल और शुभमन गिल को दलीप ट्रॉफी के दूसरे दौर से आराम

अनंतपुर (एजेंसी)। ऋषभ पंत, लोकेश राहुल और शुभमन गिल सहित बांग्लादेश के खिलाफपहले क्रिकेट टेस्ट के लिए टीम में चुने गए अधिकतर खिलाड़ियों को 12 सितंबर से दलीप ट्रॉफी के दूसरे दौर से मंगलवार को आराम दिया गया। रविवार को टीम में आकाश दीप, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल को जगह दी गई थी। इन सभी को दूसरे दौर में खेलने से छूट दी गई है। तेज गेंदबाज यश दयाल और सरफराज खान को हालांकि दलीप ट्रॉफी से नहीं बाहर किया गया है, जिससे संकेत मिलते हैं कि वे बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय एकादश का हिस्सा नहीं बनने वाले है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा, 'चयनकर्ताओं ने गिल के विकल्प के तौर पर प्रथम सिंह (रेलवे), लोकेश राहुल के विकल्प के तौर पर अक्षय वाडकर (विदर्भ) और जुरेल के विकल्प के तौर पर एसके रशीद (आंध्र) को चुना है। बीसीसीआई के अनुसार, स्पिनर शम्स मुलानी टीम में कुलदीप की जगह, जबकि आकाश की जगह आकिब खान (उत्तर प्रदेश) को चुना गया है।

गिल की जगह मयंक अग्रवाल को भारत 'ए टीम का कप्तान बनाया गया है। जायसवाल और पंत के विकल्प के तौर पर चयनकर्ताओं ने सुयश प्रभुदेसाई और रिंकू सिंह को चुना है। भारत 'डी टीम में अक्षर के स्थान पर निशांत संधू को जगह मिली है। तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे हल्की चोट के कारण बाहर हो गए हैं। रुतुराज गायकवाड़ की अगुआई वाली भारत 'सी टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिसंबर 2022 के बाद पहली बार लाल गेंद का क्रिकेट खेलते हुए पंत ने दलीप ट्रॉफी के पहले मैच में प्रभावित किया था। लोकेश राहुल और आकाश दीप ने भी अच्छा प्रदर्शन किया।

अपडेट टीम इस प्रकार हैं :

भारत ए : मयंक अग्रवाल (कप्तान), रियान पराग, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, तनुश कोटियान, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, आवेश खान, कुमार कुशाग्र, शाश्वत रावत, प्रथम सिंह, अक्षय वाडकर, एसके रशीद, शम्स मुलानी और आकिब खान।

भारत बी : अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), सरफराज खान, मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, मोहित अवस्थी, एन जगदीशन, सुयश प्रभुदेसाई, रिंकू सिंह और हिमांशु मंत्री।

भारत डी : श्रेयस अय्यर (कप्तान), अथर्व

ताइडे, यश दुबे, देवदत्त पडिक्कल, रिकी भुई, सारांश जैन, अर्शदीप सिंह, आदित्य ठाकरे, हर्षित राणा, आकाश सेनगुप्ता, केएस भरत, सौरभ कुमार, संजू सैमसन, निशांत संधू और विद्वथ कावेरप्पा।

राइट-आर्म मीडियम नहीं, ना राइट-आर्म फास्ट यह गलत है: बुमराह

नई दिल्ली (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह तेज गेंदबाज के लिए छोटा रन-अप एक सख्त हाथ की गेंदबाजी एक्शन के साथ खत्म होता है जिसे कोचिंग मैनुअल कभी स्वीकार नहीं कर सकता लेकिन बुमराह ने न केवल उस अजीबोगरीब एक्शन के साथ प्रदर्शन किया है, बल्कि दुनिया भर के बल्लेबाजों के लिए खतरा भी बन गए। मुंबई इंडियंस के लिए 2013 आईपीएल के साथ बड़े मंच पर अपनी मौजूदगी के बाद से इस गेंदबाज ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

सोशल मीडिया पर एक दिलचस्प वीडियो सामने आया है, जो मुंबई इंडियंस के साथ उनके डेब्यू साल का है, जिसमें एक युवा बुमराह के बारे में प्रकाशित एक स्टोरी में उन्हें राइट आर्म मीडियम कहे जाने पर बुमराह ने आपत्ति जताते नजर आ रहा है। उन्हें किसी से यह कहते सुना जा सकता है, यह गलत लिखा है। राइट-आर्म मीडियम नहीं है ना, राइट-आर्म फास्ट है।

आईपीएल में अपना जलवा दिखाने के तीन साल बाद बुमराह ने जनवरी 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में भारत के लिए खेला था। इसके तीन दिन बाद उन्होंने टी20आई में पदार्पण किया और जनवरी 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में पहली बार टेस्ट जर्सी पहनी और खेला। बुमराह ने अब तक भारत के लिए 36 टेस्ट में 159 विकेट, 89 वनडे में 149 विकेट और 70 टी20आई में 89 विकेट ले चुके हैं।

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर की भविष्यवाणी, कहा- बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में विराट कोहली लगा सकते हैं डबल सेंचुरी

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को लेकर भविष्यवाणी की है। दरअसल, इसी महीने 19 सितंबर से भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। जिसके बाद वे न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में उतरेंगी। इन्हीं दो सीरीजों से पहले बासित अली ने कहा कि विराट कोहली बांग्लादेश के खिलाफ शतक नहीं, बल्कि डबल सेंचुरी लगाएंगे।

बता दें कि, इससे पहले विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं खेले थे, क्योंकि उस दौरान उनके बेटे का जन्म होना था। बासित अली को विश्वास है कि विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट में दमदार कमबैक करेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले टेस्ट मैचों में बड़े शतक उनसे देखने को मिल सकते हैं।

बासित ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड सीरीज में आप विराट से बड़ी शतकीय पारियां देखेंगे। सिर्फ 110 या 115 नहीं, आप उनसे 200 रन की पारी भी देख सकते हैं। विराट कोहली ने अब तक टेस्ट क्रिकेट में 7 दोहरे शतक जड़े हैं। विराट कोहली हैं कि शशतक को कैसे बड़े शतक में तब्दील किया जाता है। यही कारण है कि बासित अली ने उनका समर्थन किया है।

बांग्लादेश के नाहिद राणा ने भारत के खिलाफ बनाया प्लान, टीम इंडिया को 6.2 फुट के लंबे गेंदबाज से रहना होगा सावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। 19 सितंबर से भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज होने जा रहा है। इस सीरीज में नदीम राणा का अहम रोल रहने वाला है। दरअसल, पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा का रोल बहुत अहम रहा था। बांग्लादेश ने पाकिस्तानी के खिलाफ 2-0 से क्लीनस्वीप किया था और नाहिद राणा ने इस सीरीज में 6 विकेट अपने नाम किए थे। वहीं नाहीद राणा अब भारत के खिलाफ प्लान बना रहे हैं। जिससे टीम इंडिया के बल्लेबाजों को उनसे निपटना बड़ी चुनौती होगी।

21 सास का ये गेंदबाज 6.2 इंच लंबा है और लगातार करीब 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेदंबाजी करने में सक्षम है। बांग्लादेश क्रिकेट ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है, इमें राणा ने कहा कि, निश्चित रूप से हम भारत के खिलाफ सीरीज के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। हमने प्रैक्टिस शुरू कर दी है। हम जितनी ज्यादा प्रैक्टिस करेंगे उतना अधिक हम मैच के लिए तैयार रहेंगे। उन्होंने कहा कि, भारत की टीम बहुत अच्छी है लेकिन जो टीम अच्छा खेल

दिखाएगी उसे जीत मिलेगी। राणा ने इस साल मार्च में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था और इस मैच में उन्होंने 150 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार निकाल कर लोगों को ध्या खींचा था। पाकिस्तान के खिलाफ भी उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। वहीं राणा ने कहा कि, पाकिस्तान दौरे पर जाने से पहले मैंने कहा था कि मैं अपने देश के लिए कुछ हासिल करना चाहता हूं और मुझे खुशी है कि मुझसे जो उम्मीद की गई थी उस पर मैं खरा उतरा हूं। फिलहाल, भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर को चेन्नई में खेला जाएगा। जहां कि पिच से उछाल मिलने की उम्मीद है।

13 सितंबर से शुरु होगा आईएसएल फुटबॉल

मुंबई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) ने 2024-25 सत्र के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। ये फुटबॉल टूर्नामेंट 2024-25 सत्र 13 सितंबर से शुरु होगा। इसका पहला मुकाबला मोहन बागान और मुंबई सिटी एफसी के बीच होगा। इन दोनो ही टीमों के बीच पिछले सत्र में भी खिताबी मुकाबला हुआ था। आईएसएल के अनुसार इस नये सत्र में 84 मुकाबले होंगे। शुरुआती सप्ताहांत में 14 सितंबर को सत्र में पहली बार एक दिन में दो मुकाबले खेलें जाएंगे। इस दौरान चेन्नईयिन एफसी की ओडिशा एफसी के बीच एक मैच जबकि बेंगलुरू एफसी और ईस्ट बंगाल एफसी के बीच दूसरा मुकाबला होगा। वहीं दूसरे दिन केरल ब्लास्टर्स एफसी की टीम पंजाब एफसी का सामना करेगी। हैदराबाद एफसी की टीम अपना पहला मैच बेंगलुरू एफसी के खिलाफ खेलेगी। आईएसएल के इस सत्र में 13 टीम हिस्सा लेंगी। इसमें आईलीग चैंपियन मोहम्मडन स्पोर्टिंग भी रहेगी। स्पोर्टिंग अपना पहला मुकाबला 16 सितंबर को नॉर्थईस्ट यूनाईटेड एफसी से खेलेगी। स्पोर्टिंग के आने से अब बंगाल की तीन टीमें इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने का प्रयास करेंगी। इसमें मोहन बागान और ईस्ट पहले से ही खेलती रही हैं। इसमें मोहन बागान और मोहम्मडन स्पोर्टिंग के बीच पांच अक्टूबर को मुकाबला होगा जबकि ईस्ट बंगाल और मोहन बागान की टीमें 19 अक्टूबर को आमने-सामने होंगी।

रणजी ट्राफी में मिसाल कायम करने वाले 19 साल के मुशीर जा सकते हैं ऑस्ट्रेलिया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को इस साल आखिर में ऑस्ट्रेलिया खेलने जाना है। टीम इंडिया के साथ ही भारतीय ए-टीम भी इस दौरे पर जाएगी। ऑस्ट्रेलिया ए-टीम के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए 19 साल के मुशीर खान को इस टीम में जगह मिल सकती है। भारत-ए के ऑस्ट्रेलिया के दौरे के लिए यह बल्लेबाज तैयार है, जिसमें चार दिवसीय तीन टेस्ट होंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जाने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का इंतजार हर एक फैन को है। पांच टेस्ट मैचों की सीरीज की शुरुआत 22 नवंबर से होने जा रही है। इस दौरे पर भारत की सीनियर टीम के साथ भारत-ए की टीम भी जाएगी। इस टीम में उन खिलाड़ियों को मौका दिया जाता है जो घरेलू क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं को प्रभावित करते हैं। भारतीय टीम के खिलाड़ियों के चोटिल होने की स्थिति में भारत-ए टीम से खिलाड़ियों को चुना जाता है।

भारत-बांग्लादेश टेस्ट सीरीज : अनुभव के आधार पर राहुल प्लेइंग इलेवन में

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज में बल्लेबाज केएल राहुल को टीम में जगह मिल गई है। इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में सरफराज खान के शानदार प्रदर्शन ने सभी को प्रभावित किया लेकिन बांग्लादेश

के खिलाफ प्लेइंग इलेवन में उन्हें जगह नहीं मिली। केएल राहुल का अनुभव उन्हें फायदा दिलाएगा। टीम प्रबंधन और चयन समिति का पूरा ध्यान नवंबर-दिसंबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है और राहुल को 50 टेस्ट मैचों का अनुभव है। टीम प्रबंधन के लिए सरफराज की निडरता और टेस्ट कप्तान रहे एक अनुभवी खिलाड़ी के बीच चयन है जो एक दशक से राष्ट्रीय टीम का हिस्सा है। बीसीसीआई सूत्र ने नाम ना बताने की शर्त पर कहा कि बाहर के लोगों को यह समझ में नहीं आता कि टीम कैसे काम करती है और किस तरह की व्यवस्था होती है। केएल राहुल ने अपने पिछले तीन टेस्ट मैच दक्षिण अफ्रीका में शतक बनाया जो हाल के समय में सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारियों में से हैं और चोट लगने से पहले हैदराबाद में अपने पिछले टेस्ट में 86 रन बनाए। घरेलू क्रिकेट के स्टार खिलाड़ी सरफराज ने इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में अपने पहले मैच में दो अर्धशतक और धर्मशाला में अर्धशतक लगाकर शानदान शुरुआत की थी। उन्होंने तेज और धीमे दोनों गेंदबाजों को धुना था। सूत्र ने कहा कि सरफराज ने सब कुछ सही किया है लेकिन कोई भी खिलाड़ी चोटिल होता है तो उन्हें खिलाया जाएगा। राहुल के पास अनुभव है। टीम प्रबंधन सिर्फ बांग्लादेश को ही नहीं देख रहा है बल्कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज पर भी ध्यान दे रहा है, जहां पिछला अनुभव मायने रखता है।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी: जीत का सिलसिला जारी रखने उतरेगा भारत

हुलुनबुइर (चीन) (एजेंसी)। पहले दो मैच में जीत से उत्साहित गत चैंपियन भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट में बुधवार को यहां मलेशिया के खिलाफ होने वाले मैच में जीत का अपना सिलसिला जारी रखने के लिए उतरेगी। भारतीय टीम ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम ने कांस्य पदक जीता था लेकिन तब मैदानी गोल नहीं कर पाना उसके लिए चिंता का विषय बना हुआ था। प्रतियोगिता में भारत ने 15 गोल किए थे लेकिन इनमें केवल तीन मैदानी गोल शामिल हैं। वर्तमान टूर्नामेंट में हालांकि उसके युवा स्ट्राइकरों ने उसकी इस चिंता को कुछ हद तक कम किया है।

ओलंपिक के बाद संन्यास लेने वाले गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने भी इस क्षेत्र में सुधार करने की जरूरत पर जोर दिया था। उन्होंने कहा था, 'अगर हमें भारतीय हॉकी टीम को अगले स्तर पर पहुंचाना है और ओलंपिक

में लगातार पदक जीतने हैं तो हमें अधिक मैदानी गोल करने होंगे क्योंकि हमारी रक्षापंक्ति की भी अपनी सीमाएं हैं।' भारतीय रक्षापंक्ति लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उसने ओलंपिक में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने में अहम भूमिका निभाई और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भी उसने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

भारत ने पहले मैच में मेजबान चीन को 3-0 से हराकर खिताब का बचाव करने के अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी। उसने अपने अगले मैच में जापान को 5-1 से हराया था। भारत ने अभी तक जो आठ गोल किए हैं, उनमें सात मैदानी गोल शामिल है जबकि युवा ड्रैग-फ्लिकर संजय ने जापान के खिलाफ पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला था। पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम का हिस्सा रहे युवा स्ट्राइकर सुखजीत सिंह ने अभी तक तीन मैदानी गोल किए हैं जबकि अभिषेक और उत्तम सिंह ने दो-दो मैदानी गोल किए हैं।

वर्तमान फॉर्म को देखते हुए भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में जीत की प्रबल दावेदार है। वह इससे पहले चार बार चैंपियन रह चुकी है। दूसरी तरफ मलेशिया का प्रदर्शन अभी तक अच्छा नहीं रहा है। उसे एक मैच में हार का सामना करना पड़ा जबकि एक अन्य मैच उसने ड्रॉ खेला। भारत ने हालांकि नए ओलंपिक चक्र की शुरुआत की है और ऐसे में वह किसी भी टीम को हल्के से लेने की गलती नहीं करेगा। छह टीमों के राउंड रोबिन मैच के बाद चोटी पर रहने वाली चार टीम सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी जो 16 सितंबर को खेले जाएंगे। फाइनल 17 सितंबर को होगा।

यूएस ओपन विजेता यानिक सिनर एटीपी रैंकिंग में टॉप 10 में पहुंचे

न्यूयॉर्क । अमेरिकी ओपन के पुरुष चैम्पियन यानिक सिनर ने सोमवार को जारी एटीपी रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर अपनी बढ़त दोगुनी करने में सफल रहे जबकि उपविजेता टेलर फ्रिट्ज शीर्ष 10 में और महिला उप विजेता जेसिका पेगुला डब्ल्यूटीए रैंकिंग में तीसरे नंबर पर पहुंची। पुरुष चैंपियन सिनर ने एटीपी रैंकिंग में जून पर शीर्ष पर पहुंचे थे। उन्होंन फ्रिट्ज को 6-3, 6-4, 7-5 से हराकर अमेरिकी ओपन खिताब जीता। फ्रिट्ज सातवें नंबर से शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रहे। वहीं, महिला चैंपियन आर्यना सबालेंका डब्ल्यूटीए रैंकिंग में इगा स्वियातेक के पीछे दूसरे नंबर पर रहीं। शनिवार को सबालेंका ने फाइनल में पेगुला पर 7-5, 7-5 की जीत दर्ज की थी। पिछले साल अमेरिकी ओपन में कोको गॉफ से हारकर उपविजेता रहने के बाद सबालेंका ने कुछ समय के लिए स्वियातेक को नंबर एक स्थान से हटा दिया था। सबालेंका ने 2024 में दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं, उन्होंने जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता था। नोवाक जोकोविच तीसरे राउंड में एलेक्सी पोपिरिन से पराजित होने के बाद रैंकिंग में दूसरे स्थान से चौथे स्थान पर खिसक गए। अलेक्जेंडर ज्वेरेव दूसरे नंबर पर और उनके बाद कार्लोस अल्काराज तीसरे स्थान पर हैं। डेनियल मेदवेदेव पांचवें और एंड्री रूबलेव छठे स्थान पर बने हुए हैं।

भारतीय टीम के खिलाफ खेलना हमेशा ही चुनौतीपूर्ण : हेजलवुड

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ खेलना हमेशा ही चुनौतीपूर्ण होता है। हेजलवुड के अनुसार इस बार उनकी टीम ट्रॉफी अपने पास लाने का पूरा प्रयास करेगी। पिछले एक दशक में ये ट्रॉफी भारतीय टीम के पास रही है। हेजलवुड के अनुसार भारत के खिलाफ खेलना हमेशा एक बड़ी चुनौती होती है क्योंकि वे यहां की परिस्थितियों के इतने आदी हैं कि उन्हें यह पसंद है। उनके शीर्ष छह या सात खिलाड़ अविश्वसनीय हैं। मैंने अपनी पहली सीरीज में उनके खिलाफ खेला, जाहिर है और हमने जीत हासिल की, शायद वह आखिरी बार था जब हम जीते थे। बहुत से वही खिलाड़ी अभी भी खेल रहे हैं, मुझे लगता है कि मैंने विराट को उस गेम में हराया था। उन्होंने कहा, तो हमारे बहुत से खिलाड़ी, मुझे लगता है, भारत को टेस्ट सीरीज में नहीं हरा पाए हैं।

वहीं अनुभवी बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने कहा है कि भारतीय टीम को क्रिकेट के किसी भी प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया को हराने में काफी खुशी मिलती है जबकि पिछले कुछ वर्षों में दोनो के बीच प्रतिद्वंद्विता और भी बढ़ गई है।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया में 2018/19 और 2020/21 में हुई पिछली दो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में 2-1 से जीत हासिल की है। भारतय टीम 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होने वाले पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया में जीत की हैट्रिक बनाने का लक्ष्य रखेगी, इसके बाद एडिलेड, ब्रिसबेन, मेलबर्न और सिडनी में खेल होंगे। ख्वाजा ने कहा, हम पिछले दो सालों से दुनिया की नंबर एक और नंबर दो टीमें हैं। हम पिछली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में एक साथ थे। प्रतिद्वंद्विता हमेशा से बहुत बड़ी रही है। मैं इसे सम्मान के संकेत के रूप में लेता हूं और मुझे पता है कि भारतीयों को क्रिकेट के किसी भी रूप में ऑस्ट्रेलिया को हराना बहुत पसंद है।

वहीं तेज गेंदबाज़ ऑलराउंडर मिशेल मार्श का मानना है कि इस सीरीज से टेस्ट प्रारुप को को आगे बढ़ाने का अवसर

मिलेगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह केवल क्रिकेट है जो दोनों टीमों के बीच खेला गया है। अगर आप इतिहास, हाल के इतिहास को देखें, तो हमने चीजें जीती हैं, उन्होंने चीजें जीती हैं। इस प्रकार देखा जाये तो दोनो के बीच एक अच्छी प्रतिस्पर्धा है।

नेशंस लीग : एमबापे के बिना भी जीता फ्रांस, बेल्जियम को 2-0 से हराया

जिनेवा - स्टार फॉरवर्ड किलियन एमबापे को विश्राम दिए जाने के बावजूद फ्रांस ने नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में बेल्जियम को 2-0 से हराया। एमबापे के पेरिस सेंट जर्मेन के दो पूर्व साथियों रैंडल कोलो मुआनी और ओस्मान डेम्बेले ने फ्रांस की तरफ से गोल किए। फ्रांस अपने पिछले मैच में शुक्रवार को इटली से 3-1 से हार गया था लेकिन बेल्जियम के खिलाफ जीत से उसने टूर्नामेंट में आगे बढ़ने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। इटली ने सोमवार को इज़राइल को 2-1 से हराया और वह चार टीमों के ग्रुप में शीर्ष पर है। इस बीच अर्लिंग हॉलैंड के 80वें मिनट में किए गए निर्णायक गोल की मदद से नॉर्वे ने ऑस्ट्रिया पर 2-1 से जीत दर्ज की। एक अन्य मैच में स्लोवेनिया के स्टार बेंजामिन सेस्को ने कजाकिस्तान पर 3-0 की जीत में हैट्रिक बनाई।

हम एक-दूसरे के साथ काफी अच्छे... विराट कोहली के साथ दोस्ती पर खुलकर बोले स्टीव स्मिथ

मुम्बई (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज होगा। लेकिन उससे पहले ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने विराट कोहली के साथ अपनी दोस्ती को लेकर बयान दिया है। दरअसल, स्मिथ ने कहा कि उनकी कोहली के साथ उनकी अच्छी बनती है। दोनों एक-दूसरे को मैसेज करते रहते हैं। बता दें कि, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी।

स्टीव स्मिथ और भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली फैब फोर का हिस्सा हैं। इसमें इंग्लैंड के जो रूट और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन भी शामिल हैं।

स्टीव स्मिथ ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा कि, हम एक-दूसरे के साथ काफी अच्छे से पेश आते हैं। हम समय-समय पर एक-दूसरे को मैसेज करते हैं। वह शानदार इंसान होने के साथ-साथ एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। ऐसे में इस गर्मी में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में फिर से उनके खिलाफ खेलना अच्छा रहेगा। स्मिथ का कहना है कि कोहली का सोचने और खेलने का तरीका ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों जैसा ही है। उन्होंने कोहली को अपने विचारों और एक्शन में ऑस्ट्रेलियाई करार दिया।

स्मिथ ने आगे कहा कि, मेरा मानना है कि विराट कोहली विचारों और एक्शन में ऑस्ट्रेलियाई हैं। जिस तरह से वह मैच में उतरते हैं जिस तरह से वह चुनौती का सामना करते हैं और विपक्ष टीम पर हावी होने की कोशिश करते हैं, वो कमाल है। वह शायद भारतीय खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा ऑस्ट्रेलियाई हैं। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 13 टेस्ट मैचों में 54.08 की औसत से 1252 रन बनाए हैं, जिसमें 6 शतक शामिल हैं। स्मिथ ने कहा कि उनकी कोहली के संग कोई पर्सनल राइवलरी नहीं है और वह हमेशा ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि, इसमें कोई सच्चाई नहीं कि मुझे उन्हें पछाड़ना है या ऐसा कुछ भी करना है।

अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी पर घिरे बाइडन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अगस्त, 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी का मुद्दा एक बार फिर से गरमा गया है। लंबे समय से जिस रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा था, उसे अब रिपब्लिकन सांसदों ने अमेरिकी संसद की निचली सदन में पेश कर दिया है। विपक्षी सांसदों ने रिपोर्ट जारी कर डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जो बाइडन की जमकर आलोचना की।

गैर-लड़ाकों को देरी से निकालने का लिया फैसला बता दें, अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी बेहद अफरा-तफरी में हुई थी। उस दौरान तालिबान ने वहां कब्जा जमा लिया था। अफगानिस्तान से अपनी वापसी को लेकर बाइडन प्रशासन को बार-बार आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। अब रिपब्लिकन ने रिपोर्ट में तर्क दिया है कि प्रशासन ने गैर-लड़ाकों को निकालने का फैसला बहुत देर से लिया, औपचारिक रूप से इसका आदेश 16 अगस्त को दिया था। यहां तक कि अमेरिका और अफगानिस्तान के अधिकारियों के बीच बातचीत करने में तक नाकामयाब रहा। वहीं, देश छोड़ने के योग्य अफगान नागरिकों के प्रस्थान के लिए कागजी कार्रवाई में गड़बड़ी की गई।

तीन साल जांच करने बाद रिपोर्ट : यह रिपोर्ट एक शीर्ष हाउस रिपब्लिकन और हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के अध्यक्ष माइकल मैककॉल के नेतृत्व में तीन साल तक की गई जांच का नतीजा है। इसमें कहा गया कि विश्व मंच पर अमेरिका की विश्वसनीयता को तब भारी नुकसान पहुंचा, जब हमने अफगान सहयोगियों को तालिबान के प्रतिशोध में हत्याओं के लिए छोड़ दिया। जबकि हमने अफगानिस्तान के लोगों की रक्षा का वादा किया था। इतना ही नहीं रिपोर्ट में बाइडन प्रशासन पर बड़ा आरोप लगाया गया है। कहा गया कि अमेरिका के दिग्गजों और अभी भी सेवा करने वालों को नैतिक चोट इस प्रशासन की विरासत पर एक दाग बनी हुई है।

पांच नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव : गौरतलब, अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। डेमोक्रेटिक की ओर से उम्मीदवार कमला हैरिस हैं, जबकि रिपब्लिकन की ओर से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मैदान में उतारा गया है। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि बाइडन पहले डेमोक्रेट्स की ओर से चुनाव लड़ने वाले थे, लेकिन लगातार हो रहे विरोध के चलते उन्होंने अपने कदम पीछे ले लिए थे। उसके बाद से ही सियासत का पारा चरम पर है।

ट्रंप करते रहे हैं हमला : पिछले महीने रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रंप निकासी के दौरान मारे गए सैनिकों के सम्मान में एक समारोह में दिखाई दिए थे। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान भी अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना को वापस बुलाने पर राष्ट्रपति बाइडन और उपराष्ट्रपति हैरिस पर हमला बोला। साथ हीकाबुल हवाईअड्डे के एबी गेट पर हुई मौतों के लिए इन लोगों को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया।

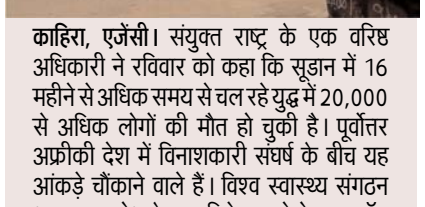

अमेरिकी सेना की वापसी के बाद तालिबान ने किया था कब्जा 2015 में तालिबान ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण कुंडूज के इलाके पर कब्जा कर फिर से वापसी के संकेत दे दिए। ये ऐसा वक्त था जब अमेरिका में सेनाओं की वापसी की मांग जोर पकड़ रही थी।. अफगानिस्तान से अमेरिका की रूचि कम होती गई और तालिबान मजबूत होता गया। इसी के साथ पाकिस्तानी आतंकी संगठनों, पाकिस्तान की सेना और आईएसआई की खुफिया मदद से पाक सीमा से सटे इलाकों में तालिबान ने अपना बेस मजबूत किया। अमेरिका से लौटने की अपनी कोशिशों के तहत 2020 में अमेरिका ने तालिबान से शांति वार्ता शुरू की और दोहा में कई राउंड की बातचीत भी हुई। एक तरफ तालिबान ने सीधे वार्ता का रास्ता पकड़ा तो दूसरी ओर बड़े शहरों और सैन्य बेस पर हमले की बजाय छोटे-छोटे इलाकों पर कब्जे की रणनीति पर काम करना शुरू किया और आज इसका नतीजा सबके सामने है।

गोलीबारी के बाद इजरायल और जॉर्डन सीमा की चौकियां बंद

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल ने रविवार को घोषणा की कि उसने जॉर्डन के साथ अपनी सभी तीन सीमा चौकियों को बंद कर दिया है। क्योंकि एक सीमा चौकी पर सुबह कथित तौर पर तीन इजरायली सुरक्षा गार्डों की हत्या कर दी गई थी। इससे पहले रविवार को, इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि एक ड्राइवर एक ट्रक में जॉर्डन की ओर से जॉर्डन और कब्जे वाले वेस्ट बैंक के बीच एक सीमा बिंदु एलएनबी ब्रिज के पास आया। वह अपने वाहन से बाहर निकला और इजरायली सुरक्षा गार्डों पर गोलियां चला दीं। इससे तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। आईडीएफ ने कहा, हमलावर को इजरायली बलों ने मार गिराया। इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी ने बताया कि प्रारंभिक संकेतों से पता चलता है कि बंदूकधारी जॉर्डन का नागरिक था। गोलीबारी के बाद, इजरायल एयरपोर्ट अथॉरिटी ने एक बयान में कहा कि उसने एलएनबी ब्रिज को बंद कर दिया है, जिसे जॉर्डन में आधिकारिक तौर पर किंग हुसैन ब्रिज के रूप में भी जाना जाता है। साथ ही इजराइल के लाल सागर रिसॉर्ट शहर ईलाट और जॉर्डन के अकाबा के बीच वाडी अरबा क्रॉसिंग या यित्ज़ाक राबिन क्रॉसिंग और इजरायल के बेत शीआन व जॉर्डन के इरबिद के बीच जॉर्डन रिवर क्रॉसिंग या शेख हुसैन ब्रिज को भी बंद कर दिया है। समाचार एजेंसी शन्हिुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बंद करने का काम सुरक्षा अधिकारियों के निर्देशों के बाद किया गया। क्रॉसिंग को फिर से खोलने का समय नहीं बताया गया है। इसके अलावा रविवार को, जॉर्डन के सार्वजनिक सुरक्षा निदेशालय ने दूसरी ओर से शटडाउन के कारण अगली सूचना तक वेस्ट बैंक के साथ किंग हुसैन ब्रिज को बंद करने की घोषणा की। जॉर्डन की सरकारी पेट्रा समाचार एजेंसी ने निदेशालय के हवाले से कहा कि ब्रिज का यूज करने वाले लोगों को इसका पालन करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

सूखे की चपेट में पोलैंड, सबसे लंबी नदी का जलस्तर रिकॉर्ड सबसे निचले स्तर पर पहुंचा

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड में सूखे के हालात गंभीर होते जा रहे हैं। राष्ट्रीय मौसम एजेंसी ने बताया है कि पोलैंड की सबसे लंबी नदी विस्तुला रविवार को लगभग सूख गई है। सूखे के कारण राजधानी में इसका जलस्तर रिकॉर्ड निम्न जल स्तर पर पहुंच गया है। इतना कम जलस्तर इस नदी में कभी भी नहीं देखा गया। ढ्रस्न्नङ्ख मौसम संस्थान के मुताबिक, वारसॉ के एक मापक स्टेशन पर इसका स्तर 25 सेंटीमीटर (10 इंच) तक गिर गया। यह पिछले रिकॉर्ड से एक सेंटीमीटर अधिक है। संस्थान ने एक्स पर कहा कि यह 2015 से भी बदतर है। पानी का कम होना जारी है। नदी का जलस्तर घटता ही जा रहा है। जल विज्ञानी ग्रेजगोरज वालिजेव्स्की ने पिछले सप्ताह बताया कि पोलैंड की अधिकांश नदियां सूख रही हैं। सब पर सूखे की मार पड़ रही है। हम पोलैंड में कुछ समय से सूखे से जूझ रहे हैं। 2015 से लगातार सूखा पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन इसके लिए जिम्मेदार है। बर्फबारी कम हो रही है। सर्दी का मौसम भी हल्का ही पड़ रहा है। कम दिनों की बारिश और उच्च तापमान के कारण जल स्तर नीचे जाता जा रहा है। विस्तुला नदी 1,000 किलोमीटर (621 मील) से अधिक लम्बी नदी है। यह यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में सबसे लम्बी नदी है। यह देश को दो भागों में विभाजित करती है और बाल्टिक सागर में गिरती है।

पाकिस्तान में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर शिक्षा आपातकाल की घोषणा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने रविवार को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर देश में स्कूलों से वंचित 2.60 करोड़ बच्चों को शिक्षित करने के इरादे से 'शिक्षा आपातकाल की घोषणा की। सरकारी एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान की खबर के मुताबिक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस कदम की घोषणा की और निजी क्षेत्र तथा नागरिक संगठनों से सरकार का सहयोग करने का आग्रह किया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) नेता शहबाज (72) ने शिक्षा एजेंडे को आगे बढ़ाने तथा सूचना के मामले में सबल एवं टिकाऊ राष्ट्र के लिए प्रयास करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, ''हमने पूरे देश में शैक्षिक आपातकाल घोषित कर दिया है, छात्रों के लिए नामांकन अभियान शुरू किया है और स्कूलों में बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन शुरू किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि साक्षरता एक मौलिक मानवीय और संवैधानिक अधिकार है जो हमारे देश के भविष्य की गारंटी देता है। उन्होंने कहा कि साक्षरता केवल पढ़ने और लिखने की क्षमता नहीं है, बल्कि यह ''सशक्तीकरण, आर्थिक अवसरों और समाज में सक्रिय भागीदारी का प्रवेश द्वार है। इससे पहले मई में भी शहबाज शरीफ ने शिक्षा आपातकाल की घोषणा की थी और स्कूल न जाने वाले लगभग 2.60 करोड़ बच्चों को दाखिला दिलाने का संकल्प लिया था। संयुक्त राष्ट्र के निकाय यूनेस्को ने रेखांकित किया है कि विकासशील देशों में चार में से तीन बच्चे 10 वर्ष की आयु तक बुनियादी पाठ्य सामग्री को पढ़ या समझ नहीं सकते हैं, तथा विश्वभर में अब भी 75.4 करोड़ वयस्क निरक्षर हैं, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं।

सूडान में जारी गृहयुद्ध में अब तक 20 हजार लोगों की मौत

काहिरा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि सूडान में 16 महीने से अधिक समय से चल रहे युद्ध में 20,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। पूर्वोत्तर अफ्रीकी देश में विनाशकारी संघर्ष के बीच यह आंकड़े चौंकाने वाले हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने सूडान के लाल सागर के शहर पोर्ट सूडान में एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। पोर्ट सूडान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त, सैन्य समर्थित सरकार की सीट के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि सूडान में जारी युद्ध में मृतकों की संख्या अधिक हो सकती है। टेड्रोस ने सूडान की अपनी दो दिवसीय यात्रा के समापन के अवसर पर यह बात कही। टेड्रोस ने कहा, ''सूडान संकट के एक भयंकर तूफान से जूझ रहा है। उन्होंने कहा, ''सूडान में आपातकाल जैसे हालात बेहद चौंकाने वाले हैं, तथा इस संघर्ष को रोकने के लिए की जा रही कार्रवाई भी अपर्याप्त है। पिछले वर्ष अप्रैल में सूडान में उस समय अराजकता फैल गई थी, जब सेना और एक शक्तिशाली अर्धसैनिक समूह, रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच बढ़ते तनाव ने पूरे देश में एक युद्ध का रूप ले लिया था।

केन्याई स्कूल में फिर लगी आग, दो दिन में तीसरी घटना

नैरोबी, एजेंसी। केन्या में फिर एक स्कूल में आग लगने की घटना सामने आ रही है। यहां एक स्कूल का छात्रावास रविवार को जलकर खाक हो गया। पुलिस ने बताया कि यह कुछ ही दिनों में तीसरी ऐसी घटना है। पुलिस के मुताबिक, मेरु के मध्य काउंटी में न्जिया बॉयज हाईस्कूल में एक छात्रावास में आग लगी। घटना उस समय हुई, जब जब छात्र भोजन कर रहे थे। गनीमत रही कि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बयान में कहा गया कि लगभग 150 छात्रों वाला भवन पूरी तरह जलकर खाक हो गया, आग ने सब कुछ जला दिया। फिलहाल नुकसान का आकलन किया जा रहा है। इससे पहले पिछले गुरुवार को न्येरी काउंटी में हिलसाइड एंडाराशा अकादमी में एक छात्रावास में आग लगने से 21 लड़के मारे गए थे। घटना उस वक्त हुई थी, जब वे सो रहे थे। वहीं, शनिवार को देश के मध्य में स्थित इसियोलो काउंटी में एक लड़कियों के हाईस्कूल में भी आग लग गई थी। एक स्थानीय अधिकारी ने बतायाय था कि घटना में कई लोग घायल हुए थे। हालांकि, पुलिस का कहना था कि कोई भी घायल नहीं हुआ। इस बीच राष्ट्रपति विलियम रूटो ने कहा कि जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

दक्षिण कोरिया में डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश बढ़ाने की योजना वापस लेने की मांग की

सियोल, एजेंसी। डॉक्टरों के एक प्रमुख समूह ने रविवार को मांग की कि सरकार 2025 और 2026 के लिए मेडिकल स्कूल प्रवेश कोटा बढ़ाने की अपनी योजना को रद्द करे और 2027 या उसके बाद के लिए संभावित कोटा समायोजन पर चर्चा करे। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कोरियाई मेडिकल एसोसिएशन (केएमए) के अधिकारियों ने यह कॉल तब की, जब सरकार ने पिछले हफ्ते कहा कि अगर डॉक्टरों का समुदाय उचित विकल्प प्रस्तुत करता है, तो वह 2026 के लिए योजना को संशोधित करने को तैयार है।

यूं सुक येओल प्रशासन ने डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए अगले पांच वर्षों में मेडिकल स्कूल प्रवेश कोटा प्रति वर्ष 2,000 सीटों तक बढ़ाने का संकल्?प ल?िया है और जून में अगले वर्ष के लिए लगभग 1,500 छात्रों के कोटा बढ़ोतरी को अंतिम रूप दिया है। अधिकांश प्रशिक्षु डॉक्टर फरवरी से हड़ताल पर हैं। इससे राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में गंभीर व्यवधान उत्पन्न हुआ है।

केएमए के एक अधिकारी ने कहा, सरकार को 2025 और 2026 के लिए मेडिकल स्कूल की सीटें बढ़ाने की योजना को रद्द करना चाहिए और 2027 या उसके बाद संभावित समायोजन पर चर्चा करनी चाहिए। यह सरकार और पार्टियों के साथ एक संयुक्त सलाहकार निकाय में शामिल होने के लिए हमारी पूर्व शर्त है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हमें उन्हें दोबारा अपना रुख बताने की जरूरत है,

क्योंकि हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारी वृद्धि बेतुकी है।

सरकार और सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी ने प्रतिद्वंद्वी दलों और चिकित्सा समुदाय को शामिल करते हुए एक संयुक्त सलाहकार निकाय की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा है। केएमए प्रमुख लिम ह्यून-ताएक ने शनिवार को एक ऑनलाइन पोस्ट में कहा कि सरकार और प्रतिद्वंद्वी दलों को मौजूदा चिकित्सा संकट को हल करने के लिए एक उचित, एकीकृत प्रस्ताव के साथ आने की जरूरत है।

सरकार ने कहा है कि अगले वर्ष के लिए कोटा वृद्धि योजना पर दोबारा विचार करना संभव नहीं है, क्योंकि कॉलेज प्रवेश के लिए प्रक्रियाएं पहले से ही चल रही हैं।

केएमए की मांग के जवाब में, राष्ट्रपति कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगले साल के लिए मेडिकल स्कूल में प्रवेश बढ़ाने का मुद्दा पहले ही तय हो चुका है। इससे इस पर चर्चा करना व्यावहारिक रूप से असंभव हो गया है। हालांकि, अधिकारी ने कहा कि सरकार विशिष्ट संख्या से बंधे बिना 2026 के बाद से संभावित वृद्धि पर चर्चा करने के लिए तैयार है। अधिकारी ने कहा, हालांकि 2026 से शुरू करके 2025 के लिए बदलाव नहीं किए जा सकते हैं, अगर चिकित्सा समुदाय उचित आधार पेश करता है, तो हम संख्या पर किसी प्रतिबंध के बिना इस मामले पर चर्चा कर सकते हैं।

अब सभी मुस्लिम देशों को एकजुट होना होगा: तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन

इस्तांबुल, एजेंसी। तुर्किये के राष्ट्रपति तैयप एर्दोगन ने इस्लामिक देशों को एकजुट होने का संदेश दिया है। एर्दोगन ने ये अपील इजरायल के बढ़ते दबदबे को लेकर की है। उन्होंने कहा कि अगर इजरायल को रोकना है तो हमें एकजुट होना होगा। इस्लामिक देशों का एक गठबंधन बनाना होगा तुर्किये के राष्ट्रपति ने आगे कहा कि इजरायल के विस्तारवाद के बढ़ते खतरे के खिलाफ एक गठबंधन बनाना चाहिए, जिस पर इजरायल के विदेश मंत्री ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। तुर्किये की महिला की हत्या के बाद बवाल दरअसल, ये सारा बवाल तब मचा जब ये आरोप लगाया गया कि इजरायली सैनिकों ने शुक्रवार को कब्जे वाले वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाली एक तुर्किये-अमेरिकी महिला की हत्या कर दी। इजरायली अहंकार से अब सभी को खतरा इजरायली अहंकार और इजरायली आतंकवाद को रोकने वाला एकमात्र कदम इस्लामी देशों का गठबंधन है। मिस्र और सीरिया के साथ संबंधों को बेहतर बनाने के लिए तुर्किये ने हाल ही में जो कदम उठाए हैं, उनका उद्देश्य विस्तारवाद के बढ़ते खतरे के खिलाफ एकजुटता दिखाना है। इजरायली विदेश मंत्री का आया बयान दूसरी ओर इजरायल के विदेश मंत्री इजरायल काट्ज ने एक बयान में कहा कि एर्दोगन की टिप्पणी एक खतरनाक झूठ और उकसावे वाली है और तुर्किये के नेता क्षेत्र के उदारवादी अरब शासन को कमजोर करने के लिए ईरान के साथ वर्षों से काम कर रहे हैं। गाजा युद्ध पर मिस्र से वार्ता बता दें कि एर्दोगन ने इस सप्ताह अंकारा में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी की मेजबानी की और उन्होंने गाजा युद्ध और अपने लंबे समय से अच्छे संबंधों को और बेहतर बनाने के तरीकों पर चर्चा की, जो 12 वर्षों में राष्ट्रपति की पहली ऐसी यात्रा थी। 2020 में उनके बीच संबंधों में सुधार आना शुरू हुआ जब तुर्किये ने संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब सहित क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों के साथ तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास शुरू किए।

इमरान के समर्थकों और पुलिस में क्यों हुई भिड़ंत? स्थानीय प्रशासन ने पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी पर लगाए आरोप

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई को लेकर उनकी पार्टी के समर्थकों ने इस्लामाबाद में रैली आयोजित की, वहीं इस रैली के दौरान पुलिस और पीटीआई के समर्थकों में जमकर झड़प भी हुई। जिसमें गोली चलाने और पुलिस पर पथराव करने का भी आरोप लगा है। जानकारी के मुताबिक, रविवार को पाकिस्तान की तहरीक-ए-इंसाफ की संगजानी रैली में, जिला मजिस्ट्रेट ने कार्यक्रम स्थल खाली करने के लिए कई रिमाइंडर जारी किए। जिसका इमरान खान की पार्टी के समर्थकों ने उल्लंघन किया।

सिर्फ सात बजे तक रैली आयोजन की मिली थी अनुमति : एक स्थानीय समाचार पत्र के अनुसार, इमरान खान की पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ को स्थानीय प्रशासन की तरफ से रैली के एनओसी दिशा-निर्देशों का पालन करने के लिए चेतावनी जारी की गई थी, जिसके अनुसार उन्हें शाम सात बजे तक कार्यक्रम स्थल खाली करना अनिवार्य था। वहीं निर्धारित समय बीत जाने के बाद प्रशासन की तरफ से कई बार रिमांडर दिया गया और इसके बाद पीटीआई समर्थकों के न मानने पर पुलिस की तरफ से कार्रवाई की गई।

पीटीआई समर्थकों के हमले में पुलिस अधिकारी घायल : वहीं पुलिस की तरफ से कार्रवाई किए जाने के दौरान पीटीआई समर्थकों पर पुलिस पर पथराव और गोली चलाने का भी आरोप लगा है।

जिसके बाद पुलिस ने सुरक्षात्मक कार्रवाई करते हुए आंसू गैस के गोले दागे। पुलिस के एक प्रवक्ता अनुसार पीटीआई समर्थक निर्धारित रैली मार्ग से अलग जा रहे थे और पुलिसकर्मियों पर हमला किया। इस घटना में एसएसपी सेफ सिटी शोएब खान समेत कई अधिकारी घायल हो गए हैं।

पुलिस पर पीटीआई ने गोली चलाने का लगाया आरोप : इधर पीटीआई ने आरोप लगाया कि रविवार को इस्लामाबाद में रैली के दौरान पुलिस ने उसके सदस्यों पर गोलियां चलाई, यह रैली पार्टी के संस्थापक और जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर आयोजित की जा रही थी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा, आप किसी व्यक्ति को जेल में डाल सकते हैं, लेकिन उसके विचारों को नहीं।

कमला हैरिस के समर्थन में भारतीय-अमेरिकी उद्यमी, नाचो-नाचो गाने के जरिए जुटाएंगे वोट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में, रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से चुनावी मैदान में कमला हैरिस हैं। दोनों का समर्थन करने वाले लगातार सामने आ रहे हैं। लोग अपना समर्थन देने के लिए नए-नए पैंतरे आजमा रहे हैं। अब उपराष्ट्रपति के समर्थन में दक्षिण एशियाई लोगों को जुटाने के लिए एक म्यूजिक वीडियो जारी किया है।

किसने की पहल : भारतीय मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन अजय जैन भूटोरिया ने बॉलीवुड संगीत का इस्तेमाल करने का दिमाग लगाया है। नाचो नाचो गाना बॉलीवुड गायिका शिबानी कश्यप ने गाया। इसका निर्माण रितेश पारीख और उनकी रचनात्मक टीम ने किया। बता दें, भूटोरिया अमेरिका की सत्ताधारी डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए सबसे ज्यादा दान इकट्ठा करने वाले लोगों में शामिल हैं। साल 2020 में बाइडन के राष्ट्रपति चुनाव में भी अहम भूमिका निभाई थी। फिलहाल वह 'हैरिस फॉर प्रेजीडेंट 2024' के उप राष्ट्रीय वित्त अध्यक्ष हैं।

यह केवल एक गीत नहीं... अजय का कहना है कि नाचो नाचो केवल एक गीत नहीं है बल्कि यह एक आंदोलन है। इस अभियान का उद्देश्य युद्ध के मैदान वाले राज्यों और प्रमुख जिलों में विविध दक्षिण एशियाई-अमेरिकी समुदाय से जुड़ना है। 44 लाख भारतीय-अमेरिकी मतदान के पात्र उन्होंने कहा, 44 लाख भारतीय-अमेरिकी और 60 लाख दक्षिण एशियाई मतदान के पात्र हैं। हमारा उपराष्ट्रपति

कमला हैरिस को इस साल के चुनाव में जीत दिलाने का लक्ष्य है। यह वीडियो भाषा और सांस्कृतिक बाधाओं से परे है और हिंदी, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, गुजराती, बंगाली और अन्य भाषाओं के मतदाताओं को प्रभावित करेगा। हैरिस की कहानी पर हम सभी का विश्वास एक टीवी चैनल के संस्थापक ने कहा, बॉलीवुड हमेशा बाधाओं से जीतने और हमें एकजुट करने वाली कहानियों को बताता रहा है। कमला हैरिस का भी यही दृष्टिकोण हैं- लोगों को एक साथ लाना और एक ऐसे भविष्य की वकालत करना जहां विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उनकी यात्रा एक ऐसी कहानी है जिस पर हम सभी विश्वास करते हैं। 2020 में रचा था इतिहास भूटोरिया ने कहा कि गीत और वीडियो में दिखाया गया नृत्य समुदाय की उत्सव की भावना को दर्शाता है। हैरिस के समर्थन में वोट लाने के लिए एक मजबूत संदेश के रूप में यह गीत काम करेगा। उन्होंने आगे कहा कि साल 2020 में हमने दक्षिण एशियाई और भारतीय-अमेरिकी मूल की पहली महिला को उपराष्ट्रपति चुनकर इतिहास रच दिया। अब, 2024 में उन्हें हमारा अगला राष्ट्रपति बनाने का समय आ गया है।

उन्होंने हैरिस और उनके रनिंग मेट टिम वाल्ज के लिए मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से और बॉलिवुड गाना जारी करने की योजना बनाई है। उनका कहना है कि साल 2020 के प्रचार अभियान के दौरान हमने बॉलीवुड से प्रेरित वीडियो वायरल होते देखा थ और हम उस सफलता को दोहराएंगे। दक्षिण एशियाई वोट इस चुनाव में निर्णायक हो सकते हैं और हम हर वोट को पाने के लिए सभी कोशिश करेंगे।

एनआईए ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड तस्कर मुनियाद अली खान को भारत लाई

जयपुर । राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनईए) ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड की तस्करी करने वाले तस्कर मुनियाद अली खान को भारत लेकर आई है। आरोपी गोल्ड तस्कर को यूएई से इंटरपोल के द्वारा भारत लाया गया है। आरोपी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना तस्करी के नेटवर्क में शामिल है। आरोपी के खिलाफ कुछ समय पहले ही रेड नोटिस जारी किया था। जिसके बाद एनआईए सहित कई टीमें सक्रिय हुई और अबू धाबी के साथ समन्वय करते हुए संयुक्त अरब अमीरात से आरोपी तस्कर खान को भारत लाया गया। एनआईए ने आरोपी के खिलाफ 22 सितंबर 2020 को एक शिकायत दर्ज की थी। आरोपी खान अपने साथियों के साथ मिल कर गोल्ड की तस्करी किया करता था। जयपुर एयरपोर्ट पर एआईए की टीम ने लिया मुनियाद को हिरासत में ले लिया है। एनआईए ने जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 3 जुलाई 2020 को तस्करी कर लाए गए गोल्ड बार्स की जब्ती के संबंध में 22 सितंबर 2020 में एक मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान पाया गया कि रेड नोटिस वाले खान ने सह-आरोपियों के साथ मिलकर रियाद, सऊदी अरब से भारत में गोल्ड बार्स की अवैध तस्करी की और उस की रूपरेखा तैयार की थी। आरोपी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर रियाद से जयपुर, भारत में तस्करी के लिए गोल्ड बार्स उपलब्ध कराए थे। वह रियाद, सऊदी अरब से जयपुर, भारत में सोने की अंतरराष्ट्रीय तस्करी में लिप्त है। एनआईए ने रेड नोटिस वाले व्यक्ति के खिलाफ एनआईए की विशेष अदालत, जयपुर के समक्ष 22 मार्च 2021 को आरोप पत्र पेश किया था।

भाकपा-माले नेता सुनील चंद्रवंशी की गोली मारकर हत्या

पटना। अरवल में भाकपा-माले नेता सुनील चंद्रवंशी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाइक पर सवार 3 बदमाशों ने चंद्रवंशी को 6 गोलियां मारी हैं। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश हथियार लहराते भाग निकले। घटना इमामगंज करपी पथ के राइस मिल के पास की है। चंद्रवंशी माओवादी एरिया कमांडर भी रह चुका था। भाकपा माले जिला सचिव जितेंद्र यादव ने बताया कि सुनील चंद्रवंशी कैडर कन्वेंशन को लेकर तैयारी में जुटे थे। करपी इलाके में प्रचार-प्रसार और आंदोलन की तैयारी में लगे हुए थे। सोमवार को देर शाम करपी से अपने गांव छक्कन बिगहा लौट रहे थे। तभी बाइक सवार तीन अपराधियों ने उन पर फायरिंग की, जिससे वह जमीन पर गिर गए। इसके बाद अपराधियों ने नजदीक से उन्हें छह गोलियां मारी। घटना के बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना किंजर थाने को दी। सूचना पर किंजर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

बदले की नीयत से मारी गई गोली

पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार भील ने? बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा लग रहा है कि वारदात को अंजाम बदले की भावना को लेकर दिया गया है। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। भाजपा माले के जिला सचिव जितेंद्र यादव ने बताया कि 10 साल पहले सुनील चंद्रवंशी मुख्य धारा में आकर भाकपा माले से जुड़कर लोगों के लिए संघर्ष कर रहे थे। इससे पहले पूर्व में पीपुल्स वार से जुड़े हुए थे।

राहुल गांधी के पगड़ी वाले बयान से भड़की बीजेपी, कोर्ट में घसीटने की कही बात

नई दिल्ल। राहुल गांधी की अमेरिका में एक कार्यक्रम में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति पर की गई टिप्पणी से राजनीति में भूचाल आ गया है। वर्जीनिया के हर्नडन में राहुल गांधी ने कहा कि भारत में लड़ाई इस बात को लेकर है कि क्या सिखों को पगड़ी पहनने की इजाजत दी जाएगी...क्या सिखों को कड़ा पहनने या गुरुद्वारा जाने की इजाजत दी जाएगी। लड़ाई इसी बात को लेकर है और यह सिर्फ़ सिखों के लिए नहीं, बल्कि सभी धर्मों के लिए है। राहुल गांधी की सिखों पर टिप्पणी की बीजेपी ने कड़ी आलोचना की है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा कि 1984 में दिल्ली में तीन हजार सिखों का कत्लेआम किया गया उनकी पगड़ियां उतारी गईं, उनके बाल काटे गए और उनकी दाढ़ी मुंडवा दी गई। उन्होंने यह नहीं बताया कि यह सब तब हुआ जब कांग्रेस सत्ता में थी। उन्होंने राहुल पर सिख समुदाय के साथ कांग्रेस पार्टी के अपने इतिहास को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। आरपी सिंह ने राहुल गांधी को भारत की धरती पर अपनी टिप्पणी दोहराने की चुनौती दी और कानूनी नतीजों की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि मैं उनके खिलाफ केस दर्ज करूंगा और उन्हें कोर्ट में घसीटूंगा। वहीं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी राहुल गांधी के बयानों पर कहा कि कांग्रेस जो लंबे समय से तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है और सिख नरसंहार के लिए जिम्मेदार है, अब हमें उपदेश देने की कोशिश कर रही है। राहुल गांधी ने साहसपूर्वक दावा किया कि वह लिखित में 400 सीटें लाएंगे, लेकिन जो 99 सीटें नहीं ला पाए, वे अब 400 जीतने की बात कर रहे हैं। हमें ऐसे दावों का जवाब देना होगा।

संसद सुरक्षा चूक मामले में फैसला सुरक्षित.....11 सिंतबर को सुनवाई

नई दिल्ली । दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने संसद सुरक्षा चूक मामले में आरोपी नीलम आजाद की जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरदीप कौर ने फैसले को सुरक्षित रख कर मामले की सुनवाई के लिए 11 सितंबर, 2024 मुकर्रर की है। दिल्ली पुलिस के वकील ने याचिका का विरोध कर अदालत में कहा कि नीलम ने उन पांच बैठकों में से तीन में भाग लिया था, जिनमें पूरे कृत्य की योजना बनाई गई थी। संसद में यह कोई सामान्य दिन नहीं था। 2001 में भी ठीक इसी दिन संसद पर हमला हुआ था और इसी दिन इन लोगों ने अपने कृत्य को अंजाम दिया। क्या किसी हमले को केवल तभी आतंकवादी हमला माना जा सकता है, जब संसद में कोई व्यक्ति मारा जाए? उन्होंने कहा कि एक शिक्षित महिला होने के नाते नीलम को कानूनी एजेंसियों को सूचित करना चाहिए था। अगर ये लोग इतने निर्दोष थे, तब उन्होंने अपना मोबाइल क्यों नष्ट कर दिया? मनोरंजन ने अपने लैपटॉप से पूरा डेटा हटा दिया है। वहीं, नीलम आजाद के वकील ने कहा कि नीलम कोई साजिशकर्ता नहीं थी। वह संसद के बाहर थी। नीलीम मनोरंजन डी से यह भी कहा था कि वह संसद में प्रवेश नहीं करेगी। उसके पास केवल एक कनस्तर था... कनस्तर ले जाना कोई आतंकवादी गतिविधि नहीं है। यहां तक कि धुआं भी खतरनाक नहीं था। मामले में कोई हताहत नहीं हुई। नीलम का ऐसा कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। वह 9 महीने से सलाखों के पीछे है। मुकदमे में लंबा समय लगेगा, वह मुख्य आरोपी नहीं है। मामले में 133 गवाह हैं, पर कोई भी स्वतंत्र गवाह नहीं है। यूएपीए इस देश के उन युवाओं के लिए नहीं है जो अपनी आवाज उठाना चाहते हैं। बता दें कि पिछले साल शीतकालीन सत्र के दौरान 13 दिसंबर को आरोपी सागर शर्मा और मनोरंजन शून्यकाल के वक्त विजिटर गैलरी से लोकसभा कक्ष में कूद गए थे। इसके बाद उन्होंने रंगीन स्मोक कैन छोड़कर नारेबाजी की। दिल्ली पुलिस ने लोकसभा सुरक्षा अधिकारी की शिकायत पर मामला दर्ज किया था। मामले की जांच बाद में संसद मार्ग थाने से नई दिल्ली के पीएस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट को सौंप दी गई। पुलिस ने मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है , मनोरंजन डी, सागर शर्मा, अमोल धनराज शिंदे, नीलम आज़ाद, ललित झा और महेश कुमावत जो फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

5वां आदमखोर भेड़िया पकड़ा, झुंड का सरदार लंगड़ा अभी भी घूम रहा आजाद

बहराइच। जिले के करीब 50 गांवों में आतंक का पर्याय बने आदमखोर भेड़ियों के झुंड में शामिल पांचवें भेड़िये को मंगलवार तड़के वन विभाग की टीम ने पकड़ लिया। अब इस झुंड का एक ही भेड़िया पकड़ से बाहर है। बहराइच के प्रभागीय वन अधिकारी अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि आदमखोर भेड़ियों के झुंड में शामिल एक भेड़िए को आज तड़के करीब 4 बजे घाघरा नदी के पास हरबंसपुर गांव के नजदीक पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि यह पिछले करीब डेढ़ महीने से महसी तहसील के 50 गांव में आतंक का पर्याय बने छह भेड़ियों के झुंड का पांचवां सदस्य है। अधिकारी ने कहा कि अब इस झुंड का आखिरी भेड़िया बचा रह गया है, जो लंगड़ा है तथा उम्मीद है कि उसे भी जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। सिंह ने बताया कि वन विभाग की टीम को रात में ही इलाके में भेड़िए के कदमों के निशान मिले थे लेकिन क्योंकि रात में उसे पकड़ने का अभियान नहीं चलाया जा सकता था इसलिए तड़के 4 बजे वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और उसे घेर लिया। भेड़िये ने भागने की कोशिश की लेकिन वन विभाग के लगाए जाल में फंस गया। वनकर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से भेड़िए को दबोचा और उसे पिंजरे में कैद कर लिया। सिंह ने कहा कि वन विभाग की टीम ने गत 29 अगस्त को झुंड में शामिल चौथे भेड़िये को पकड़ा था और उसके बाद संभवत : बाकी भेड़िए सतर्क हो गए थे।

वीडियो से हुआ खुलासा: ट्रेनों को पलटाने की साजिश के पीछे पाकिस्तानी आतंकवादी का हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते एक हफ्ते में तीन ट्रेन हादसे हुए हैं। गनीमत रही कि इनसे किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ। ये हादसे क्यों हो रहे हैं इसके पीछे की साजिश का भी खुलासा हुआ है। रेलवे के मुताबिक पिछले एक हफ्ते में देश के अलग-अलग हिस्सों में तीन बार ट्रेन को पटरियों से उतारने की कोशिश की गई। वहीं दो बार पथराव की घटना भी सामने आ चुकी है। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि रेल सेवा के खिलाफ क्या कोई बड़ी साजिश रची जा रही है। इन घटनाओं के सामने आने के बाद रेलवे की चिंता बढ़नी लाजिमी है। असामाजिक तत्व खासकर वंदे भारत ट्रेन पर पथराव कर रहे हैं। रेलवे ने संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ा दी है।

FILE PHOTO

पाकिस्तान के आतंकी फरहतुल्लाह घोरी ने हाल ही में एक वीडिया जारी किया। इसमें उसने अपने फॉलोअर्स से बड़े स्तर पर ट्रेनों को पटरी से उतारने की खातिर उकसा रहा है। कानपुर में कालिंदी एक्सप्रेस की पटरी पर सिलेंडर के अलावा पेट्रोल और माचिस का मिलना गहरी साजिश की ओर इशारा है। इसके पीछे आतंकी साजिश भी हो सकती है। उधर, बिल्हौर के पास कानपुर-कासगंज रेलवे ट्रैक पर एलपीजी सिलेंडर रखने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। जांच के मुताबिक रेलवे ट्रैक को उड़ाने और ट्रेन को फूंकने की साजिश रची गई थी। एटीएस और आइबी के साथ-साथ एनआईए भी जांच में जुटी है। अब तक कुल 14 लोगों को हिरासत में लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक जून 2023 से अब तक पटरियों के साथ छेड़छाड़ के 17 मामले सामने आ चुके हैं। आरपीएफ मामला दर्जकर जांच में जुटी है। पिछले हफ्ते सोलापुर, जबलपुर समेत कई जगह ट्रेन को पलटाने की कोशिश की गई।राजस्थान के अजमेर में भी मालगाड़ी को पलटाने की साजिश रची गई थी। आठ सितंबर को यहां दो जगह पटरियों पर सीमेंट के ब्लॉक रखे गए थे। आरपीएफ ने मामला दर्ज किया है और जांच भी शुरू कर दी गई है। देश के कई हिस्सों पर लगातार ट्रेन की पटरियों पर लकड़ी और लोहे के टुकड़े, पत्थर, सिग्नल से छेड़छाड़ और लोहे के छड़ मिलने के मामले सामने आ रहे हैं। कानपुर के नजदीक पिछले 23 दिनों में तीन बार ट्रेन को पलटाने की कोशिश की गई। 24 अगस्त को फर्रुखाबाद में ट्रैक पर लकड़ी का टुकड़ा रखा गया था। इससे ट्रेन का इंजन टकरा गया था। इससे पहले 16 अगस्त को झांसी रेलमार्ग पर साबरमती एक्सप्रेस पटरी से उतर गई थी। इसमें ट्रेन के इंजन से पटरी का टुकड़ा टकरा गया था। इसके बाद अब नौ सितंबर को बिल्हौर के पास कालिंदी एक्सप्रेस को डिरेल करने की साजिश रची गई।

डेंगू से भर सकता है लंग्स में पानी, हो सकता है खतरा

नई दिल्ली । डेंगू एक गंभीर समस्या हो सकती है और अगर समय पर इसका इलाज न किया जाए, तो यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। क्या आपने कभी सुना है कि डेंगू के दौरान फेफड़ों में पानी भर सकता है? हम जानेंगे कि डेंगू के कारण फेफड़ों में पानी भरने की स्थिति कैसी होती है, इसके लक्षण क्या होते हैं, और इसका सही उपचार कैसे किया जा सकता है। इस जानकारी से आपको न केवल डेंगू की जटिलताओं को समझने में मदद मिलेगी, बल्कि आप इस बीमारी से बचने के उपाय भी जान सकेंगे। आपको बता दे की डेंगू एक वायरल बुखार है जो एडीज़ मच्छर के द्वारा फैलता है। यह बुखार आमतौर पर उच्च तापमान, गंभीर सिरदर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, और त्वचा पर लाल निशान जैसी लक्षणों के साथ शुरू होता है। हालांकि डेंगू के सामान्य लक्षणों के अलावा, इस बुखार के कुछ गंभीर रूप भी होते हैं, जिनमें फेफड़ों में पानी भरना (प्लूरल एफ़्यूज़न) शामिल हो सकता है। इस लेख में हम जानेंगे कि डेंगू के दौरान फेफड़ों में पानी भरने की समस्या कैसी होती है, इसके कारण, लक्षण, और उपचार के उपाय। डेंगू हेमोरेजिक फीवर में शरीर के विभिन्न अंगों से ब्लीडिंग शुरू हो सकता है और प्लेटलेट्स की संख्या बहुत कम हो जाती है। इस स्थिति में नसों की दीवारें कमजोर हो जाती हैं। डेंगू के संक्रमण के दौरान शरीर में वायरल संक्रमण के कारण कई समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इनमें से एक है 'डेंगू शॉक सिंड्रोम' (डीएसएस) और 'डेंगू हेमोरैजिक फीवर' (डीएचएफ), जो शरीर में तरल पदार्थों की असंतुलित स्थिति पैदा कर सकती है।

तेजस्वी ने राहुल का समर्थन किया, कहा- जो लोग 400 पार का दावा करते थे, वे 240 पर सिमट गए

समस्तीपुर (बिहार) (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस आरोप का समर्थन किया कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव अगर स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से हुए होते तो भाजपा 240 सीट तक भी नहीं पहुंच पाती। लोकसभा में विपक्ष के नेता फिलहाल अमेरिका की यात्रा पर हैं और वहां सोमवार को प्रतिष्ठित जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटीमें उन्होंने दावा किया कि अगर निष्पक्ष चुनाव होता तो भाजपा 240 सीटों के आसपास भी नहीं आती।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव से गांधी के इस आरोप के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ÷यह कोई रहस्य नहीं है कि भाजपा के विरोधियों पर केंद्रीय जांच एजेंसियों को खुला छोड़ दिया जाता है। दूसरी ओर, जैसा कि हमने महाराष्ट्र में देखा है, केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी के साथ गठबंधन करने से पिछले सभी पाप धुल जाते हैं। यादव का इशारा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की ओर था। अजित पवार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे जिसके कुछ दिनों बाद वह अपने चाचा शरद पवार की अगुवाई वाली राकांपा को तोड़ पश्चिमी राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में शामिल हो गए थे।

यादव ने यह भी कहा, जो 400 से ज़्यादा सीटें जीतने का दावा कर रहे थे, वे सिर्फ़ 240 सीटों पर सिमट गए। यह तो बस शुरुआत है। मौजूदा सरकार के प्रति लोगों में असंतोष और बढ़ रहा है। हालांकि, राजद नेता ने भरोसा जताया कि बिहार में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन जीत हासिल करेगा। बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता यादव ने कहा, हमें याद रखना चाहिए कि राज्य के चुनावों में स्थानीय मुद्दे ज़्यादा अहमियत रखते हैं। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि अगर मतगणना के दिन गड़बड़ी न होती, तो महागठबंधन 2020 में ही सरकार बना लेता। हमें राजग से सिर्फ़ 12,000 वोट कम मिले। यादव ने अगले साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरने के लिए चलाए जा रहे कार्यकर्ता आभार कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। वह राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के छोटे बेटे हैं और उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी माने जाते हैं। यादव ने कहा, भारत रत्न स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर की जन्मस्थली समस्तीपुर में इस अभियान को शुरू करते हुए हमें खुशी हो रही है। मैं पूरे राज्य का दौरा करूंगा और जमीनी कार्यकर्ताओं से प्रतिक्रिया लूंगा।

राजद नेता से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस दावे के बारे में पूछा गया कि कोलकाता में डॉक्टर की हत्या के मामले में आरोपी बिहार का निवासी है। यादव ने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आरोपी किस जगह का है। सच्चाई यह है कि वह सजा का हकदार है। हमें बिहार में राज्य के हर जिले में हो रही ऐसी ही घटनाओं पर अधिक ध्यान देना चाहिए। राजद नेता यादव ने वंचित जातियों के लिए आरक्षण बढ़ाने वाले कानूनों को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल न किए जाने पर राज्य की डबल इंजन सरकार की आलोचना की।

एक और साजिश हुई नाकाम, राजस्थान में पटरियों पर मिले भारी भरकम सीमेंट ब्लॉक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अजमेर(ईएमएस)। ट्रेनों को पलटने उनमें धमाके करने जैसे घातक मंसूबे लगातार सामने आ रहे हैं। इस तरह के प्रयास बीते एक हफ्ते में कई बार हुआ है। लेकिन सूझबूझ के चलते इन्हे विफल कर दिया गया। हाल ही में उत्तर प्रदेश के कानपुर के बाद राजस्थान में भी ट्रेन पलटने की साजिश नाकाम हुई है। राजस्थान के अजमेर में मालगाड़ी से टक्कर के बाद रेलवे पटरी पर भारी-भरकम दो सीमेंट ब्लॉक बरामद किए गए हैं। रेलवे ट्रैक पर एक किलोमीटर तक की दूरी में दोनों सीमेंट ब्लॉक रखे गए थे। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रैक पर सीमेंट ब्लॉक होने की जानकारी मिलने के बाद आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। डीएफसीसी और आरपीएफ ने मिलकर सराधना से बांगड़ ग्राम स्टेशन तक पेट्रोलिंग की। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि किसने ट्रैक पर इतने बड़े ब्लॉक को रखा। ट्रेन पलटने की यह साजिश डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के फुलेरा-अहमदाबाद रूट पर की गई थी। सराधना और बांगर ग्राम स्टेशन के सोमवार रात करीब साढ़े 10 बजे एक मालगाड़ी का इंजन ब्लॉक टकराया। गनीमत रही कि टक्कर से यह ब्लॉक टूट गया और ट्रेन सुरक्षित गुजर गई। टूटे हुए ब्लॉक का वजन करीब 70 किलोग्राम बताया जा रहा है। करीब एक किलोमीटर दूर ट्रैक के किनारे दूसरा सीमेंट ब्लॉक भी बरामद हुआ है। इस मामले में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन (डीएफसीसी) कर्मचारी रवि बुंदेला और विश्वजीत दास ने एफआईआर दर्ज करवाई है। अजमेर के मंगालियावास पुलिस थाने में रेलवे ऐक्ट और प्रिवेंशन ऑफ डेमेज को पब्लिक प्रॉपर्टी ऐक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है।एफआईआर के मुताबिक 8 सितंबर की रात 10:36 बजे सूचना मिली कि ट्रैक पर सीमेंट का ब्लॉक रखा हुआ है। मौके पर पहुंचे तो पाया कि वह टूट कर गिरा हुआ है।

सीएम धामी ने चेताया बोले, आपराधिक तत्वों से सख्ती से निपटेगी उत्तराखंड सरकार

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनसांख्यिकीय परिवर्तन की समस्या के समाधान के लिए सभी एजेंसियों को आपसी समन्वय से काम करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि उत्तराखंड अन्य प्रदेशों के अपराधियों की शरणस्थली न बने, यह सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सीमावर्ती जिलों में सघन अभियान चलाने को निर्देशित किया था। धामी ने कहा है कि देवभूमि के शांतिपूर्ण वातावरण को बिगाड़ने वाले आपराधिक तत्वों से सरकार सख्ती से निपटेगी। उन्होंने कहा कि देवभूमि के लोग शांतिप्रिय हैं। यदि आपराधिक प्रवृत्ति के लोग आकर यहां की शांत वादियों में अशांति फैलाएंगे और कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने का प्रयास करेंगे तो इसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को कहा कि ऐसे आपराधिक तत्वों को चिह्नित करने के लिए राज्य में वृहद सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। इसमें कानून अपना काम करेगा। आपराधिक तत्वों से सख्ती से निपटने के निर्देश पुलिस प्रशासन को दिए गए हैं। बता दें कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में पिछले कुछ समय से मतांतरण, लव जिहाद, डकैती जैसी घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री ने हाल में समीक्षा की थी। तब उन्होंने इन प्रकरणों में सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे।अब मुख्यमंत्री ने फिर से कहा है कि राज्य में अपराध को लेकर सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रही है। अपराधियों के मन में पुलिस का भय और आमजन में भरोसा बढ़ना चाहिए, इस दृष्टिकोण से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि आपराधिक तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा। किसी को भी राज्य के शांतिपूर्ण वातावरण को बिगाड़ने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने उत्तराखंड को नशामुक्त प्रदेश बनाने और साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने को भी निर्देशित किया है।

राहुल गांधी के बयान से साफ... आरक्षण-विरोधी हैं कांग्रेस

-मायावती का आरोप अमेरिका में राहुल ने सच कह दिया

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की अध्यक्ष मायावती ने आरक्षण खत्म करने को लेकर टिप्पणी करने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला कर कहा कि राहुल गांधी के इस बयान से स्पष्ट है कि उनकी पार्टी वर्षों से अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का आरक्षण खत्म करने की साजिश में गुपचुप तरीके से लगी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में छात्रों से संवाद कार्यक्रम में भारत में आरक्षण कब तक जारी रहेगा, इस पर राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आरक्षण खत्म करने के बारे में तब सोचेगी, जब भारत में आरक्षण के लिहाज से निष्पक्षता होगी लेकिन अभी ऐसा नहीं है।

मायावती ने कहा, ''केन्द्र में लंबे समय तक सत्ता में रहते हुए कांग्रेस पार्टी नीत सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लागू

नहीं किया और ना ही देश में जातीय जनगणना होने दी। अब कांग्रेस (जातिवार जनगणना) आड़ में सत्ता में आने के सपने देख रही है। इनके इस नाटक से सचेत रहें जो भविष्य में कभी जातीय जनगणना नहीं करा पाएगी।

मायावती ने कहा, ''अब कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी के इस नाटक से भी सतर्क रहें, जिसमें उन्होंने विदेश में कहा है कि भारत जब बेहतर स्थिति में होगा तब हम एससी, एसटी, ओबीसी का आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस वर्षों से इनके आरक्षण को खत्म करने के षड्यंत्र में लगी है। उन्होंने कहा, इन वर्गों के लोग कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दिए गए घातक बयान से सावधान रहें, क्योंकि यह पार्टी केंद्र की सत्ता में आते ही, अपने इस बयान की आड़ में इनका आरक्षण जरूर खत्म कर देगी। ये लोग संविधान व आरक्षण बचाने का नाटक करने वाली इस पार्टी से जरूर सजग रहें।

मायावती ने कहा, सचाई सिर्फ इतना हैं कि कांग्रेस शुरू से ही आरक्षण-विरोधी सोच की रही है। केंद्र में कांग्रेस सरकार में जब आरक्षण का कोटा पूरा नहीं किया गया तब कांग्रेस पार्टी से इस वर्ग (एससी, एसटी, ओबीसी) के लोगों को इंसाफ नहीं मिल पाने की वजह से ही बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर ने कानून मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। लोग सावधान रहें। उन्होंने कहा, ''कुल मिलाकर, जब तक देश में जातिवाद जड़ से खत्म नहीं हो जाता है तब तक भारत की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर होने के बावजूद इन वर्गों के लोगों की सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक हालत बेहतर होने वाली नहीं है। इसलिए जातिवाद के समूल नष्ट होने तक आरक्षण की सही संवैधानिक व्यवस्था जारी रहना जरूरी।

वक्फ संशोधन बिल पर जहर उगल रहा भगौड़ा जाकिर....50 लाख मुसलमान साथ आए

नई दिल्ली । वक्फ संशोधन बिल पर छिड़ी जंग में अब कट्टरपंथी जाकिर नाइक की भी एंट्री हो गई है। भगौड़ा जाकिर जहर उगल रहा है। जाकिर कह रहा है कि वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ एकजुट हो जाओ। वक्फ बोर्ड की संपत्तियों की हिफाजत करो। मुसलमानों की भावी पीढ़ियों के लिए लड़ने का आह्वान जाकिर नाइक की ओर से हो रहा है। जाकिर ने कहा है कि करीब 50 लाख मुसलमान एक साथ आ जाए और वक्फ संशोधन बिल के रिजेक्शन पर क्लिक करें। इसके लिए स्कैन अभियान भी शुरू कर दिया है। जितने लोग मुहिम में हिस्सा लेते हैं उनका मत संयुक्त संसदीय कमेटी तक पहुंचाया जाएगा। दरअसल, वक्फ बिल के खिलाफ इन दिनों कई मुस्लिम संगठन मुहिम चला रहे हैं। जाकिर इस मुहिम को हाईजैक कर खुद को मुसलमानों का असली रहनुमा साबित करना चाहता है। जाकिर कह रहा है कि करीब पचास लाख मुसलमानों को बिल के खिलाफ उसके अभियान से जुड़ना चाहिए। लेकिन इसके पीछे उसका असली मंसूबा 50 लाख मुसलमानों को उसके जहरीले एजेंडे से जोड़ना हो सकता है। मलेशिया में रहकर जाकिर भारत के खिलाफ कट्टरपंथी एजेंडा चलाता है। नफरत फैलाने और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के बीच 2016 में भारत से भाग गया था। इस्लामिक उपदेशक को पिछली महाथिर मोहम्मद सरकार द्वारा मलेशिया में स्थायी निवास की अनुमति दी गई थी, जिससे भारत को काफी निराशा हुई थी। नाइक को कई बार अनवर इब्राहिम के साथ देखा गया है। इसके बाद अनवर इब्राहिम के इस दौरे पर जाकिर नाइक के वापसी की मांग उठने लगी है। जहां तक वक्फ बोर्ड बिल के विरोध का सवाल है, तब असदद्दीन ओवैसी जैसे नेता पहले से अभियान चला रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी दिल्ली में बैठकर वक्फ बोर्ड पर कानून बनाएंगे। अब वक्फ को कोई एक्शन लेना है, तब पीएम नरेंद्र मोदी से पूछना पड़ेगा।

कश्मीर पर सुशील शिंदे के डर वाले बयान पर बीजेपी हमलावर, कहा- मोदी राज में बदले हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे ने कहा कि पद पर रहते हुए उन्हें कश्मीर में बाहर निकलने से डर लगता था। उनके संस्मरण 'फाइव डिकेड्स ऑफ पॉलिटिक्स' के लॉन्च पर की गई उनकी टिप्पणी के एक दिन बाद, भाजपा ने कांग्रेस का मजाक उड़ाया और कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से लोकतंत्र मजबूत हुआ है। दिल्ली में अपने संस्मरण के विमोचन पर शिंदे ने कहा कि गृह मंत्री बनने से पहले मैं उनसे (शिक्षाविद विजय धर) मिलने गया था। मैं उनसे सलाह मांगता था। उन्होंने मुझे सलाह दी कि मैं इधर-उधर न घूमूं बल्कि लाल चौक जाऊं।' श्रीनगर में लोगों से मिलें और डल झील के आसपास जाएं। उस सलाह से मुझे प्रचार मिला और लोगों ने सोचा कि यहां एक गृह मंत्री है जो बिना किसी डर के वहां जाता है, लेकिन एक पूर्व पुलिसकर्मी इस तरह से बात नहीं कर सकता।

सुशील कुमार शिंदे ने प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए-द्वितीय सरकार के दौरान अगस्त 2012 से मई 2014 तक केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में कार्य किया। शिंदे की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि अंतर स्पष्ट है। कांग्रेस शासन- गृह मंत्री कश्मीर में बाहर निकलने से डरते थे। मोदी युग- 2-3 करोड़ पर्यटक सालाना जम्मू-कश्मीर का दौरा कर रहे हैं। अनुच्छेद 370 ने लोकतंत्र को मजबूत किया है, भ्रष्ट राजनीतिक वंशवादी परिवारों का प्रभाव कम किया है और कश्मीरियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कांग्रेस के राज में, देश के गृह मंत्री भी कश्मीर जाने से डरते थे। लेकिन अब, पीएम मोदी के नेतृत्व में, राष्ट्र की सुरक्षा इतनी मजबूत है कि 'विपक्ष के नेता' भी कश्मीर में, बिना किसी भय के, बर्फ से खेलते हैं।